हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची • गुरुवार • 19.02.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 205 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये
RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

प्रधानमंत्री आज इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट का करेंगे उद्घाटन

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार को यहां भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि उद्घाटन समारोह सुबह लगभग 9:40 बजे होगा, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी के साथ फ्रांस के राष्ट्रपति, संयुक्त राष्ट्र महासचिव और कई शीर्ष उद्योगपति शामिल होंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री अन्य वैश्विक नेताओं के साथ इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो का दौरा करेंगे और विभिन्न देशों के पवेलियन देखेंगे। दोपहर 12 बजे से शुरू होने वाले नेताओं के पूर्ण सत्र में प्रधानमंत्री मौजूद रहेंगे। इसमें राष्ट्राध्यक्ष, मंत्री और बहुपक्षीय संस्थानों के वरिष्ठ प्रतिनिधि कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर राष्ट्रीय और वैश्विक प्राथमिकताओं की रूपरेखा तय करेंगे। शाम 5:30 बजे प्रधानमंत्री सीईओ गोलमेज सम्मेलन में शामिल होंगे, जहां वैश्विक उद्योग जगत और तकनीकी कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी निवेश, अनुसंधान सहयोग और एआई प्रणालियों की तैनाती पर चर्चा करेंगे। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट की थीम ''सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय'' यानी सभी का कल्याण और सभी की प्रसन्नता है। इसके तीन प्रमुख स्तंभ मनुष्य, पृथ्वी और प्रगति हैं। सम्मेलन में सात कार्यकारी समूह बनाए गए हैं, जो एआई के विभिन्न क्षेत्रों में ठोस परिणाम देने पर काम करेंगे। इस समिट में 500 से अधिक वैश्विक एआई विशेषज्ञ, 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुख, लगभग 60 मंत्री और उपमंत्री, 100 सीईओ और संस्थापक, 150 शिक्षाविद और शोधकर्ता तथा 400 तकनीकी अधिकारी भाग लेंगे।

झारखंड-बिहार समेत 10 राज्यों में राज्यसभा की 37 सीटों पर चुनाव 16 मार्च को

नयी दिल्ली : चुनाव आयोग ने 10 राज्यों में खाली हो रही 37 राज्यसभा सीटों के चुनाव की घोषणा कर दी है। आयोग ने बताया है कि चुनाव 16 मार्च को होंगे। आयोग ने बताया है कि झारखंड, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, असम, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और बिहार की सीटों पर चुनाव कराए जाएंगे। ये सीटें अप्रैल महीने में अलग-अलग तारीखों को खत्म हो रही है। गौरतलब है कि राज्यसभा का कार्यकाल 6 साल का होता है। लेकिन हर एक तिहाई सीटों के लिए हर दो साल पर चुनाव कराए जाते हैं। इस वजह से ही राज्यसभा को स्थाई सदन कहा जाता है। ऐसा इसलिए कहा जाता है कि क्योंकि लोकसभा की तरह राज्यसभा कभी भंग नहीं होती है। राज्यसभा चुनाव को लेकर 26 फरवरी को अधिसूचना जारी होगी। इसके बाद नामांकन के लिए आखिरी तारीख 5 मार्च है। वहीं नाम वापस लेने की आखिरी तारीख 9 मार्च है। 16 को चुनाव होंगे। उसी दिन शाम के पांच बजे से वोटों की गिनती शुरू हो जाएगी। राज्यसभा के चुनाव लोकसभा से बहुत अलग होते हैं। यहां जनता सीधे वोट नहीं डालती। राज्यसभा के सदस्यों को राज्यों की विधानसभाओं के विधायक चुनते हैं। यह अप्रत्यक्ष चुनाव होता है। राज्यसभा में कुल 245 सदस्य होते हैं, जिनमें से 233 सदस्य राज्यों और कुछ केंद्रशासित प्रदेशों से चुने जाते हैं और 12 को राष्ट्रपति नामित करते हैं।

झारखंड विधानसभा का बजट सत्र शुरू, 17 कार्यदिवसों में होगी विकास, बजट व जनहित के मुद्दों पर चर्चा

राज्य सरकार कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्ध : राज्यपाल गंगवार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा का बजट सत्र राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के अभिभाषण के साथ शुरू हुआ। राज्यपाल ने अपने विस्तृत संबोधन में राज्य सरकार की अब तक की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए आगामी वर्षों की प्राथमिकताओं और योजनाओं का खाका सदन के पटल पर रखा। राज्यपाल ने कहा कि राज्य सरकार कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। साइबर अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं और अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की सक्रियता और विकास योजनाओं के विस्तार से सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। अपने अभिभाषण में राज्यपाल ने विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए दुमका में कमर्शियल पायलट प्रशिक्षण केंद्र के संचालन को राज्य के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। इसके साथ ही वन क्षेत्र के विस्तार, पर्यटन विकास, औद्योगिक निवेश को बढ़ावा, राष्ट्रीय एवं राज्य उच्च पथ (हाइवे) के निर्माण और ग्रामीण सड़कों के सुदृढ़ीकरण जैसे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आधारभूत संरचना के विकास के माध्यम से राज्य को तीव्र प्रगति की ओर ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। राज्यपाल ने यह भी कहा कि सरकार उद्योग, रोजगार सृजन, पर्यावरण संरक्षण और संतुलित क्षेत्रीय विकास को लेकर प्रतिबद्ध है। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से युवाओं, किसानों और महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। विधानसभा की कार्यवाही संचालित करते हुए अध्यक्ष रविन्द्र नाथ महतो ने सदन में शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया। उन्होंने विगत सत्र के बाद से अब तक देश ने राजनीति, कला, उद्योग और समाज सेवा के क्षेत्र की कई प्रमुख हस्तियों को खोने पर गहरा दुःख व्यक्त किया। साथ ही विभिन्न दुर्घटनाओं में मृत लोगों के प्रति भी सदन की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की गई और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की गई। शोक प्रस्ताव पारित होने के बाद विधानसभा की कार्यवाही गुरूवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि यह बजट सत्र राज्य के विकास की दिशा तय करने वाला महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि यह सत्र केवल आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत करने का मंच नहीं है, बल्कि यह राज्य की विकास यात्रा का मार्गदर्शक दस्तावेज भी है। अध्यक्ष ने कहा कि इस सत्र में वित्तीय वर्ष 2025-26 का तृतीय अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा और 24 फरवरी को वित्तीय वर्ष 2026-27 का वार्षिक बजट सदन के पटल पर रखा जाएगा। बजट के माध्यम से राज्य की नीतियों, योजनाओं, वित्तीय प्राथमिकताओं और संसाधनों के न्यायसंगत वितरण की रूपरेखा तय की जाएगी।

बजट सत्रः राज्यपाल के अभिभाषण के बाद शोक प्रस्ताव, आज 11 बजे तक के लिए सदन स्थागित

विस अध्यक्ष समेत कई अधिकारियों ने सीएम का किया स्वागत

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से अल्पसंख्यक बुद्धिजीवी प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

रांची : झारखंड विधानसभा के सभा कक्ष में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से हजारीबाग जिला के अल्पसंख्यक बुद्धिजीवी समुदाय के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने अल्पसंख्यक समुदाय से संबंधित विभिन्न मुद्दों और समस्याओं की जानकारी मुख्यमंत्री को दी। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को सुना और कहा कि प्राप्त समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित स्तर पर आवश्यक प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

हेमन्त सोरेन से गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह वाघेला ने की शिष्टाचार भेंट

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से बुधवार को झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह वाघेला ने औपचारिक मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री को एक यादगार तस्वीर सप्रेम भेंट की। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि यह तस्वीर उस वक्त की है, जब दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी और वे एक ही कार्यकाल में एक साथ सांसद थे। मुख्यमंत्री ने इस अति विशिष्ट तस्वीर भेंट करने के लिए श्री वाघेला का आभार जताया। इस मौके पर विधायक मथुरा प्रसाद महतो भी मौजूद थे।

एक नजर

थाना में गुमशुदा का आवेदन दिया गया पति दो दिन के बाद सही सलामत घर लौटे

टाटीझरिया : टाटीझरिया थाना क्षेत्र के धर्मपूर पंचायत के पकीमाको निवासी सरो देवी अपने पति शिवराम टुडू 10 फरवरी को घर से कही गायब हो गए थे जिसका लिखित आवेदन सारों देवी ने अपने पति के बारे में टाटी झरिया थाना को दी थी। इस आवेदन के आलोक में टाटीझरिया थाना प्रभारी इंद्रजीत कुमार ने तुरंत संज्ञान लिया और 12 फरवरी को शिवराम टुडू सही सलामत अपने घर आपस आ गया। इस कार्य के लिए शिवराम टुडू और उनके पत्नी पूरे परिवार थाना प्रभारी को ध्यानवाद दिया और एक लिखित आवेदन थाना में देकर घर आने का सूचना दिया।

जनसेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए मोहित राणा हुए सम्मानित, जिले में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर मिला सम्मान

चौपारण : प्रखंड अंतर्गत बछई पंचायत स्थित प्रज्ञा केंद्र के संचालक मोहित राणा ने अपने उत्कृष्ट, ईमानदार एवं निस्वार्थ सेवा कार्यों से पूरे हजारीबाग जिले का नाम रोशन किया है। उन्हें सीएससी के तहत जिले में सर्वाधिक कार्य निष्पादन एवं पारदर्शी सेवा प्रदान करने के लिए सिल्वर मेंबर के रूप में सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर मोहित राणा को सफलता का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। उनके इस सम्मान से न केवल बछई पंचायत बल्कि पूरे प्रखंड में हर्ष का माहौल है। मोहित राणा ने कहा कि उनका उद्देश्य हमेशा लोगों की निस्वार्थ सेवा करना रहा है और आगे भी वे पूरी ईमानदारी एवं समर्पण के साथ जनसेवा करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि जब इंसान की भावना अच्छी होती है, तो परिणाम भी अच्छे ही होते हैं। स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने मोहित राणा को इस सफलता के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उम्मीद जताई कि वे आगे भी इसी तरह पंचायत एवं प्रखंड का नाम रोशन करते रहेंगे।

मनीष गुप्ता ने बीआईटी मेसरा में जीता 1 लाख, बढ़ाया बड़कागांव का मान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : हजारीबाग जिले के बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत सिकरी गांव के मनीष कुमार गुप्ता पिता नरेश कुमार गुप्ता जो वर्तमान में बिरला इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा में अध्ययनरत हैं। उन्होंने अपनी प्रतिभा का परचम लहराते हुए संस्थान में आयोजित प्रतिष्ठित टेक्निकल एवं इनोवेशन प्रोग्राम “बीआईटी निशान” में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि से उन्होंने न केवल संस्थान बल्कि सिकरी गांव और पूरे बड़कागांव क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

स्मार्ट ईवी साइकिल की खास पहल

मनीष और उनकी टीम पिछले दो वर्षों से “स्मार्ट कैंपस मोबिलिटी” की अवधारणा पर आधारित एक किफायती और स्मार्ट ईवी साइकिल प्रोजेक्ट पर कार्य कर रहे हैं। इस परियोजना का उद्देश्य कॉलेज परिसर में सुरक्षित, सुलभ और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन व्यवस्था विकसित करना है।

इलेक्ट्रिक व्हीकल्स पर शोध, विशेषज्ञों की सराहना

प्रोफेसर डॉ. आनंद प्रसाद सिन्हा के मार्गदर्शन में मनीष इलेक्ट्रिक वाहनों में उपयोग होने वाली लिथियम-आयन बैटरियों की दक्षता बढ़ाने से जुड़े शोध पर भी कार्य कर रहे हैं। देश में तेजी से बढ़ते ईवी बाजार के बीच उनका यह शोध ऊर्जा संरक्षण और बैटरी प्रदर्शन सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ब्रेन ट्यूमर से जूझ रहीं सरस्वती देवी को विधायक ने दिया हरसंभव सहयोग का भरोसा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

केरेडारी : केरेडारी प्रखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत सलगा और बड़कागांव विधायक माननीय रोशन लाल चौधरी 18 फरवरी को रांची रिम्स अस्पताल स्थित पहुंचे जहां वे केरेडारी प्रखंड के एक इलाजरत लोग से मिलकर उनका कुशल क्षेम जान। विधायक रौशन लाल चौधरी इलाजरत केरेडारी प्रखंड निवासी एवं आजसू पार्टी केरेडारी प्रखंड अध्यक्ष पंकज साहा और पत्रकार कुमार दास के पत्नी सरस्वती देवी से मिल कर मुलाकात किए। मुलाकात के दौरान विधायक ने सरस्वती देवी जी का हाल-चाल जाना और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। मुलाकात के दौरान विधायक ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। वहीं ब्रेन ट्यूमर से ग्रसित बीमारी और रांची रिम्स में इलाजरत केरेडारी के सलगा गांव निवासी पत्रकार पवन कुमार दास के पत्नी सरस्वती देवी से भी मिले और उनका कुशल क्षेम जानकार रिम्स अस्पताल प्रबंधन से मिलकर समुचित ईलाज की बात कही। वहीं पत्रकार पवन दास को आर्थिक सहयोग किए और हर संभव सहयोग का भरोसा दिया।

रसोईया धमना में फ्लाईओवर की मांग तेज, सांसद से मिलेंगे ग्रामीण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड के रसोईया धमना मोड़ पर वर्षों से लंबित फ्लाईओवर निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने बैठक कर आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया। बैठक की अध्यक्षता पंचायत के मुखिया गोविंद प्रसाद साहू ने की। ग्रामीणों ने बताया कि रसोईया धमना मोड़ से लगभग 500 मीटर दूरी पर अंडरपास का निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माण के दौरान दोनों ओर मिट्टी भरकर दीवार बनाई जा रही है, जिससे इस पार से उस पार जाने में ग्रामीणों को करीब 500 मीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ेगी।ग्रामीणों का कहना है कि खेती-किसानी सहित कई आवश्यक कार्यों के लिए उन्हें नियमित रूप से सड़क पार कर दूसरी ओर जाना पड़ता है। ऐसे में वर्तमान निर्माण पद्धति से उनकी परेशानी बढ़ जाएगी। इस मोड़ से दो पंचायतों की लगभग 10 हजार की आबादी प्रतिदिन आवागमन करती है। ग्रामीणों ने मांग की कि अंडरपास निर्माण के दौरान दोनों ओर मिट्टी भरने के बजाय पिलर के सहारे निर्माण किया जाए, ताकि आवागमन सुगम बना रहे और स्थानीय लोगों को सहूलियत मिल सके। बैठक में सर्वसम्मति से एक प्रतिनिधिमंडल का गठन किया गया, जो गुरुवार को सांसद प्रतिनिधि भगवान केसरी व मोतीलाल चौधरी के नेतृत्व में सांसद मनीष जायसवाल से मिलकर फ्लाईओवर निर्माण और अंडरपास की वर्तमान संरचना में संशोधन की मांग रखेगा। ग्रामीणों को उम्मीद है कि जनप्रतिनिधि उनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए सकारात्मक पहल करेंगे। इस दौरान सड़क चौड़ीकरण का कार्य कर रहे कंपनी के पदाधिकारी भी बैठक में पहुंचे, उनके समक्ष भी ग्रामीणों ने पूरी बात रखी। बैठक में प्रोफेसर बद्री साहू, बीरेंद्र साहू, संतोष साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

परमात्मा शिव राजयोग की शिक्षा से रच रहे नया संसार, बना रहे हैं भारत को सोने की चिड़िया : ब्रह्माकुमारी सरिता दीदी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय केरेडारी तथा ब्रह्माकुमारी पाठशाला गुरुचट्टी बड़कागांव के संयुक्त तत्वाधान में 90 वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाई गई। इस मौके पर भगवान शिव के जन्मदिन पर शिव ध्वज फहराया गया। साथ ही स्वर्णिम युग दर्शन झांकी भी निकाली गई। कार्यक्रम की संचालिका ब्रह्माकुमारी सरिता दीदी ने कहा कि महाशिवरात्रि का पर्व सबसे महान है, क्योंकि यह अजन्मा का जन्मदिन है, अर्थात भगवान शिव का अवतरण दिवस है। भारत में 12 ज्योतिर्लिंग प्रसिद्ध हैं और गली-गली में शिवालय बने हुए हैं। इससे स्पष्ट होता है कि वह परमपिता परमात्मा कभी इस सृष्टि पर आएं हैं और विश्व कल्याण का कार्य किया है, तभी तो हम उन्हें याद करते हैं। परमात्मा का स्वरूप ज्योतिबिंदु है। श्रीमद्भ भगवत गीता से लेकर महाभारत, शिव पुराण, रामायण, यजुर्वेद, मनुस्मृति सभी में कहीं न कहीं परमात्मा के अवतरण की बात कही गई है। किसी भी धर्म ग्रंथ में परमात्मा के जन्म लेने की बात नहीं है। हर जगह प्रकट होने, अवतरण पर परकाया प्रवेश की बात को ही इंगित किया गया है। क्योंकि परमात्मा का अपना कोई शरीर नहीं होता है। वह परकाया प्रवेश कर नई सतयुगी सृष्टि की स्थापना का दिव्य कार्य कराते हैं। यहां तक कि शिव पुराण में स्पष्ट लिखा है कि मैं ब्रह्मा के ललाट से प्रकट होऊंगा। शिव जन्म-मरण से न्यारे हैं। ब्रह्मा, विष्णु और शंकर के भी रचयिता त्रिमूर्ति हैं, जिन्हें हम परमात्मा शिव कहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान समय कलियुग का अंतिम चरण चल रहा है, यह सारा काल, महारात्रि है। हम सभी नर-नारियों को यह शुभ संदेश देना चाहते हैं कि अब परमपिता परमात्मा शिव संसार को पावन तथा सुखी बनाने के लिए फिर से प्रजापिता ब्रह्मा के तन में अवतरित होकर सहज राजयोग की शिक्षा दे रहे हैं।

संपूर्णता अभियान 2.0 की समीक्षा स्वास्थ्य जांच में तेजी लाने का निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : नीति आयोग के आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम अंतर्गत संपूर्णता अभियान 2.0 के निर्धारित सूचकांकों की प्रगति को लेकर बुधवार को प्रखंड कार्यालय में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता हजारीबाग के प्रशिक्षु आईएएस सह सहायक समाहर्ता एवं सहायक दंडाधिकारी आनंद शर्मा तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी नितेश भास्कर ने संयुक्त रूप से की। बैठक में स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग से जुड़े सभी प्रमुख सूचकांकों की गहन समीक्षा की गई। विशेष रूप से गैर-संचारी रोग के अंतर्गत 30 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों की प्राथमिक स्वास्थ्य जांच रक्तचाप एवं मधुमेह की विस्तार से समीक्षा की गई। इस दौरान जांच की धीमी गति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को कड़ी चेतावनी के साथ 10 दिनों के भीतर ठोस सुधार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। निदेर्शानुसार जिन स्वास्थ्य केंद्रों पर सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी पदस्थापित नहीं हैं, वहां सभी आवश्यक कार्य संबंधित एएनएम द्वारा संपादित किए जाएंगे तथा संपूर्ण अभिलेख सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौपारण में अनिवार्य रूप से जमा किए जाएंगे। भगहर स्वास्थ्य केंद्र में सीएचओ एवं एएनएम की अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को तत्काल प्रभाव से पदस्थापन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया, ताकि क्षेत्रवासियों को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

शिक्षा के प्रति अलख, अनुपस्थित रहने वाले बच्चों को स्कूल लाने के लिए शिक्षकों और बाल संसद ने संभाली कमान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पदमा : शिक्षा के स्तर को सुधारने और विद्यालयों में शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उत्क्रमित उच्च विद्यालय केवला, पदमा द्वारा एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत विद्यालय के शिक्षकों और बाल संसद के सदस्यों ने संयुक्त रूप से ग्राम गोतिया सहित विभिन्न पोषक क्षेत्रों का सघन गृह भ्रमण किया।

अभिभावकों से सीधा संवाद

भ्रमण के दौरान उन बच्चों को चिन्हित किया गया जो लंबे समय से विद्यालय से अनुपस्थित चल रहे हैं या नियमित रूप से स्कूल नहीं आ रहे हैं। शिक्षकों और बाल संसद के मंत्रियों ने इन बच्चों के माता-पिता एवं अभिभावकों से सीधा संवाद स्थापित किया। उन्हें शिक्षा के महत्व को समझाते हुए बताया गया कि नियमित विद्यालय आने से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है। बाल संसद की सक्रिय भूमिका इस अभियान की खास बात यह रही कि इसमें विद्यालय के बाल संसद के सदस्यों और मंत्रियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों ने अपने हमउम्र साथियों और उनके परिजनों को स्कूल में मिलने वाली सुविधाओं, खेल-कूद और सीखने के सुखद माहौल के बारे में बताया, जिसका सकारात्मक प्रभाव ग्रामीणों पर देखने को मिला। मौके पर उपस्थित टीम इस प्रेरक गृह भ्रमण कार्यक्रम में मुख्य रूप से: शिक्षक: श्री सुभाष कुमार एवं श्री तुलसी कुमार यादव। प्रतिनिधि: बाल संसद के विभिन्न मंत्री एवं सदस्य गण। लक्ष्य: शत-प्रतिशत उपस्थिति शिक्षक श्री सुभाष कुमार ने बताया कि इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य ड्रॉपआउट दर को शून्य करना और विद्यालय में शत-प्रतिशत उपस्थिति दर्ज करना है।

सांसद खेल महोत्सव के तहत विद्यालयों में खेल किट वितरण, बच्चों में दिखा उत्साह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

दारू : मनीष जायसवाल के मार्गदर्शन में आयोजित सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत दारू प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में खेल किट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देना और विद्यार्थियों को खेल के प्रति प्रेरित करना है। इस अवसर पर महेशरा उच्च विद्यालय महेशरा, उत्क्रमित उच्च विद्यालय मेढ़कुरी, सरस्वती उच्च विद्यालय दारू, उत्क्रमित उच्च विद्यालय तीउज एवं पुनाई स्कूल में अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों के बीच खेल सामग्री वितरित की गई।कार्यक्रम का नेतृत्व सांसद प्रतिनिधि बलदेव बाबू एवं प्रखंड अध्यक्ष अशोक कुशवाहा ने किया। उनके हाथों विद्यार्थियों को क्रिकेट टेनिस बॉल, स्टंप, क्रिकेट बैट, बैटिंग पैड, ग्लव्स, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन तथा फर्स्ट एड किट जैसी उपयोगी खेल सामग्री प्रदान की गई। खेल सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे और विद्यालय परिसर उत्साह से गूंज उठा।इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि बलदेव बाबू ने कहा कि मानसिक एवं शारीरिक तनाव से दूर रहने के लिए खेल अत्यंत आवश्यक है। सांसद खेल महोत्सव के माध्यम से यह प्रयास किया जा रहा है कि बच्चे स्वस्थ, फिट और आत्मविश्वासी बनें। उन्होंने कहा कि यह पहल केवल खेल किट वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों की छिपी प्रतिभाओं को नई उड़ान देने का सशक्त प्रयास है। वहीं महेशरा उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रेम प्रकाश ने सांसद खेल महोत्सव की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की सामग्री मिलने से विद्यार्थियों में अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास का विकास होगा। कार्यक्रम प्रधानाध्यापक, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल ने ग्राम पलान्डू में किया ग्राम सभा

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत तलसवार पंचायत के प्लांडू गांव में पश्चिमी वन प्रमंडल हजारीबाग के द्वारा ग्राम सभा किया गया। इस ग्राम सभा में वनरक्षी महेश कुमार दास के द्वारा ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई ।जैसे मछली पालन, मुर्गी पालन, गाय पालन, सुकर पालन, साथी बहुत सारी योजनाओं को ग्राम सभा के द्वारा परित किया गया। जैसे कुआं, तालाब ,डीप बोरिंग ,चापाकल, इत्यादि। मौके पर वन पदधिकारी दसरथ ठाकुर, समरेश योगी ,सतीश करमाली, विजय महतो, नरायण प्रसाद, सुबेदार करमाली, नागेश्वर महतो, राहुल करमाली, महावीर महतो, संतोष महतो ईश्वर कुमार महतो व अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

बड़कागांव विधायक जनहित में क्षेत्र की विकास के लिए सदन में मुद्दे को उठाएंगे

बड़कागांव : विधानसभा के पंचम सत्र के प्रथम दिन बड़कागांव के विधायक रोशन लाल चौधरी ने सक्रिय भागीदारी दर्ज की। विधायक ने सदन में बड़कागांव की जनता की आवाज और क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं को पूरी मजबूती के साथ प्राथमिकता दी। विधायक श्री चौधरी ने सदन की कार्यवाही में हिस्सा लेते हुए क्षेत्र के विकास और जनहित के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि बजट सत्र के दौरान वे विस्थापन, रोजगार, और बुनियादी सुविधाओं जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को सदन के पटल पर रखेंगे। बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं के समाधान और जनहितकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा। सदन जनता की समस्याओं को सुलझाने का सबसे बड़ा मंच है। बजट सत्र के दौरान मेरी कोशिश रहेगी कि बड़कागांव के हर नागरिक की आवाज सरकार तक पहुंचे और उनके हकों की रक्षा हो सके।

मुख्यमंत्री लघु कुटीर बोर्ड का जूट क्राफ्ट प्रशिक्षण का समापन, प्रशिक्षणार्थियों को मिला सर्टिफिकेट

बरही : मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड के हस्तशिल्प विकास योजना के तहत जूट क्राफ्ट लघु उत्पादन ईकाई का प्रशिक्षण जन जागरण केंद्र बरही में संपन्न हुआ। प्रशिक्षणार्थियों के बीच 25 दिवसीय कौशल उन्नयन जूटक्राफ्ट प्रशिक्षण का सर्टिफिकेट वितरण किया गया। प्रशिक्षण 11.12.2025 से 17.01.2026 तक चला। 30 जूट क्राफ्ट लघु उत्पादन ईकाई की महिला सदस्यों ने प्रशिक्षण लिया। प्रशिक्षणार्थियों प्रतिदिन 150 रूपऐ का स्टाइपेंड प्रशिक्षण के समापन के बाद उनके खाते में आनलाइन भेजा जाएगा। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बसरिया पूर्व मुखिया हरेन्द्र गोप, विशिष्ट अतिथि मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड के जिला उद्यमी समन्वयक श्रीश पति त्रिपाठी, जन जागरण केंद्र सचिव संजय कुमार सिंह, बरही एफपीओ डायरेकटर राजेंद्र यादव, समाज सेवी नागेंद्र रजक, अभियंता जय मंगल सिंह, एवं प्रखंड समन्वयक सुरेश चंद्र महतो मौजूद थे। मुख्यमंत्री लघु एंव कुटीर उद्यम विकास बोर्ड के जिला उद्यमी समन्वयक श्रीश पति त्रिपाठी ने हस्तशिल्प विकास योजनाअंतर्गत लग रहे लघु उत्पादन ईकाई की विस्तृत जानकारी दी एवं प्रशिक्षण के समय बोर्ड दवारा दी गई जूटक्राफ्ट की मशीन की जानकारी दी गई। बताया कि बरही के बसरिया गांव जूटक्राफ्ट मैन्यूफैक्चरिंग हब बन रहा है जिससे वोकल फोर लोकल को बढ़ावा मिल रहा है।

दनुआ घाटी में दर्दनाक हादसा, ट्रेलर-कार भिड़ंत में एक की मौत, चार जख्मी

चौपारण : प्रखंड की दनुआ घाटी बुधवार को एक भीषण सड़क हादसे की साक्षी बनी, जिसमें एक व्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब गया से सिजुआ (धनबाद) लौट रही एक अल्टो कार घाटी के खतरनाक मोड़ पर सामने से आ रहे ट्रेलर से जोरदार टक्कर मार बैठी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और वाहन ट्रेलर में बुरी तरह फंस गया। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद ग्रामीणों और राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल चौपारण थाना को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। कार में फंसे घायलों को बाहर निकालने के लिए क्रेन मंगाई गई। कड़ी मशक्कत के बाद वाहन को अलग कर सभी घायलों को बाहर निकाला गया। घायलों को एनएचआई एवं आपदा मित्र एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने अजीत कुमार (निवासी सिजुआ, धनबाद) को मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों में संदीप कुमार (34 वर्ष), कारू साव (50 वर्ष), प्रियांशी कुमारी एवं ब्यूटी देवी (30 वर्ष) शामिल हैं। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घाटी का तीखा मोड़ और तेज रफ्तार इस दर्दनाक हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि दनुआ घाटी पहले से ही दुर्घटना-प्रवण क्षेत्र के रूप में कुख्यात रही है। राहत कार्य के दौरान थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी द्वारा स्वयं घायलों को वाहन से निकालकर एंबुलेंस तक पहुंचाने की स्थानीय लोगों ने भूरी-भूरी प्रशंसा की।

एक नजर

लोटा-पानी रस्म में शामिल होने आए दो बुजुर्गों के शव कुएं से बरामद

रांची : रांची के रातू थाना क्षेत्र अंतर्गत बसाईर टोली तिगरा गांव में मंगलवार रात उस वक्त हड़कंप मच गया, जब गांव के बीच स्थित एक कुएं से दो बुजुर्गों के शव बरामद किए गए। मृतकों की पहचान जरिया बेड़ो निवासी बंधन भगत (50) और पुनई उरांव (60) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, दोनों बुजुर्ग रविवार को तिगरा गांव में आयोजित एक लोटा-पानी रस्म में शामिल होने आए थे। कार्यक्रम के बाद से ही वे लापता हो गए थे। परिजनों ने उनकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। मंगलवार रात ग्रामीणों ने कुएं में कुछ संदिग्ध दिखाई देने पर शोर मचाया। पास जाकर देखने पर पानी में दो शव तैरते मिले। ग्रामीणों ने प्रयास कर दोनों शवों को बाहर निकाला और उनकी पहचान की। घटना की खबर मिलते ही जरिया बेड़ो से परिजन और ग्रामीण तिगरा पहुंचे और शवों को अपने साथ ले गए। इस दौरान पुलिस को तत्काल सूचना नहीं दी गई। बुधवार को मामला रातू थाने तक पहुंचने के बाद पुलिस टीम जरिया बेड़ो पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर थाने लाई। पुलिस ने यूडी केस दर्ज कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रातू थाना प्रभारी रामनरायण ने बताया कि प्रारंभिक सूचना पुलिस को सीधे नहीं दी गई थी, लेकिन जानकारी मिलते ही आवश्यक कार्रवाई की गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा। ग्रामीणों का अनुमान है कि दोनों बुजुर्ग अंधेरे में दुर्घटनावश करीब 30 फीट गहरे कुएं में गिर गए होंगे। कुआं गांव के बीचों-बीच स्थित है और वहां किसी प्रकार की रेलिंग या सुरक्षा व्यवस्था नहीं है, जिससे हादसे की आशंका जताई जा रही है।

आज से रमजान की शुरूआत, मंत्री इरफान अंसारी ने की दुआएं और दी मुबारकबाद

रांची : आज से माह-ए-रमजान का मुकद्दस आगाज होने जा रहा है। इस मौके पर झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने प्रदेशवासियों को मुबारकबाद दी और अमन-चैन की दुआ की। मंत्री ने कहा कि रमजान बरकतों, रहमतों और मगफिरत का महीना है। इस महीने में रोजा रखकर लोग अपने मुल्क, अपने सूबे और अपने परिवार की सलामती और खुशहाली के लिए दुआ करते हैं। उन्होंने कहा कि रोजा केवल भूखे-प्यासे रहने का नाम नहीं, बल्कि सब्र, तकवा और आत्म-सुधार का पैगाम है। उन्होंने कहा कि तरावीह की नमाज के जरिए लोग अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं और सच्चे दिल से की गई दुआ कबूल होती है। रमजान इम्तेहान का महीना जरूर है, लेकिन यह रहमतों का भी दरिया है। मंत्री ने समाज से अपील की कि इस पाक महीने में ज्यादा से ज्यादा जकात, खैरात और जरूरतमंदों की मदद करें, ताकि समाज में मोहब्बत और हमदर्दी कायम रहे। उन्होंने सभी को दिल से माह-ए-रमजान की ढेरों मुबारकबाद दी।

झारखंड कांग्रेस के सदस्यता अभियान की बैठक 19 को

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की उपस्थिति में गुरुवार को कांग्रेस भवन में सदस्यता अभियान की बैठक का आयोजन पार्टी मुख्यालय में होगा। इस बात की जानकारी देते हुए मीडिया चेयरमैन सतीश पौल मुंजनी ने बुधवार को बताया कि बैठक में समाजसेवी सुखपाल सिंह नामधारी, गुरदीप सिंह, प्रितपाल सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों सिख समुदाय के लोग कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण करेंगे। कार्यक्रम के दौरान पार्टी नेतृत्व की ओर से नए सदस्यों का स्वागत किया जाएगा और संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत करने के संकल्प को दोहराया जाएगा।

सरला बिरला विवि का तृतीय दीक्षांत समारोह, 32 विद्यार्थियों को स्वर्ण और 10 को मिली पीएचडी की डिग्री

विकसित भारत में युवा शक्ति की भूमिका अहम : राज्यपाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सरला बिरला विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह में बुधवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने विश्वविद्यालय के 32 विद्यार्थियों को बसंत कुमार सरला बिरला स्वर्ण पदक और 10 विद्यार्थियों को पीएचडी की डिग्री प्रदान की। इसके साथ ही विभिन्न संकायों के 1331 विद्यार्थियों को डिग्री दी गई। दीक्षांत समारोह में इसरो के चेयरमैन डॉ वी. नारायणन, डीआरडीओ के महानिदेशक डॉ. बी. के. दास, राज्यसभा सांसद गोविंदभाई ढोलकिया एवं तीरंदाजी कोच पद्मश्री पूर्णिमा महतो को पीएचडी की मानद उपाधि प्रदान की गई। डॉ. वी. नारायणन अन्यान्य व्यस्तताओं की वजह से कार्यक्रम में शिरकत कर पाने में असमर्थ रहे। उनके स्थान पर उनके विशेष प्रतिनिधि इसरो के निदेशक (ओआईसीसी) डॉ. डी. गौरीशंकर ने उपाधि ग्रहण की। एसबीयू परिसर के दीक्षांत मंडप में आयोजित भव्य समारोह में राज्यपाल ने विद्यार्थियों से असफलताओं से घबराए बिना अनुशासन और आत्मविश्वास से जीवन में आगे बढ़ने की सलाह दी। अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग राज्य और राष्ट्र की बेहतरी के लिए करने का उन्होंने छात्रों से आह्वान किया। उन्होंने कहा कि तकनीकी प्रगति के इस युग में छात्रों को अपने कौशल से साथ ही चरित्र निर्माण का भी प्रदर्शन करना होगा। साथ ही अपनी सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करने के अलावा जिम्मेदार नागरिक बनने और उत्कृष्टता का लक्ष्य रखने का भी उन्होंने विद्यार्थियों को सुझाव दिया। राज्यपाल ने विकसित भारत की राह में युवा शक्ति की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप विद्यार्थियों के समग्र विकास को सशक्त रूप से आगे बढ़ाने के लिए सरला बिरला विश्वविद्यालय की उन्होंने सराहना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि विवि में अर्जित ज्ञान, कौशल और मूल्यों की बदौलत विद्यार्थी नौकरी सृजन करने वाले बन सकेंगे। गोविन्दभाई ढोलकिया ने सफलता को हासिल करने के लिए छात्रों से कंफर्ट जोन से बाहर निकलने की अपील की। उन्होंने डिग्री को मंजिल की बजाए समाज के प्रति जिम्मेदारी करार दिया। डॉ. बी. के. दास ने युवाओं से अपनी पूरी क्षमता का प्रयोग कर राष्ट्र की प्रगति में अहम भूमिका निभाने की बात की। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज भारत की तकनीक का ही कमाल है कि हम वैश्विक शक्ति बन चुके हैं। डॉ. डी. गौरीशंकर ने इसरो की सफलता का जिक्र करते हुए छात्रों को अपने लक्ष्य की राह में अनवरत आगे बढ़ने का मंत्र दिया। अपने संबोधन में पूर्णिमा महतो ने युवाओं को अपने लक्ष्य पर फोकस करने को कहा। सामाजिक स्तर पर दूसरों का सम्मान करते हुए सामूहिक प्रयासों की बात उन्होंने की। शासी निकाय के सदस्य अनंत जाटिया ने बिरला परिवार की समृद्ध विरासत का जिक्र करते हुए उनके बताए हुए मूल्यों एवं दृष्टिकोण को अपनाने की बात की। जीवन में ईमानदारी के साथ विनम्रता को अपनाने की आवश्यकता पर उन्होंने जोर दिया। उन्होंने 'विद्या ददाति विनयम' के मूल मंत्र को जीवन में अपनाने की बात की। चरित्र निर्माण पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि कंपनियां नौकरी दे सकती हैं, लेकिन सफलता को सिर्फ चरित्र ही स्थायित्व प्रदान कर पाने में सक्षम है। समारोह में विवि के माननीय प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक एवं माननीय राज्यसभा सांसद सह शासी निकाय के सदस्य डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा भी उपस्थित रहे।

झारखंड उच्च न्यायालय ने सुशील श्रीवास्तव हत्याकांड में पांचों दोषियों को किया बरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : गैंगस्टर सुशील श्रीवास्तव और उनके साथियों की हत्या के बहुचर्चित मामले में झारखंड उच्च न्यायालय ने अहम फैसला सुनाते हुए पांचों सजायाफ्ता को बरी कर दिया है। अदालत के इस निर्णय से मामले में नया कानूनी मोड़ आ गया है। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति रंगन मुखोपाध्याय और न्यायमूर्ति प्रदीप कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ ने विकास तिवारी समेत पांचों की अपील स्वीकार करते हुए उन्हें दोषमुक्त करने का आदेश दिया। बरी किए गए जाने वालों में विकास तिवारी, संतोष पांडे, विशाल कुमार सिंह, राहुल देव पांडे और दिलीप साव शामिल हैं। इन सभी ने हजारीबाग की सिविल अदालत द्वारा वर्ष 2020 में सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील दायर की थी। निचली अदालत ने हत्या और अन्य गंभीर धाराओं में दोषी पाते हुए सभी को उम्रकैद की सजा के साथ-साथ अलग-अलग धाराओं में आर्थिक दंड भी लगाया था। उच्च न्यायालय में सुनवाई के दौरान अपीरकताओं की ओर से अधिवक्ता हेमंत शिकरवार ने पक्ष रखा। खंडपीठ ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद पहले फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसे अब सुनाते हुए सभी को बरी करने का आदेश दिया गया। दरअसल, यह मामला हजारीबाग सदर कांड संख्या 610/2015 से जुड़ा है। घटना 2 जून 2015 की सुबह करीब 11 बजे की है, जब सुशील श्रीवास्तव और उनके दो सहयोगियों को जेपी कारागार से पेशी के लिए हजारीबाग सिविल अदालत लाया गया था। जैसे ही वे अदालत परिसर पहुंचे, पहले से घात लगाए अपराधियों ने एके-47 राइफल से अंधाधुंध फायरिंग कर दी।

रांची में परीक्षा अवधि के दौरान ध्वनि प्रदूषण पर सख्ती, प्रशासन ने जारी किए निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में रांची जिला प्रशासन ने मैट्रिकुलेशन और इंटरमीडिएट परीक्षा अवधि के दौरान स्कूलों, कॉलेजों और परीक्षा केंद्रों के आसपास ध्वनि प्रदूषण पर सख्त कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में उपायुक्त (डीसी) सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री ने बुधवार को संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए। उपायुक्त ने अनुमंडल पदाधिकारी सदर को निर्देश दिया है कि सभी परीक्षा केंद्रों के आसपास डीजे, लाउडस्पीकर और नगर निकाय के प्रचार वाहनों की विशेष निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई), इंडियन सर्टिफिकेट ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (आईसीएसई) तथा झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) की बोर्ड एवं इंटरमीडिएट परीक्षाएं संचालित हो रही हैं। इस दौरान लाउडस्पीकर और डीजे की तेज आवाज विद्यार्थियों की एकाग्रता में बाधा उत्पन्न कर रही है और उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि निर्धारित डेसिबल सीमा से अधिक ध्वनि पाए जाने पर संबंधित वाहन, प्रत्याशी, बार-रेस्टोरेंट संचालक या आयोजक के विरुद्ध उपकरण जब्त करने, जुर्माना लगाने तथा अन्य कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त कार्यालय द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक बिना अनुमति लाउडस्पीकर बजाना पूर्णतः प्रतिबंधित है। आवासीय क्षेत्रों में दिन के समय 55 डेसिबल और रात के समय 45 डेसिबल की ध्वनि सीमा निर्धारित की गई है। जिला प्रशासन ने सभी राजनीतिक दलों, प्रत्याशियों और आम नागरिकों से अपील की है कि परीक्षा अवधि के दौरान छात्रों की पढ़ाई और मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ध्वनि प्रदूषण संबंधी नियमों का कड़ाई से पालन करें। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी, ताकि परीक्षाएं शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सकें।

झामुमो ने नगर निगम चुनाव में आचार संहिता उल्लंघन का लगाया आरोप, चुनाव आयोग से की हस्तक्षेप की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची नगर निगम चुनाव को लेकर सियासी माहौल गरमा गया है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने बुधवार को पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में प्रेस वार्ता कर अन्य राजनीतिक दलों पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने इस मामले में भारत निर्वाचन आयोग से हस्तक्षेप कर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि झामुमो को छोड़कर कई राजनीतिक दल, विशेष रूप से भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस, अपने प्रचार वाहनों और पोस्टरों में चुनाव चिह्न के साथ बड़े नेताओं की तस्वीरों का उपयोग कर रहे हैं, जो चुनाव नियमों के विरुद्ध है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ मेयर प्रत्याशियों की ओर से लगाए गए बैनर और पोस्टरों में आपत्तिजनक और सांप्रदायिक टिप्पणियां भी की गई हैं, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि झामुमो हमेशा दलीय चेतना के साथ चुनाव लड़ने में विश्वास रखता है, न कि चुनाव चिह्नों और प्रतीकों के दुरुपयोग के माध्यम से। उन्होंने कहा कि शहर में जल्द ही नई नगर सरकार बनने वाली है और इस दौरान चुनाव आयोग के नियमों का उल्लंघन लोकतांत्रिक प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़ा करता है। सुप्रियो भट्टाचार्य ने रांची के मतदाताओं से अधिक से अधिक मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि नगर निकायों के विकास के लिए जनभागीदारी बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और नगर विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के अनुरूप यदि नगर निगम में सकारात्मक जनादेश मिलता है, तो शहर के विकास को और गति मिलेगी और समग्र विकास सुनिश्चित होगा। उन्होंने मतदाताओं से अपने मतदान अधिकार का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक वोट लोकतंत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मर्सिडीज के बोनट पर युवक घसीटने का आरोप, दोनों पक्ष पहुंचे थाने

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : डोरंडा थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह मर्सिडीज कार और बुलेट बाइक के बीच हुई टक्कर का मामला मंगलवार को दिनभर चर्चा का विषय बना रहा। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विवाद ने तूल पकड़ लिया। देर रात करीब 11 बजे दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ वाहन से धक्का मारने की प्राथमिकी दर्ज कराई। घटना मंगलवार सुबह करीब 10:15 बजे मछली घर, देवेंद्र माझी चौक के पास हुई। जानकारी के अनुसार, मर्सिडीज कार (जेएच-01एफएम) चला रहे मनोज टंडन, जो हाईकोर्ट के अधिवक्ता और पूर्व अपर महाधिवक्ता रह चुके हैं, की गाड़ी की टक्कर बुलेट बाइक से हो गई। बुलेट पर हिंदपीढ़ी निवासी युवक मवाज खान सवार था। बताया जा रहा है कि घटना का वीडियो दूसरे पक्ष से युवक मवाज ने अपने मोबाइल से बनाया, जो दिनभर सोशल मीडिया पर वायरल होता रहा। हालांकि वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। अधिवक्ता मनोज टंडन ने बताया कि वह हाईकोर्ट जा रहे थे। इसी दौरान बुलेट सवार युवक ने ओवरटेक किया। उनके अनुसार, कार का बायां अगला हिस्सा बाइक से सट गया। इसके बाद युवक ने पैसे की मांग की और कार के सामने अड़ गया। उन्होंने आरोप लगाया कि युवक बोनट पर चढ़ गया और भीड़ इकट्ठा हो गई। अपनी सुरक्षा के मद्देनजर उन्होंने वाहन आगे बढ़ाया, लेकिन युवक बोनट से नहीं उतरा। बाद में पुलिस ने सुरक्षा कारणों से उन्हें थाने ले जाया गया। मामला डोरंडा थाना पहुंचा, जहां दिनभर दोनों पक्षों के बीच सुलह की कोशिश होती रही। हालांकि देर रात दोनों ने एक-दूसरे पर वाहन से धक्का मारने और अन्य आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज करा दी।

रांची विश्वविद्यालय में एमएससी डाटा साइंस पाठ्यक्रम पर मंथन, 2025-26 से 30 सीटों पर होगी शुरूआत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची विश्वविद्यालय में एमएससी डाटा साइंस पाठ्यक्रम समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रस्तावित एमएससी डाटा साइंस पाठ्यक्रम पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया तथा बोर्ड ऑफ स्टडीज का गठन किया गया। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डीके सिंह ने की। आईक्यूएसी सेल की बैठक में कुलपति ऑनलाइन माध्यम से जुड़े और प्रस्तावित पाठ्यक्रम पर अपने सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में डेटा साइंस जैसे व्यावसायिक एवं कौशल-आधारित पाठ्यक्रमों की अत्यंत आवश्यकता है। उन्होंने विशेष रूप से अंतिम सेमेस्टर में उद्योगों में अनिवार्य इंटर्नशिप की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर बल दिया, ताकि विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव मिल सके और उनके करियर निर्माण में सहायता हो। बैठक में विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू डॉ. सुदेश कुमार साहू और आईक्यूएसी के निदेशक डॉ. ए.के. डेल्टा भी उपस्थित थे। उन्होंने पाठ्यक्रम की संरचना, गुणवत्ता और उपयोगिता को लेकर अपने सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक की शुरूआत समन्वयक डॉ. आशीष कुमार झा ने की। उन्होंने एमएससी डाटा साइंस के प्रस्तावित पाठ्यक्रम, प्रवेश योग्यता, शुल्क संरचना और शैक्षणिक रूपरेखा पर विस्तार से जानकारी देते हुए सदस्यों को विचार-विमर्श के लिए आमंत्रित किया। इसके पश्चात सदस्य सचिव डॉ. घनश्याम प्रसाद ने ड्राफ्ट सिलेबस प्रस्तुत किया, जिस पर बिंदुवार और गहन चर्चा हुई। बैठक में विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के विषय-विशेषज्ञ ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से शामिल हुए। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद के डॉ. मनीष कुमार ऑनलाइन जुड़े और पाठ्यक्रम को अधिक उद्योग-उन्मुख बनाने पर जोर दिया। इसी प्रकार राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, रांची के वैज्ञानिक डॉ. जे.के. शाह और वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. सचिन कुमार धर द्विवेदी ने भी महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा से डॉ. जया पाल, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, रांची से डॉ. शशिकांत तथा अमिटी विश्वविद्यालय से डॉ. मोहित कुमार ऑफलाइन उपस्थित रहे। विशेषज्ञों ने पाठ्यक्रम को अधिक व्यवहारिक एवं शोधोन्मुख बनाने के लिए पुनर्संरचना के सुझाव दिए। बैठक में निर्णय लिया गया कि सत्र 2025-26 से एमएससी डाटा साइंस कार्यक्रम 30 सीटों के साथ प्रारंभ किया जाएगा। विस्तृत चर्चा के बाद बोर्ड ऑफ स्टडीज का गठन भी किया गया, जिसे अनुमोदन के लिए विश्वविद्यालय की एकेडमिक काउंसिल के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री से रामकृष्ण मिशन आश्रम के स्वामी भवेशानंद की शिष्टाचार भेंट

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से बुधवार को झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में रामकृष्ण मिशन आश्रम, मोरहाबादी, रांची के स्वामी भवेशानंद जी ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने रामकृष्ण मिशन आश्रम के दिव्यायन कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से गेतलसूद, रांची में 26 -27 फरवरी को आयोजित होने वाले कृषि मेला में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

रांची में 48 घंटे के दौरान तापमान 4 डिग्री बढ़ा, अगले तीन दिन और बढ़ेगी गर्मी

रांची : झारखंड की राजधानी रांची समेत पूरे झारखंड में पिछले 48 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में वृद्धि दर्ज की गई है। इस अवधि में रांची के अधिकतम तापमान में करीब चार डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है, जिससे दिन में गर्मी का एहसास बढ़ गया है। मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार को रांची का अधिकतम तापमान 26.7 डिग्री सेल्सियस था, जो बुधवार तक बढ़कर 30 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। वहीं राज्य में सबसे अधिक तापमान चाईबासा में दर्ज किया गया, जहां पारा बढ़कर 33.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। सोमवार को यहां तापमान 32.4 डिग्री था। दूसरी ओर, राज्य में न्यूनतम तापमान गुमला में 7.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार दिन में गर्मी और रात में हल्की ठंड का असर बना हुआ है। मौसम विज्ञान विभाग की ओर से बताया गया कि अगले तीन दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक और वृद्धि होने की संभावना है। 19 से 21 फरवरी के बीच राज्य के कई जिलों में आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं। 22 फरवरी से मौसम साफ होने की संभावना है, हालांकि सुबह के समय हल्का कुहासा छाया रह सकता है। इसके बाद 23 और 24 फरवरी को फिर से आंशिक बादल छाए रहने का अनुमान है। बुधवार को रांची में अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10.3 डिग्री, जमशेदपुर में अधिकतम 32.8 और 13.4 न्यूनतम तापमान डिग्री, डालटेनगंज में अधिकतम तापमान 32.4 डिग्री और न्यूदनतम तापमान 09.3 डिग्री, बोकारो में अधिकतम तापमान 32.5 और न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री और चाईबासा में अधिकतम तापमान 33.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 12.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, वायुमंडल के ऊपरी स्तर पर मध्य प्रदेश के उत्तर-पूर्वी हिस्से और आसपास के क्षेत्रों में निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसका प्रभाव झारखंड के मौसम पर भी पड़ रहा है, जिससे तापमान में वृद्धि और आंशिक बादल छाने की स्थिति बन रही है। फिलहाल दिन में धूप के कारण गर्मी का एहसास हो रहा है, जबकि शाम और रात में हल्की ठंड बनी हुई है। आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी से गर्मी का असर और तेज होने की संभावना जताई गई है।

हाई कोर्ट ने ग्रामीण विकास विभाग के सचिव को जवाब दाखिल करने का दिया अंतिम मौका

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय ने ग्रामीण विकास विभाग द्वारा बनाए गए पुलों के टूटने से संबंधित एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए विभाग के सचिव को शपथ पत्र दाखिल करने का अंतिम अवसर दिया है। अदालत ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि सचिव 24 फरवरी 2026 तक जवाब दाखिल करें, अन्यथा उन्हें व्यक्तिगत रूप से जुमार्ना भरना होगा। यह आदेश मुख्य न्यायाधीश एम. एस. सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने पंकज कुमार यादव द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। याचिका में आरोप लगाया गया है कि ग्रामीण विकास विभाग द्वारा पिछले 10 वर्षों में बनाए गए कई पुल टूट गए, जिससे सरकारी कार्यों की गुणवत्ता और जवाबदेही पर सवाल उठे हैं। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा गया। इस पर अदालत ने अंतिम मौका देते हुए कहा कि यदि सचिव निर्धारित समय तक शपथ पत्र दाखिल नहीं करते हैं, तो उन्हें व्यक्तिगत रूप से 10,000 रुपये का जुमार्ना याचिकाकर्ता को देना होगा। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यह जुमार्ना राज्य के खजाने से नहीं, बल्कि संबंधित सचिव को अपनी जेब से देना होगा। खंडपीठ ने यह भी कहा कि अदालत के पूर्व निदेर्शों के बावजूद अब तक अधिकारियों ने शपथ पत्र दाखिल नहीं किया है। अदालत ने उल्लेख किया कि 27 नवंबर 2025 को पहली बार जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया गया था। इसके बाद 9 जनवरी 2026 को भी राज्य सरकार ने सकारात्मक आश्वासन दिया था, लेकिन फिर भी शपथ पत्र दाखिल नहीं किया गया। अदालत ने याचिकाकर्ता को भी अनुमति दी है कि वे चाहें तो 11 मार्च 2026 तक अपना प्रत्युत्तर दाखिल कर सकते हैं। इस मामले की अगली सुनवाई 18 मार्च 2026 को निर्धारित की गई है।

DSPMU शिक्षकेत्तर कर्मचारियों का आज पेन डाउन आंदोलन

रांची : रांची में DSPMU के शिक्षकेत्तर कर्मचारियों का आंदोलन का आज दूसरा दिन है। बताते चलें कि शिक्षकों द्वारा आंदोलन मंगलवार को ही शुरू की गई है। बताते चलें कि यह आंदोलन और भी ज्यदा तेज हो गया है। जानकारी के अनुसार, लंबित मांगों को लेकर कर्मचारी 16 फरवरी से काली पट्टी बांधकर पेन डाउन आंदोलन कर रहे हैं। इस आंदोलन का आह्वान शिक्षकेत्तर कर्मचारी संघ की ओर से किया गया है। दरअसल, शिक्षक संघ ने प्रशासन और राज्य सरकार से स्थिर सेवा शर्तों, प्रोन्नति और संविदा शिक्षकों के नियमितीकरण समेत अन्य सेवात्मक सुधारों के लिए ज्ञापन सौंपा है, लेकिन अब तक संतोषजनक उत्तर नहीं मिला है। यही वजह है कि शिक्षक और कर्मचारी दोनों ने काली पट्टी बांधकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि शिक्षकों की ओर से विशेष रूप से सेवा विस्तार, मोडिफाइड करियर प्रोग्रेशन योजना के लाभ और अनुबंध कर्मियों को स्थायी सेवाओं में बदलने जैसे मुद्दे लंबे समय से लंबित हैं। इन मांगों को लेकर कर्मचारी संघ और शिक्षक संगठन प्रशासन से जल्द निर्णय की मांग कर रहे हैं। वहीं, मंगलवार को विश्वविद्यालय प्रशासन और कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों के बीच वार्ता हुई। कर्मचारियों को उम्मीद थी कि उनकी मांगों पर कोई ठोस निर्णय लिया जाएगा, लेकिन बातचीत बेनतीजा रही। जानकारी के मुताबिक, संघ की बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। वहीं, कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि मांगों पर जल्द सकारात्मक पहल नहीं हुई तो आंदोलन और उग्र होगा। कर्मचारी संघ ने घोषणा की है कि आंदोलन के तीसरे दिन से आउटसोर्सिंग कर्मियों को भी कार्य नहीं करने दिया जाएगा। बताते चलें कि शिक्षकों के इस प्रदर्शन से विश्वविद्यालय का पूरा प्रशासनिक ढांचा प्रभावित हो सकता है। वहीं, संघ का कहना है कि उनकी मांगें लंबे समय से लंबित हैं और कई बार ज्ञापन देने के बावजूद भी समाधान नहीं निकला गया तो ऐसे में उनके पास अब आंदोलन ही एकमात्र रास्ता बचा है।

एक नजर

जेईई मेंस में अरमान सूद जिला टॉपर, मॉडर्न पब्लिक स्कूल के तीन छात्रों ने लहराया परचम

कोडरमा : झुमरी तिलैया स्थित मॉडर्न पब्लिक स्कूल के छात्र अरमान सूद जेईई मेंस की परीक्षा में जिला टॉपर बने है। इसके साथ ही विद्यालय के 3 छात्रों ने जेईई मेंस की परीक्षा में सफलता हासिल की है। अरमान सूद को इस परीक्षा में 99.90 परसेंटाइल अंक प्राप्त हुए है। अरमान के अलावा छात्र पार्थ कुमार अग्रवाल 99.87 परसेंटाइल अंक, छात्र राघव सोमानी 99.18 परसेंटाइल अंक लाकर इस परीक्षा में सफल हुए है। अरमान सूद को भौतिकी में 99.91, रसायन शास्त्र में 98.26 एवं गणित में 99.93 परसेंटाइल अंक प्राप्त हुए है। झुमरी तिलैया के रहने वाले अंजली सूद एवं मनीष सूद के पुत्र अरमान सूद अभी बारहवीं की परीक्षा में शामिल हो रहे है। वहीं निरोत्तमा सोमानी एवं अनुराग सोमानी के पुत्र राघव सोमानी भी बारहवीं की परीक्षा में शामिल हो रहे हैं एवं उन्हें भौतिकी में 98.66, रसायन शास्त्र में 99.44 एवं गणित में 98 परसेंटाइल अंक प्राप्त हुए है। विद्यालय के छात्रों के इस शानदार सफलता पर विद्यालय के प्राचार्य गुरु चरण वर्मा ने कहा कि छात्रों की सफलता से विद्यालय का नाम रौशन हुआ है।

जिला परिषद की मांग लाई रंग : सतगावां सीएचसी को मिले 6 नए डॉक्टर

सतगावां : प्रखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर जिला परिषद सदस्य नीतू कुमारी के सतत प्रयास और लगातार की जा रही मांग आखिरकार रंग ले आई है। आयुष्मान भारत योजना के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतगावां को चार नए डॉक्टरों की सौगात मिली है,साथ दो सरकारी डॉक्टर मिला। जिससे क्षेत्र की जनता ने राहत की सांस ली है। प्रखंड कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कोडरमा उपायुक्त ऋतु राज ने नए डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र सौंपा।मालूम कि लंबे समय से जिला परिषद नीतू कुमारी स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों की कमी का मुद्दा उठा रही थीं। उनके द्वारा सदन से लेकर प्रशासन तक की गई पैरवी का ही परिणाम है कि आज सतगावां को नए डॉक्टर मिले हैं। उपायुक्त ऋतु राज ने नए चिकित्सकों का स्वागत करते हुए कहा कि इन नियुक्तियों से सुदूरवर्ती क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ीकरण होगा और ग्रामीणों को अब छोटी-छोटी बीमारियों के लिए शहर की ओर नहीं भागना पड़ेगा। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, नीतू कुमारी लगातार स्वास्थ्य केंद्र की बदहाली और डॉक्टरों की कमी को लेकर आवाज उठा रही थीं। उनकी इस सक्रियता ने प्रशासन को इस दिशा में त्वरित कदम उठाने के लिए प्रेरित किया।

विधिक जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

कोडरमा : जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा एवं सखी वन स्टॉप सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में कोडरमा सदर अस्पताल में अवस्थित सखी वन स्टॉप सेंटर में बाल विवाह सहित महिलाओं के लिए आवश्यक विभिन्न कानूनी प्रावधानों पर आधारित विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार ने शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि बाल विवाह कानून अपराध है, तथा इसके लिए कानून में कठोर दंड के प्रावधान है। बाल विवाह में शामिल होने वाले प्रत्येक व्यक्ति दोषी माना जाता है, तथा उसे कठोर दंड का भागी होना पड़ता है । उन्होंने लोगों से अपील की है कि कहीं पर भी बाल विवाह होने की सूचना प्राप्त हो तो तत्काल इसकी सूचना संबंधित प्रखंड के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, संबंधित थाना के थाना प्रभारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यालय को सूचित करें, ताकि बाल विवाह को रोका जा सके ।

जयनगर परियोजना की समीक्षा : डीडीसी रवि जैन ने आंगनबाड़ी सेविकाओं को दिए सुधारात्मक निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जयनगर परियोजना अंतर्गत सभी आंगनबाड़ी सेविकाओं की एक विस्तृत समीक्षा बैठक उप विकास आयुक्त रवि जैन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों से जुड़े विभिन्न पोषण, स्वास्थ्य एवं मातृ-शिशु कल्याण इंडिकेटरों की प्रगति का आकलन करना तथा कार्य की गुणवत्ता को और बेहतर बनाना रहा। बैठक में प्रत्येक सेविका को उनके केंद्र की प्रगति प्रतिशत के साथ इंडिकेटर-वार स्थिति से अवगत कराया गया। जिन इंडिकेटरों में अपेक्षित प्रगति नहीं पाई गई, उन पर विशेष रूप से सुधारात्मक दिशा-निर्देश दिए गए तथा कार्ययोजना को मजबूत करने पर बल दिया गया। कमजोर प्रदर्शन करने वाली कुछ सेविकाओं से स्पष्टीकरण भी लिया गया, वहीं उत्कृष्ट कार्य करने वाली सेविकाओं की प्रशंसा करते हुए उन्हें अन्य सेविकाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया गया। समीक्षा के दौरान प्रथम गृह भ्रमण की नियमितता, टीएचआर वितरण की गुणवत्ता, बच्चों का समय पर वजन एवं लंबाई मापन, गर्भवती महिलाओं को योजनाओं का लाभ दिलाना, विशेषकर प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की प्रगति, FRS, CBE, VHSND तथा पोषण ट्रैकर डैशबोर्ड में समय पर एवं शत-प्रतिशत प्रविष्टि सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही सेविकाओं को निर्देश दिया गया कि पोषण सेवाओं की अंतिम छोर तक प्रभावी पहुँच सुनिश्चित की जाए। बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कोडरमा, महिला पर्यवेक्षिका जयनगर, समर अभियान के जिला समन्वयक, पोषण अभियान के जिला समन्वयक सहित सभी आंगनबाड़ी सेविकाएं उपस्थित रहीं। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा भी सेविकाओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा सेवा वितरण की गुणवत्ता, नियमित मॉनिटरिंग एवं समुदाय स्तर पर सक्रिय सहभागिता बढ़ाने पर बल दिया गया। बैठक सकारात्मक वातावरण में संपन्न हुई तथा सभी सेविकाओं ने अपने-अपने केंद्रों में बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया।

सिमडेगा में नगरपालिका चुनाव की तैयारी तेज, कर्मियों को मिला प्रशिक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : नगरपालिका (आम) निर्वाचन-2026 के सफल संचालन को लेकर प्रशिक्षण कोषांग, सिमडेगा द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सिमडेगा महिला महाविद्यालय में आयोजित इस प्रशिक्षण में डिस्पैच एवं रिसीविंग कार्य में प्रतिनियुक्त कर्मियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण उप निर्वाचन पदाधिकारी एवं मास्टर ट्रेनर द्वारा दिया गया, जिसमें मतदान सामग्री के वितरण, प्राप्ति, अभिलेख संधारण तथा निर्धारित प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों ने कर्मियों को समयपालन एवं दायित्वों के निर्वहन में सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। प्रशिक्षण के माध्यम से निर्वाचन कार्य को सुचारू, पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने पर बल दिया गया।

10वीं-12वीं की परीक्षा शुरू, कैलकुलेटर बैन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 10वीं और 12वीं की परीक्षा कोडरमा सहित उत्तरी छोटानागपुर के हजारीबाग रामगढ और चतरा में शुरू हो गई है। हजारीबाग के सीटी समन्वयक डॉ रजनीश कुमार ने बताया कि इन चार जिलो में वर्ग 10 के लिए 16 हजार 187 तथा 12 के 6838 परीक्षार्थी 29 केन्द्रों में परीक्षा दे रहे हैं। परीक्षार्थियों को जरूरी सामान ही लेकर जाने और आत्मविश्वास के साथ ही परीक्षा में बैठने की सलाह दी गई है। पहले दिन मंगलवार को सीबीएसई 10वीं के विद्यार्थियों की गणित स्टैंडर्ड और गणित बेसिक की परीक्षा आयोजित की गई। वहीं 12वीं के विद्यार्थियों की पहले दिन बायोटेक्नोलाजी की परीक्षा आयोजित की गई। सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 10 मार्च और 12वीं की परीक्षा नौ अप्रैल को समाप्त होगी। सीबीएसई की ओर से इस वर्ष से साल में दो बार 10वीं की बोर्ड परीक्षा आयोजित की जाएगी। सीबीएसई ने दिशा निर्देश जारी करते हुए कहा है कि पहली परीक्षा में विद्यार्थियों का बैठना अनिवार्य है। जो छात्र पहली परीक्षा में शामिल नहीं होंगे वे दूसरी परीक्षा के लिए योग्य नहीं माने जाएंगे। बोर्ड ने नियमों को समझाते हुए बताया है कि अगर कोई छात्र पहली परीक्षा के दौरान 3 या उससे ज्यादा विषयों की परीक्षा नहीं देता है तो उसे एसेन्शियल रिपीट की कैटेगरी में डाल दिया जाएगा। यानी ऐसे छात्र इसी साल होने वाले दूसरी बोर्ड परीक्षा में नहीं बैठ पाएंगे। उन्हें अगले साल फरवरी में ही मुख्य परीक्षा देने का मौका मिलेगा। सीबीएसई के 10 वीं के जो छात्र मुख्य परीक्षा में पास हो चुके हैं, वे विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और भाषाओं जैसे तीन विषयों में अपने नंबर सुधारने के लिए परीक्षा दे सकते हैं। जिन्हें पहली यानी मुख्य परीक्षा में कंपार्टमेंट मिली है वे भी दूसरी परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा वैसे छात्र जो सब्जेक्ट रिप्लेसमेंट के जरिए पास हुए हैं वे भी नंबर बढ़ाने के लिए परीक्षा दे सकते हैं। बोर्ड ने कहा है कि नियमों में किसी भी तरह की छूट या अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा। बोर्ड का कहना है कि नियमों को इसलिए स्पष्ट किया गया है कि छात्र अपनी तैयारी बेहतर ढंग से करें। सीबीएसई ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा केंद्रों पर कैलकुलेटर लाना पूरी तरह मना है। यह नियम गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, अकाउंटेंसी समेत सभी विषयों पर लागू होता है। साइंटिफिक कैलकुलेटर भी परीक्षा हाल में नहीं ला सकते हैं। यदि कोई छात्र परीक्षा के दौरान कैलकुलेटर का इस्तेमाल करते पकड़ा गया तो उसे परीक्षा केंद्र से बाहर कर दिया जाएगा।

आरपीवाई बीएड कॉलेज में टेट प्रिपरेशन ओरियंटेशन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : रमेश प्रसाद यादव शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में महाविद्यालय के आइक्यूएसी के तत्वावधान में टेट प्रिपरेशन ओरियंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में सुशील कुमार, जिला कार्यक्रम प्रबंधक (स्वास्थ्य एवं पोषण परियोजना) एवं प्रोत्साहक जिला पर्यटन, मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर व द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। वहीं अतिथि को प्राचार्य डॉ. लक्ष्मी सरकार द्वारा उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन सुशील कुमार ने कहा कि, टी.ई.टी. केवल एक परीक्षा नहीं है, बल्कि यह एक योग्य और जिम्मेदार शिक्षक बनने की पहली सीढ़ी है। जो विद्यार्थी भविष्य में शिक्षा के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं, उनके लिए यह परीक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। सबसे पहले हमें यह समझना होगा कि, टीईटी परीक्षा का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि, जो भी शिक्षक बनें, वे विषय ज्ञान के साथ-साथ बच्चों की मनोविज्ञान, शिक्षण पद्धति और नैतिक मूल्यों को भी समझते हों। इसलिए इसकी तैयारी भी हमें केवल किताबों तक सीमित नहीं रखनी चाहिए, बल्कि समग्र दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य डॉ. लक्ष्मी सरकार ने कहा कि, कोई भी परीक्षा आपके ज्ञान, धैर्य और समर्पण की परीक्षा है। सफलता उन्हीं को मिलती है जो नियमित अध्ययन, सही रणनीति और सकारात्मक सोच के साथ तैयारी करते हैं। उन्होंने प्रशिक्षुओं से रिसोर्स पर्सन सुशील कुमार के द्वारा बताई गई बातों को आत्मसाद कर टेट परीक्षा की तैयारी करने को कहा। मौके पर सहायक प्राध्यापकगण शिक्षकेत्तर कर्मचारीगण व प्रशिक्षुगण मौजूद रहे।

भद्रा काल में 2 मार्च को होलिका दहन, चंद्रग्रहण के चलते चार मार्च को खेली जाएगी होली

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : इस वर्ष होली का पर्व भद्रा काल और चंद्रग्रहण के कारण होलिका दहन और रंगों की होली के समय को प्रभावित किया है। जिससे होलिका दहन और रंगों की होली के बीच एक दिन आतर रहेगा । 2 मार्च सोमवार को रात्रि पहर होलिका दहन, 3 मार्च मंगलवार को पूर्णिमा के साथ चंद्रग्रहण के कारण आतर होगा जबकि 4 मार्च बुधवार को रंगों वाली होली खेली जाएगी। पं कुंतलेश पाण्डेय के अनुसार, भद्रा काल में होलिका दहन वर्जित होता है। 2 मार्च को शाम से ही भद्रा शुरू हो जाएगी, इसलिए दहन के लिए 'भद्रा पुच्छ' यानि भद्रा का पिछला भाग का समय चुना गया है। 2 मार्च, शाम 5:18 बजे से भद्रा होगा जबकि भद्रा की समाप्ति 3 मार्च, सुबह 4:56 बजे तक होगा । इस कारण होलिका दहन के लिए शुभ मुहर्त 2 मार्च की मध्यरात्रि 12:50 बजे से 2:02 बजे के बीच का होगा । पं कुंतलेश पाण्डेय के अनुसार 3 मार्च को पूर्णिमा तिथि पर खग्रास चंद्रग्रहण लगने जा रहा है। भारत में यह शाम 6:00 बजे से 6:48 बजे तक दिखाई देगा। ग्रहण के कारण सूतक काल सुबह 9:00 बजे से ही प्रभावी हो जाएगा। सूतक के दौरान किसी भी प्रकार के मांगलिक कार्य या उत्सव की मनाही होती है, इसलिए 3 मार्च को होली नहीं खेली जाएगी।इस दिन आतर माना जाएगा हालांकि इस दिन सूतक काल से पहले पूजा पाठ दान इत्यादि कर सकते है। ग्रहण और सूतक की वजह से रंगों का त्यौहार एक दिन आगे बढ़ गया है। 4 मार्च, बुधवार को चैत्र कृष्ण प्रतिपदा के सूर्योदय के बाद ही रंग खेलने का विधान है। इस दिन रंगों वाली होली खेली जाएगी। इस दिन चैत्र कृष्ण प्रतिपदा तिथि होगी।

शांति भवन मेडिकल सेंटर की वैधता पर सवाल दिलीप तिर्की ने जांच व कार्रवाई की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : आदिवासी प्रदेश कांग्रेस के स्टेट कॉर्डिनेटर दिलीप तिर्की सिमडेगा सिविल सर्जन को आवेदन देते हुए जिले के शांति भवन मेडिकल सेंटर पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए करवाई की मांग की है। कहा कि 100 बेड मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल आईपीएचएस मानकों से परे शांति भवन मेडिकल सेंटर राज्य सरकार के स्वस्थ्य नियमों, श्रम कानूनों तथा प्रशासनिक दिशा निदेर्शों का गंभीर उल्लंघन करते हुए अवैध संचालन किया कर रहा है। दिलीप ने बताया कि आईपीएचएस मानक किसी भी हॉस्पिटल के लिए वह मानक है जिसके बिना लाइसेंस नही मिलता हॉस्पिटल का लगभग संरचना निर्भर करता है। जबकि यह हॉस्पिटल आज वर्तमान में चार डिस्पेंसरी चलाने के योग्य भी नही। आवेदन में दिलीप ने स्पष्ट कहा है, यहां आईपीएएचएस मानकों के बिना अबतक किनकी देख रेख में चल रहा है। मानक अनुरूप आवश्यक विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति नहीं की गई है, सभी डिपार्टमेंट में तीन डॉक्टर चाहिए एक सीनियर पीजी डॉक्टर, जूनियर डॉक्टर और एक असिस्टेंट डॉक्टर का होना अनिवार्य होता लेकिन यहाँ वर्तमान में एक डॉक्टर पूरे अस्पताल की देख रेख कर रहा। सीटी स्कैन पिछले छह महीने से काम नही कर रहा पोर्टेबल एक्स-रे मशीन से काम चलाया जा रहा। तथा कई विभाग केवल कागजों में दर्शाए गए हैं। यहां नर्सिंग स्टाफ, पारामेडिकल एवं सपोर्ट स्टाफ की संख्या आईपीएएचएस मानकों से अत्यंत निम्न है। अस्पताल में आवश्यक डायग्रोस्टिक, लैब एवं इमरजेंसी सुविधाएँ पूर्ण रूप से उपलब्ध नहीं है। यह अस्पताल एक मिशनरी ट्रस्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, जिसका एफसीआरए भी रद्द हो चुका है, जिसे कॉरपोरेट को कभी नहीं दिया जा सकता लेकिन वर्तमान में कॉरपोरेट लोगों द्वारा कैसे संचालित किया जा रहा है। अस्पताल में कार्यरत कर्मचारियों की कई महीनों से वेतन का भुगतान नहीं किया गया है. जो श्रम कानूनों का स्पष्ट उल्लंघन है। बिना विज्ञापन की गई उच्च वेतन (लाखों में) वाली नियुक्तियों की स्वतंत्र जॉच कराई जाए। वर्तमान में भी बिना इस्तेहार बहाली जारी है। इस अस्पताल का पोल्यूशन लाइसेंस भी फेल है। इस हॉस्पिटल में रैप भी नहीं है। इसका फायर लाइसेंस भी नहीं है। अगर वर्तमान में आग की कोई दुर्घटना होती है तो निश्चित जानमाल की क्षति होगी।

संक्षिप्त खबरें

सिमडेगा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जनता दरबार का हुआ आयोजन

सिमडेगा : नागरिकों की समस्याओं/शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निवारण हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा, पुलिस अधीक्षक कार्यालय सिमडेगा में जनता दरबार का आयोजन किया जाता है, जिसके माध्यम से लोगों की समस्याओं को सुना जाता है तथा उसके त्वरित निवरण हेतु कार्रवाई की जाती है। इसी कड़ी में पुलिस अधीक्षक महोदय, सिमडेगा के द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन कर आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। जनता दरबार में आये आम नागरिकों से एक-एक कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा आवश्यक कार्रवाई एवं त्वरित निष्पादन हेतु संबंधित को निर्देशित किया। जनता दरबार में 1. मो0 समीउल्लाह, ग्राम-भट्ठीटोली, थाना-सिमडेगा, 2. सफीरा टोपनो, ग्राम-चकाबासा चीरूबेड़ा, 3. संजय कुल्लू, ग्राम- टी0टांगर, थाना-टी0टांगर, 4. जमीला बीवी, ग्राम-सोखाटोली अघरमा, थाना- कोलेबिरा, 5. ललिता देवी, ग्राम-केरसई, थाना- केरसई, 6. आदर्श प्रसाद, ग्राम- टैसेरा, थाना- सिमडेगा एवं 7. मकरदम नायक, ग्राम- पतरापाली, थाना- बांसजोर ने अपनी-अपनी निजी समस्याओं को पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष रखा।

परीक्षा के दौरान तनाव ग्रस्त होने से कैसे बचें : पूर्व डीआईजी

कोडरमा : कोडरमा आश्रम रोड स्थित कौणिडनिया पब्लिक स्कूल झुमरी तिलैया के अध्यक्ष सह रिटायर्ड आईपीएस ऑफिसर राजीव रंजन सिंह ने कहा कि कक्षा 10वीं और 12वीं के छात्र- छात्राओ के लिए परीक्षा का त्योहार शुरू हो चुका है । परीक्षा के दरमियान अक्सर बच्चे काफी तनाव ग्रस्त हो जाते हैं। बच्चों को परीक्षा के दौरान इस तनाव से मुक्त रहने के लिए उन्होंने कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान तनाव मुक्त रहने के लिए सबसे जरूरी है समय का प्रबंधन। दो विषयों के बीच के अन्तर के समय का सदुपयोग, revision के लिए करें परीक्षा के दौरान अपना अलग routine बनाए और उसका अक्षरशः अनुपालन करें। पढ़ाई के दौरान हर एक घंटे के बाद ब्रेक ले और इस ब्रेक में कम-से-कम पानी, दूध या horlisks पीए। खाने और सोने का समय निर्धारित करेककम-से-कम 7 घंटे जरूर सोये। Healthy फूड ले, warm वाटर ले ताकि मौसम के परिवर्तन का असर न हो। मौका निकाल कर हल्का exercise और प्राणायाम जरूर करें। जब भी मन तनावग्रस्त हो, गहरी सास ले उन्होंने बच्चों के अभिभावकों से भी अनुरोध किया कि इस दौरान बच्चों से संबाद जरूर करें और उनका हौसला बढ़ाने का प्रयास करे। बच्चों की पढ़ाई के वक्त कृपया ळश यथा संभव न देखेंऔर बच्चों को social media से दूर रखें। उन्होंने अभिभावकों से पुनः कहा कि वे हमेशा याद रखें कि यह एक मात्र परीक्षा है और कोई एक परीक्षा आपके बच्चों के भविष्य को निर्धारित नहीं कर सकता है। उन्होंने शिक्षकों से भी आग्रह किया कि वे बच्चों पर अनावश्यक दबाव न डालें और उन्हें प्रोत्साहित करें। इन उपायों को अपनाकर हम बच्चों को परीक्षा के तनाव से दूर रख सकते हैं और उन्हें स्वस्थ और आत्मविश्वासी बना सकते हैं।

घोषणाओं की बौछार के बीच भरोसेमंद नेतृत्व की तलाश में झुमरी तिलैया की जनता

झुमरी तिलैया : शहर की सरकार चुनने के लिए नागरिकों के बीच मंत्रणा जारी है। वे विकास के प्रति तत्पर और भरोसेमंद उम्मीदवारों के चयन को प्राथमिकता देंगे। कारण शहर वासियों के प्रतिदिन समस्याओं से रूबरू होना पड रहा है। खाशकर झुमरी तिलैया में ट्रेफिक की व्यवस्था एवं सडकों पर सब्जी फल एवं अन्य सामाग्रियों के बेचने के लिए बेहतर विकल्प सहित कई आवश्यक कार्य शेष है। इन्हीं कार्यो का आकलन करने में जनता जुटी हुई है। इधर सभी प्रत्याशी खुद को बेहतर विकास के लिए प्रतिबद्ध बता रहे हैं। चुनाव प्रचार के बीच वादों की झडी लगायी जा रही है। स्वस्थ सुंदर और बुनियादी सुविधाओं को लेकर शहर की घोषणाएॅ हो रही है। निकाय चुनावों को लेकर विश्व विख्यात शहर झुमरी तिलैया इलाके में नगर परिषद झुमरी तिलैया के लिए 23 फरवरी को होने वाले चुनाव की धमक साफ दिखायी पड रही है । यहां के 28 वार्ड के लिए चुनाव होना है। इसके लिए अध्यक्ष पद और विभिन्न वार्ड पार्षद के लिए सभी उम्मीदवार चुनावी जुगाड में लगे हुए हैं। सुबह से देर शाम तक हर गली मुहल्ले चौक चौराहों पर उम्मीदवार अपने समर्थकों के साथ घूम घूम कर समर्थन मांग रहे हैं ।इस शहर में ड्रेनेज सिस्टम को दुरुस्त करने साफ सफाई बिजली पानी की दिक्कतों भारी होल्डिंग टेक्स को लेकर नाराजगी सडकों की बदहाली जैसे कई अहम मसलों को लेकर लोगों में नाराजगी है । लोगों में सबसे ज्यादा नाराजगी होल्डिंग टेक्स में बढोतरी को लेकर है । विश्व विख्यात शहर की हैसियत रखने वाले झुमरी तिलैया की बदहाली शहर वासियों की फजीहत बढाये हुए है । लंबे समय तक चुनाव प्रक्रिया लंबित रहने के बाद अब चुनावी फिजा सामने है । इस बार कई ऐसे भी उम्मीदवार अध्यक्ष पद का चुनाव लड रहे हैं जिनका सामाजिक राजनीतिक सरोकार देखा नही गया है । फिर भी जन समर्थन लपकने की जुगाड में लगा रहे हैं और बेनर पोस्टर सोशल मीडिया के साथ-साथ ध्वनिविस्तार यंत्र के जरिये अपनी ढपली और राग जनता के पास पहुॅचाने में लगे हैं। बहरहाल उनके वादे दावे बहुत तेरे हैं । मतदाता सबों की रग पहचानने समझने की कोशिश कर रहे हैं । चुनाव है ऐसे में उम्मीदवारों को भी समर्थन दिला देंगे जैसे योजना लेकर घूम फिर रहे हैं । अब जनता के हाथ में फैसला है और 27 फरवरी को कौन प्रत्याशी विजयश्री का ताज पहनेगा ये रिजल्ट के बाद सामने आ जायेगा।

अमावस्या पर समान्तो काली मंदिर में सवा मनी भोग व होली मिलन

झुमरी तिलैया : समान्तो काली मंदिर परिसर में अमावस्या के अवसर पर सवा मनी भोग एवं होली मिलन समारोह श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। मंदिर प्रांगण भक्तिमय गीतों, ढोलक की थाप और रंगों की मस्ती से सराबोर रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रतीमा सिंह ने की। विधिवत पूजा-अर्चना के उपरांत माँ को मालपुआ, पूरी और खीर का सवा मनी भोग अर्पित किया गया। होली मिलन समारोह में भक्ति और फाग गीतों की मनमोहक प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। जसबीर कालरा और सुनीता लाल ने होली में उड़े रे गुलाल प्रस्तुत कर वातावरण को रंगमय बना दिया। पुष्पा सिंह और मुन्नी बर्णवाल ने भाग रे भाजा रे नन्दलाला से श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। मनी देवी और पुनम बर्णवाल ने शुक्रिया शुक्रिया माँ तेरा शुक्रिया भजन से भक्ति रस बहाया, वहीं सीमा मोदी और मीना पांडेय ने होली खेले रघुबीरा अवध में की प्रस्तुति से कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए। आशा देवी, विभा और फूल कुमारी भारती ने भोला बाबा बड़ा रंगरसिया गाकर समां बांध दिया। अनीता बर्णवाल ने जोगी जी ढूंढ के ला दो की प्रस्तुति दी, जबकि पुनम सेठ, गीता सिंह और संजू ने भी होली गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध किया।

एक नजर

निगम चुनाव को लेकर उत्पाद विभाग की कार्रवाई, 400 लीटर महुआ शराब जब्त

धनबाद : नगर निकाय चुनाव को लेकर उत्पाद विभाग अवैध शराब कारोबार के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर चुकी है। इसी क्रम में बुधवार को बलियापुर थाना क्षेत्र के परेशानियां जोगनकोचा में अवैध महुआ शराब चुआई स्थल पर छापेमारी कर 400 लीटर महुआ शराब जब्त कर लिया, जबकि 1000 किलो जावा महुआ नष्ट कर दिया। उत्पाद पुलिस निरीक्षक जॉय हेंब्रम ने कहा कि निगम चुनाव को लेकर विशेष अभियान चलाया जाय रहा है। सूचना मिली थी कि जोग्नकोचा में भारी मात्रा में अवैध महुआ शराब की बड़े पैमाने पर चुआई की जा रही है। जिसपर एक टीम बनाकर छापेमारी की गई। जिसमें 400 लीटर महुआ शराब जब्त किया गया, जबकि 1000 किलो जावा महुआ नष्ट किया गया। साथ ही चार भट्ठी को भी नष्ट किया गया। जानकारी मिली कि दुखन रवानी और मनोज रवानी की ओर से भट्ठी का संचालन किया जा रहा था। मामले में विधि संगत धारा के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है।

नगर निकाय चुनाव को लेकर डीसी-एसपी ने बूथों का किया निरीक्षण

पलामू : नगर निकाय चुनाव 2026 को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से बुधवार को डीसी समीरा एस व एसपी रीष्मा रमेशन सहित अन्य पदाधिकारियों ने मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। दोनों पदाधिकारियों ने वार्ड 5 अंतर्गत राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बहलोलवा के बूथ संख्या 2 और 3, वार्ड 6 स्थित राजकीयकृत नव प्राथमिक विद्यालय में बने बूथ संख्या 3 और 4, वार्ड 6 के पशुपालन कार्यालय, रेड़मा में बने बूथ संख्या 1 तथा शहर के पहाड़ी मोहल्ला स्थित वार्ड 26 के मतदान केंद्र संख्या 5 (मदरसा अलहेदया, कुंड मोहल्ला) का जायजा लिया। एसपी ने सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से आवश्यक निर्देश दिए। वहीं डीसी ने मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी बूथों पर पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं समय से उपलब्ध करा दी जाये ताकि मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिला प्रशासन द्वारा चुनाव को शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां तेज कर दी गयी हैं।

हत्या मामले में दो आरोपित गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के हाटगम्हरिया थाना क्षेत्र में मागे परब की रात हुई युवक की हत्या का पुलिस ने बुधवार को खुलासा कर दिया है। 15 फरवरी 2026 की सुबह परमसाई गांव स्थित जोड़ा तालाब से बरामद शव की पहचान भुईयाँसाई गांव निवासी बैशाखू ग्वाला, पिता बिंदु ग्वाला के रूप में हुई थी। मामले में हाटगम्हरिया थाना (कांड संख्या 05/26) दर्ज की गई थी। मृतक की पत्नी के फर्दबयान पर हत्या कर साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव तालाब में फेंके जाने का मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक, चाईबासा के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जगन्नाथपुर के नेतृत्व में विशेष जांच टीम गठित की गई। जांच के दौरान सामने आया कि 14- 15 फरवरी की रात बैशाखू ग्वाला को उसके परिचित पराय बोदरा उर्फ डुडरू बोदरा, पिता स्वर्गीय सामु बोदरा, तथा राम गागराई उर्फ बोतलराम गागराई, पिता स्वर्गीय विजय सिंह गागराई, दोनों निवासी हाटगम्हरिया, मागे परब मनाने के लिए घर से बुलाकर ले गए थे। तीनों ने साथ बैठकर मागे परब मनाया और हड़िया पी। इसके बाद वे कालीमाटी गांव की ओर जा रहे थे। रास्ते में नशे की हालत में कहासुनी हो गई। बताया जाता है कि बैशाखू ग्वाला ने पराय बोदरा को थप्पड़ मार दिया, जिससे विवाद बढ़ गया। गुस्से में आकर पराय बोदरा और राम गागराई ने मिलकर बैशाखू के साथ मारपीट शुरू कर दी। झाड़ियों के पास उसे पटक कर बेरहमी से पीटा गया। मारपीट के दौरान बैशाखू के गले के पास गंभीर चोट लगी और खून बहने लगा। इसके बाद दोनों ने उसका गला दबा दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। हत्या के बाद दोनों आरोपितों ने साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को जोड़ा तालाब में फेंक दिया। पुलिस ने तकनीकी एवं मानवीय साक्ष्यों के आधार पर दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जहां उन्होंने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। इस मामले के खुलासे में पुलिस अवर निरीक्षक उत्तम तिवारी, सहदेव मंडल, यदुनन्दन महतो सहित सशस्त्र बल शमिल थे। पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

शांतिपुर में 108 महिलाओं की अगुवाई में निकली भव्य तुलसी यात्रा, श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

एंकर : सरायकेला-खरसावां जिले के निमडीह थाना अंतर्गत शांतिपुर स्थित नवदुर्गा मंदिर प्रांगण में बुधवार से श्री श्री तुलसी माता तुलसी परिक्रमा सह चैतन्य मेला एवं श्रीमद् भागवत प्रवचन का भव्य शुभारंभ हुआ। श्रीकृष्ण चैतन्य तुलसी सेवा संघ के तत्वावधान में आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान से पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूब गया है। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। जय श्रीकृष्ण और हरिनाम संकीर्तन से वातावरण गूंज उठा। 108 महिलाओं की अगुवाई में पारंपरिक वेशभूषा में भव्य तुलसी यात्रा निकाली गई। महिलाओं ने सिर पर कलश और तुलसी दल धारण कर गांव-गांव परिक्रमा की। तुलसी यात्रा नवदुर्गा मंदिर से सुबह 9 बजे शुरू होकर कुलडीह, महादेवडांगा, नककांडी सहित आसपास के कई गांवों से गुजरते हुए पुनः मंदिर परिसर पहुंची। जगह-जगह ग्रामीणों ने पुष्पवर्षा कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों और भजन-कीर्तन के बीच श्रद्धालु भक्ति में लीन नजर आए।आयोजन समिति के अनुसार 19 फरवरी से 25 फरवरी तक प्रतिदिन अपराह्न 3 बजे से श्रीमद् भागवत कथा एवं प्रवचन का आयोजन किया जाएगा। कथा वाचन के लिए श्री सनातन दास बाबाजी और श्री नयनानंद दास पंडित को आमंत्रित किया गया है, जो भागवत महापुराण के प्रसंगों के माध्यम से धर्म और सदाचार का संदेश देंगे।मेला के दौरान नगर कीर्तन दलों की प्रस्तुति भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। हरिनाम संकीर्तन से पूरा क्षेत्र आध्यात्मिक रंग में रंग गया है। श्रद्धालुओं के लिए पेयजल और प्रसाद वितरण की भी समुचित व्यवस्था की गई है। आयोजन का समापन 26 फरवरी को संध्या 5 बजे तुलसी विसर्जन के साथ होगा। समिति ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है। शांतिपुर में आयोजित यह धार्मिक अनुष्ठान भक्ति, श्रद्धा और सामाजिक समरसता का संदेश दे रहा है।

भाजपा ने की चुनाव आयोग से केंद्रीय बल की तैनाती और सीसीटीवी कैमरा लगाने की मांग

पूर्वी सिंहभूम : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की मंशा शुरू से ही नगर निकाय, नगर परिषद और नगर पंचायत चुनाव कराने की नहीं थी और पिछले तीन वर्षों से जानबूझकर चुनाव टाले जाते रहे। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकताओं ने राज्य की 48 नगर निकायों में आंदोलन और प्रदर्शन कर सरकार को चुनाव कराने पर मजबूर किया, किंतु सरकार की नीयत अब भी साफ नहीं है। साहू बुधवार को साकची स्थित एक होटल में प्रेस वार्ता में बोल रहे थे। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि वर्ष 2018 में दलीय आधार पर और ईवीएम से चुनाव हुए थे, परंतु इस बार सरकार हार के भय से दलीय आधार और ईवीएम से चुनाव कराने से बच रही है।

साउथ पॉइंट स्कूल के बच्चों ने जेईई मेन में लहराया परचम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : साउथ प्वाइंट स्कूल, पटमदा के विद्यार्थियों का जेईई मेन 2026 (सेशन-1)में शानदार प्रदर्शन साउथ प्वाइंट स्कूल, पटमदा के छह विद्यार्थियों ने जेईई मेन 2026 (सेशन- 1) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपना परचम लहराया। विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर अपने परिवार, विद्यालय और पूरे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। जेईई मेन परीक्षा 2026 में जैनब जाफर सईद ने 97.83 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में सर्वोच्च स्थान हासिल किया। प्रमाण्य नागरे ने 96.36 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। नेहा महतो (91.33 प्रतिशत), राहुल ओरांव (91.17 प्रतिशत), विशाल (90.33 प्रतिशत) तथा अंजलि कुमारी (86.71 प्रतिशत) ने भी उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। विद्यालय के चेयरमैन शिव प्रकाश शर्मा जी ने सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि साउथ प्वाइंट स्कूल सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है और यह सफलता उसी सतत प्रयास का प्रतिफल है। विद्यालय के डायरेक्टर शिवम शर्मा ने अपने संदेश में कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में इस प्रकार की सफलता प्राप्त करना अत्यंत गौरव की बात है। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी। प्राचार्य अरूण कुमार सिंह ने विद्यार्थियों की मेहनत और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि यह सफलता आने वाले छात्रों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगी। उन्होंने सभी शिक्षकों एवं अभिभावकों को भी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

चुनावी मौसम में दिखने वाले प्रत्याशियों को पहचानें लोग : ढुल्लू महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : सांसद ढूलु महतो ने नगर निगम क्षेत्र की एक-एक जनता से भाजपा समर्थित मेयर प्रत्याशी संजीव कुमार के पक्ष में वोट करने की अपील की है। बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेस में सांसद ने यह भी कहा कि इस मेयर चुनाव में कई ऐसे भी लोग खड़े हैं, जो सिर्फ चुनाव में ही दिखाई पड़ते हैं। चुनावी मौसम में दिखने वाले प्रत्याशियों को लोग पहचानें । जनता वैसे बरसाती मेंढक के झांसे में नहीं आनेवाली है। उन्होंने विकास कार्यों का हवाला देते हुए कहा कि अगले तीन साल के कार्यकाल में अधूरे बचे कार्य को पूरा करेंगे नहीं तो अगला चुनाव वे नहीं लड़ेंगे। धनबाद सांसद ढुल्लु महतो नगर निगम चुनाव में भाजपा समर्थित मेयर पद के प्रत्याशी संजीव कुमार के पक्ष में प्रेस कॉन्फ्रेस कर जनता से वोट की अपील की। उन्होंने कहा कि मेयर चुनाव में ऐसे भी लोग खड़े हैं जिनका विकास कार्यों से कोई नाता नहीं रहा और आज चुनाव में खड़े हो गए हैं, पर धनबाद की जनता वैसे बरसाती मेढक के झांसे में आनेवाली नहीं है। सांसद ने कहा कि भाजपा समर्थित मेयर प्रत्याशी की जीत पक्की है और धनबाद में विकास को और गति मिलने वाली है। उन्होंने अपने दो साल के कार्यकाल में विकास कार्यों को भी गिनाया। उन्होंने कहा कि गोविंदपुर में फ्लाइओवर का कार्य प्रारम्भ हो चूका है, निरसा में भी फ्लाइओवर का काम शुरू होने जा रहा है। गयापुल चौड़ी करण कार्य प्रारम्भ है। रेडियो स्टेशन भी जल्द शुरू होगा। कई ट्रेनों का ठहराव और विस्तार के भी कार्य हुए हैं। बता दें कि नगर निगम के इस चुनाव में मेयर पद के लिए 29 प्रत्याशी मैदान में हैं।

राज्य में दुष्कर्म और बच्चा चोरी का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है : प्रतुल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल नाथ शाहदेव ने कहा है कि राज्य में नगर निकायों के चुनाव उच्च न्यायालय की कड़ी फटकार के बाद हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि समय पर नगर निकाय चुन नहीं होने से राज्य को 2100 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता से वंचित होना पड़ा। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल नाथ शाहदेव बुधवार को नगर पंचायत चुनाव में भाजपा समर्थित प्रत्याशी रानी टूटी के चुनावी कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। प्रतुल ने आरोप लगाया कि झारखंड में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। उन्होंने कहा कि राज्?य में अपराध बेलगाम है और अपराधियों के मन से कानून का भय समाप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में हाल के दिनों में बच्चा चोरी की घटनाओं में बढ़ोतरी को उन्होंने बेहद गंभीर बताते हुए कहा कि राज्य में 4500 से अधिक बच्चे लापता हैं । उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में आठ हजार से अधिक महिलाएं और बच्चियां दुष्?कर्म का शिकार हुई हैं। राज्य सरकार आदिवासी बच्चियों को सुरक्षा देने में पूरी तरह नाकाम है। पुलिस अपराध रोकने के बदले बालू तस्करों को संरक्षण देने में जुटी है और प्रशासन अपराध पर नियंत्रित करने में नाकाम है।
उन्होंने कहा कि आदिवासी महिलाओं और युवतियों को विशेष रूप से निशाना बनाया जा रहा है, जो सरकार की संवेदनहीनता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि एक समय यह जिला नक्सलवाद से प्रभावित था, लेकिन अब नक्सल प्रभाव कम होने के बाद संगठित अपराध ने जड़ें जमा ली हैं। मानव तस्करी, बच्चा चोरी, हत्या और अवैध धंधों में तेजी से इजाफा हुआ है। सोमा मुंडा की हत्या का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि दिनदहाड़े हत्याएं और अपराधियों की बेखौफ आवाजाही सरकार की विफलता का प्रमाण है। शाहदेव ने कहा कि समय पर चुनाव होने से राज्य सरकार कोच लगभग 2100 करोड़ रुपये मिलते, जिससे शहरी विकास कार्यों को गति मिलती। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की लापरवाही के कारण खूंटी शहरी विकास की 59 खरीद की योजना वर्षों से लटकी हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा राष्ट्रवाद की राजनीति करती है। नगर निकायों के चुनाव में भाजपा ऐसे ही प्रत्याशियों को समर्थन दे रही है। मौके पर तोरपा के पूर्व विधायक कोचे मुंडा ने भी बढ़ते अपराध और अवैध गतिविधियों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि बालू चोरी, मानव तस्करी और हत्या जैसी घटनाओं से लोग भयभीत हैं और प्रशासन मौन है। उन्होंने कहा कि तस्करी के कारण उस क्षेत्र से बालू और पत्थर खत्म हो रहे हैं तो असामाजिक तत्व बच्चों और महिलाओं को निशाना बना रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

रमजान को लेकर तिरूलडीह थाना में हुई शांति समिति की बैठक

ईचागढ़ : कुकड़ू प्रखंड के तिरूलडीह थाना परिसर में बुधवार को थाना प्रभारी कौशल कुमार की अध्यक्षता में रमजान को लेकर शांति समिति की बैठक की गई। बैठक में शांति समिति के सदस्य, अंजुमन कमेटी के के सदस्य एवं पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित रहे। थाना प्रभारी कौशल कुमार ने सदस्यों एवं कमेटी के सदस्यों से परिचय प्राप्त किया एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण व भाईचारे के साथ रमजान का महापर्व मनाने का अपील किया। उन्होंने कहा कि धार्मिक उन्माद फैलाने वाले, ह्वाट्सएप पर गलत मैसेज देने वालों पर विशेष नजर रखी जाएगी। उन्होंने अफवाहों पर ध्यान नहीं देने एवं असमाजिक गतिविधियों का सुचना तत्काल थाना को देने का भी अपील किया। उन्होंने कहा कि रमजान के दौरान पुलिस प्रशासन चौकस रहेगा एवं असमाजिक तत्वों पर विशेष नजर रखा जाएगा। मौके पर एस आई कार्तिकेय सिंह, सदस्य बादल महतो, उप मुखिया लाल मोहम्मद, ठाकुर सिंह मुण्डा, सलाउद्दीन, शमशेर अंसारी,असगर अंसारी,अमानत अंसारी, मनोज मछुआ,अजहर, अबुल अंसारी आदि उपस्थित थे।

कुकड़ू प्रखंड के नाजीर तापस सरकार का आकस्मिक निधन, शोक की लहर

ईचागढ़ : कुकड़ू प्रखंड के नाजीर तापस सरकार का बुधवार सुबह आकस्मिक निधन हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार वे प्रखंड संबंधी कार्य से सरायकेला जा रहे थे। इसी दौरान ईचागढ़ के बाकलतोड़िया के समीप अचानक बाइक रोककर बैठे। इसके बाद वे अचानक बेसुध होकर गिर पड़े। राहगीरों की सूचना पर उन्हें तत्काल पातकुम स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ईचागढ़ पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।घटना की खबर मिलते ही प्रखंड कार्यालय एवं क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। तापस सरकार अपने सरल स्वभाव और कर्तव्यनिष्ठा के लिए जाने जाते थे। उनके असामयिक निधन से प्रशासनिक महकमे के साथ-साथ क्षेत्र के लोगों को गहरा आघात पहुंचा है। वे मूल रूप से पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका प्रखंड अंतर्गत कालिकापुर के रहने वाले थे। वे अपने पीछे पत्नी के अलावा एक बेटी व एक बेटा छोड़ गए हैं। बेटी की शादी हो चुकी है। कुकड़ू प्रखंड के पहले सरायकेला अनुमंडल कार्यालय में पदस्थापित थे।

कर्रा में रोजगार मेला का आयोजन, 22 कंपनियों ने भाग लिया

खूंटी : कर्रा प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में बुधवार को श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग जिला नियोजनालय सह मॉडल कैरियर सेंटर के तत्वावधान में बेरोजगार युवक युवतियों के लिए रोजगार मेला का आयोजन किया गया है।रोजगार मेला में लगभग 22 कंपनियों का स्टॉल लगाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला परिषद उपाध्यक्ष मंजू देवी और विशिष्ट अतिथि खूंटी जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी अल्ताफ खां उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि जिप उपाध्यक्ष मंजू देवी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कर्रा प्रखंड युवाओं के रोजगार मेला सुनहरा मौका दे रहा है। उनके घर व प्रखंड तक 22 कंपनियों बेरोजगार युवाओं को नौकरी देने लिए पहुंची हैं। बीडीओ स्मिता नगेशिया ने कहा कि युवाओं को उनके योगदान व कौशल के अनुसार रोजगार मुहैया कराया जाएगा। युवाओं को आर्थिक रूप से मजबूत और सशक्त बनाने कि बात कहीं गयी। रोजगार मेला में ऑन द स्पॉट ऑफर लेटर दिया गया। मंच के माध्यम से बताया कि गया कि 25 फरवरी को तोरपा प्रखंड कार्यालय परिसर में भी रोजगार मेला आयोजन किया जाएगा, जिसमें छुटे हुए लोग भाग ले सकते हैं। रोजगार मेला में ब्रेजा फाउंडेशन रांची, प्रेम संस बजाज,एल एल पी रांची, विजन इंडिया सर्विस प्राइवेट लिमिटेड, एस आई एस इंडिया लिमिटेड जे एस आर,केएस गंगा हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर खूंटी,उत्कर्ष फाइनेंस बैंक रांची सहित करीब 22 कंपनियों का स्टॉल लगाया गया। रोजगार मेला में मुख्य रूप से जिला नियोजन पदाधिकारी जिला कृषि पदाधिकारी आनंद कुमार, जिला खेल पदाधिकारी राजेश कुमार चौधरी, तोरपा विधायक प्रतिनिधि राहुल केशरी, समाज सेवी सोनू इमरान, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष अल्बर्ट तिग्गा, मुखिया अनूप कुजूर, विनोद उरांव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, सिमडेगा।
(उत्पाद–शाखा)
शुष्क दिवस (DRY DAY)आदेश

सचिव, राज्य निर्वाचन आयोग, झारखण्ड, राँची के पत्रांक– 03 / नि0 न0 / 01 / 2025 रा0नि0आ0–236 राँची, दिनांक– 30.01.2025 एवं आयुक्त उत्पाद झारखण्ड राँची के ज्ञापांक– 440 राँची दिनांक–13.02.2026 के द्वारा नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026 को स्वत्रंत एवं निष्पक्ष कराने तथा निर्वाचन कि शुद्धता बनाये रखने के उद्देश्य से निर्वाचन के अवसर पर निर्वाचन क्षेत्र में ड्राई डे (Dry Day) घोषित करने का निदेश है।
सिमडेगा जिला के नगर परिषद क्षेत्रों में चुनाव दिनांक– 23.02.2026 (दिन–सोमवार) को निर्धारित है।
झारखण्ड नगर पालिका अधिनियम, 2011 की धारा 576 के अधीन आयोग द्वारा लिये गये निर्णय एवं लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 135 (C) तथा झारखण्ड उत्पाद अधिनियम की धारा–26 के तहत मैं कंचन सिंह (भा0 प्र0 से0) उपायुक्त–सह– जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका), सिमडेगा, आदेश देती हूँ कि सिमडेगा नगर परिषद क्षेत्र मे संचालित होने वाले सभी खुदरा उत्पाद दुकान अनुज्ञप्ति प्रदत्त परिसर मतदान के लिए नियत समय की समाप्ति के 48 घण्टे पूर्व से लेकर मतदान समाप्ति के अगले दिन प्रातः 7:00 बजे तक की अवधि को ड्राई डे (Dry Day) घोषित किया जाता है। विवरणी निम्नप्रकार है :–

क्र0 स0	नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026	मतदान की तिथि	सिमडेगा जिला के नगर परिषद क्षेत्र में घोषित शुष्क दिवस		अभियुक्ति
			दिनांक (समय) से	दिनांक (समय) तक	
1	16 नगर परिषद, सिमडेगा वर्ग 'ख'	23.02.2026	21.02.2026 (अपराहन 5 बजे से)	24.02.2026 (प्रातः 7 बजे तक)	सिमडेगा नगर परिषद क्षेत्र में संचालित दुकान एवं अन्य उत्पाद अनुज्ञप्ति :– 1. कम्पोजिट शराब दुकान थानाटोली से सोनारटोली तक 2. कम्पोजिट शराब दुकान थानाटोली से बस स्टैंड तक 3. कम्पोजिट शराब दुकान महावीर चौक से बाजारटांड़ तक 4. कम्पोजिट शराब दुकान गुलजार गली से भट्ठी टोली तक 5. कम्पोजिट शराब दुकान खैरनटोली से सांयपुर साहू चौक तक 6. देषी शराब दुकान महावीर चौक से बाजारटांड. तक 7. थोक बिकी केन्द्र पुलिस कल्ब, सिमडेगा

शुष्क दिवस (Dry Day) के उक्त अवधि में सिमडेगा जिला के नगर परिषद क्षेत्र में संचालित (कुल– 07 खुदरा उत्पाद दुकान एवं एक थोक विक्रेता उत्पाद अनुज्ञप्ति प्राप्त परिसर पूर्णतः बंद रहेगे, तथा किसी प्रकार के होटल रेस्तरा, क्लब इत्यादि प्रतिष्ठान में अथवा निजी या सार्वजनिक स्थल पर कोई भी मदिरा या वैसी ही प्रकृति का अन्य पदार्थ की बिक्री /भण्डराण /वितरण नहीं किया जायेगा।
ह0/–
जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)–सह– उपायुक्त
सिमडेगा
PR 373202 Simdega(25-26)D

क्या ग्रेट निकोबार बनेगा भारत का सिंगापुर, या टूटेगा पर्यावरणीय संतुलन?

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का सबसे दक्षिणी द्वीप ग्रेट निकोबार आज भारत की रणनीतिक, आर्थिक और पर्यावरणीय बहस का केंद्र बन चुका है। करीब 90 हजार करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल से मंजूरी मिलने के बाद यह सवाल और गहरा हो गया है कि क्या भारत विकास और संरक्षण के बीच संतुलन साध पाएगा। ट्रिब्यूनल ने अपने आदेश में कहा है कि परियोजना को दी गई पर्यावरणीय स्वीकृति में पर्याप्त सुरक्षा उपाय शामिल हैं और इसे रोका नहीं जा सकता, लेकिन यह भी स्पष्ट किया कि हर शर्त का कड़ाई से पालन अनिवार्य होगा। ग्रेट निकोबार द्वीप भारत का सबसे दक्षिणी बड़ा द्वीप है और भौगोलिक दृष्टि से इसकी स्थिति असाधारण मानी जाती है। यह द्वीप मलक्का जलडमरूमध्य से करीब 35 से 40 नॉटिकल मील की दूरी पर स्थित है। अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठनों और शिपिंग डेटा के मुताबिक, दुनिया के कुल समुद्री व्यापार का लगभग 30 से 40 प्रतिशत हिस्सा इसी जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। चीन के कुल ऊर्जा आयात का करीब 60 प्रतिशत और जापान तथा दक्षिण कोरिया के व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते पर निर्भर है। यही वजह है कि इसे हिंद महासागर क्षेत्र की सबसे अहम 'चोक पॉइंट' माना जाता है। भारत के लिए यह स्थिति इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अभी तक देश के पास इस इलाके में कोई बड़ा ट्रांसशिपमेंट हब नहीं है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार भारत का करीब 75 प्रतिशत कंटेनर ट्रांसशिपमेंट विदेशी बंदरगाहों जैसे सिंगापुर, कोलंबो और पोर्ट क्लांग के जरिए होता है। इससे न केवल समय बढ़ता है, बल्कि लॉजिस्टिक्स लागत भी 10 से 15 प्रतिशत तक ज्यादा हो जाती है। रिजर्व बैंक और शिपिंग मंत्रालय से जुड़े अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि उच्च लॉजिस्टिक लागत के कारण भारत की मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट प्रतिस्पर्धा प्रभावित होती है। इसी कमी को दूर करने के लिए ग्रेट निकोबार मेगा प्रोजेक्ट को गेमचेंजर बताया जा रहा है। यह परियोजना लगभग 166 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली होगी। इसमें गैलेथिया बे पर अंतरराष्ट्रीय कंटेनर ट्रांस शिपमेंट टर्मिनल, ड्यूल यूज सिविल-मिलिट्री एयरपोर्ट, 450 मेगावॉट का गैस और सौर ऊर्जा आधारित पावर प्लांट और एक नई इंटीग्रेटेड टाउनशिप शामिल है। सरकारी दस्तावेज बताते हैं कि सिर्फ पोर्ट परियोजना पर करीब 40,040 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। पहले चरण में 18,000 करोड़ रुपये की लागत से 2028 तक इसे चालू करने का लक्ष्य है। शुरूआती क्षमता 4 मिलियन टीईयू से अधिक होगी, जबकि पूरी तरह विकसित होने पर यह क्षमता 16 मिलियन टीईयू तक पहुंच सकती है। अगर इन आंकड़ों की तुलना की जाए तो भारत का कुल कंटेनर ट्रैफिक 2020 में करीब 17 मिलियन टीईयू था, जबकि चीन का आंकड़ा 245 मिलियन टीईयू से अधिक रहा। यह अंतर साफ दिखाता है कि भारत को अपने समुद्री इंफ्रास्ट्रक्चर में कितनी बड़ी छलांग की जरूरत है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर बड़े कंटेनर जहाज सीधे ग्रेट निकोबार पर रुकने लगते हैं, तो छोटे फीडर जहाजों के जरिए देश के पूर्वी और पश्चिमी तट के बंदरगाहों तक माल पहुंचाना आसान होगा। इससे ट्रांजिट टाइम में कई दिन की बचत हो सकती है और लागत में भी उल्लेखनीय कमी आएगी।रणनीतिक दृष्टि से यह परियोजना भारत की समुद्री सुरक्षा को नई मजबूती दे सकती है। रक्षा विश्लेषकों के अनुसार ग्रेट निकोबार का विकास हिंद महासागर क्षेत्र में निगरानी, खुफिया गतिविधियों और त्वरित सैन्य प्रतिक्रिया की क्षमता को बढ़ाएगा। आपदा प्रबंधन और मानवीय सहायता अभियानों के लिहाज से भी यह द्वीप एक अहम बेस बन सकता है। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में बढ़ती सामरिक हलचलों के बीच भारत के लिए यह एक अतिरिक्त बढ़त के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन जितनी बड़ी इसकी रणनीतिक और आर्थिक अहमियत है, उतनी ही गहरी इसकी पर्यावरणीय चुनौतियां भी हैं। ग्रेट निकोबार एक बायोस्फीयर रिजर्व है, जहां घने वर्षावन, मैंग्रोव, कोरल रीफ और कई दुर्लभ प्रजातियां पाई जाती हैं।

विकास का संकल्प : ट्रिपल इंजन से बदलेगी दिल्ली की तस्वीर

ललित गर्ग

वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में दिल्ली के लिए 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि का प्रावधान केवल एक आर्थिक घोषणा नहीं, बल्कि राजधानी के भविष्य की रूपरेखा है। सड़क, रेल परिवहन, मेट्रो विस्तार, जल आपूर्ति, स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रदूषण नियंत्रण और पुलिस व्यवस्था जैसे बुनियादी क्षेत्रों पर विशेष ध्यान यह संकेत देता है कि केंद्र सरकार दिल्ली को एक सुव्यवस्थित, आधुनिक और आदर्श महानगर के रूप में विकसित करना चाहती है। ऐसे समय में जब दिल्ली की भाजपा सरकार अपना एक वर्ष पूर्ण कर रही है, यह स्वाभाविक है कि बीते वर्ष के कामकाज का मूल्यांकन किया जाए और देखा जाए कि तथाकथित "ट्रिपल इंजन सरकार" का लाभ दिल्लीवासियों को कितना और कैसे मिला है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने कार्यकाल के एक वर्ष पूर्ण होने पर सरकार की उपलब्धियों और आगामी संकल्पों का उल्लेख करते हुए दावा किया कि उनकी सरकार ने न केवल नई योजनाओं की शुरूआत की, बल्कि पूर्ववर्ती सरकारों की लंबित और अधूरी परियोजनाओं को भी गति दी है। "दिल्ली लखपति बिटिया योजना", मुफ्त एलपीजी सिलेंडर, अधूरी पड़ी आधारभूत परियोजनाओं को पूरा करने की पहल, तथा महिलाओं और छात्रों के लिए नई राहतकारी योजनाओं का खाका-ये सब उनके पहले वर्ष के प्रमुख बिंदु रहे। उनका यह भी कहना है कि ट्रिपल इंजन की व्यवस्था-अर्थात केंद्र, राज्य और नगर निकाय में एक ही राजनीतिक नेतृत्व के कारण विकास कार्यों में समन्वय और गति दोनों आई है।

ट्रिपल इंजन सरकार की अवधारणा का सबसे बड़ा लाभ वित्तीय समन्वय के रूप में सामने आया है। दिल्ली सरकार को अब पूंजीगत व्यय के लिए ऋण अपेक्षाकृत कम ब्याज दर पर उपलब्ध हो रहा है। पहले जहां ब्याज दर 13-14 प्रतिशत तक पहुंच जाती थी, वहीं अब लगभग सात प्रतिशत पर ऋण मिलना संभव हुआ है। केंद्र सरकार द्वारा 21 हजार करोड़ रुपये तक की ऋण सीमा निर्धारित किए जाने से आधारभूत ढांचे के विकास में धनाभाव की आशंका कम हुई है। यही नहीं, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन तथा पीएम भीम योजना जैसी केंद्रीय योजनाओं की समयावधि बढ़वाने में भी दिल्ली सरकार को सफलता मिली है। आयुष्मान भारत जैसी जनकल्याणकारी योजना का लाभ अब राजधानी के अधिक से अधिक नागरिकों तक पहुंच रहा है, जिससे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा की ठोस गारंटी मिल रही है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार के संकेत अवश्य दिखाई दिए हैं। मोहल्ला क्लीनिक मॉडल पर उठे प्रश्नों और अधूरी स्वास्थ्य परियोजनाओं के बीच नई सरकार ने अस्पतालों के आधुनिकीकरण, बेड क्षमता बढ़ाने और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। यदि यह प्रयास निरंतरता से जारी रहा तो दिल्ली को राष्ट्रीय राजधानी के अनुरूप विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकती हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी पारदर्शिता और गुणवत्ता सुधार का दावा किया गया है। पिछले वर्षों में शिक्षा मॉडल को लेकर जहां एक ओर प्रशंसा हुई, वहीं भवनों की गुणवत्ता, संसाधनों के उपयोग और परिणामों पर सवाल भी उठे। नई सरकार के लिए यह चुनौती है कि वह शिक्षा को राजनीतिक विमर्श से ऊपर उठाकर वास्तविक गुणवत्ता सुधार की दिशा में कार्य करे।

परिवहन और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में भी गति लाने का प्रयास हुआ है। मेट्रो नेटवर्क के विस्तार, बस बेड़े के आधुनिकीकरण और सड़कों के सुधार की योजनाएं केंद्र और राज्य के समन्वय से आगे बढ़ रही हैं। दिल्ली मेट्रो पहले से ही राजधानी की जीवनरेखा रही है, अब किराए में राहत या छात्रों के लिए विशेष प्रावधान जैसे कदम यदि लागू होते हैं तो इससे आम जनता को सीधा लाभ मिलेगा। यातायात जाम की समस्या के समाधान के लिए फ्लाईओवर, अंडरपास और स्मार्ट ट्रैफिक प्रबंधन प्रणाली पर ध्यान देना आवश्यक है। एक वर्ष में कुछ परियोजनाओं को गति मिली है, किंतु राजधानी जैसे विशाल महानगर में ठोस परिणामों के लिए निरंतर प्रयास अपेक्षित हैं।

सबसे बड़ी चुनौती पर्यावरण और वायु प्रदूषण की है। बीते दशक में दिल्ली विश्व के सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में गिनी जाने लगी। यह केवल आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य का संकट है। मुख्यमंत्री ने वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए ठोस योजनाओं का उल्लेख किया है-जैसे हरित आवरण बढ़ाना, निर्माण कार्यों पर निगरानी, सार्वजनिक परिवहन को प्रोत्साहन और पड़ोसी राज्यों के साथ समन्वय। परंतु यह भी सत्य है कि प्रदूषण जैसी जटिल समस्या का समाधान केवल घोषणाओं से संभव नहीं, इसके लिए कठोर क्रियान्वयन, क्षेत्रीय सहयोग और जनसहभागिता की आवश्यकता होगी। यमुना की सफाई भी दिल्ली की अस्मिता से जुड़ा प्रश्न है। वर्षों से यमुना शुद्धिकरण के नाम पर योजनाएं बनती रहीं, बजट खर्च होता रहा, पर परिणाम संतोषजनक नहीं रहे। वर्तमान सरकार ने यमुना को स्वच्छ और पर्यटन योग्य बनाने का संकल्प दोहराया है। यदि सीवेज प्रबंधन, औद्योगिक अपशिष्ट नियंत्रण और नदी तट के पुनर्विकास की योजनाएं समयबद्ध तरीके से लागू होती हैं, तो यह दिल्ली की छवि को नया आयाम दे सकती हैं। यमुना का पुनर्जीवन केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आर्थिक पुनरुत्थान का भी अवसर है।

महिलाओं और बेटियों के लिए घोषित योजनाएं-जैसे "लखपति बिटिया योजना"-सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में सकारात्मक कदम मानी जा सकती हैं। यदि इन योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्रों तक पारदर्शिता से पहुंचता है, तो यह परिवारों की आर्थिक सुरक्षा और शिक्षा के अवसरों को बढ़ा सकता है। मुफ्त एलपीजी सिलेंडर जैसी पहल घरेलू अर्थव्यवस्था में राहत देती है, विशेषकर निम्न आय वर्ग के लिए। किंतु इन योजनाओं की सफलता क्रियान्वयन की गुणवत्ता पर निर्भर करेगी। एक वर्ष की अवधि किसी भी सरकार के लिए बहुत बड़ी नहीं होती, विशेषकर तब जब उसे पिछली सरकारों की अधूरी परियोजनाओं और व्यवस्थागत खामियों को भी दुरुस्त करना हो। यह भी सच है कि राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच विकास का वास्तविक आकलन कठिन हो जाता है। नई सरकार ने पूर्ववर्ती शासन की कमियों-जैसे कथित भ्रष्टाचार, अधूरी इमारतें, प्रदूषण नियंत्रण में विफलता को सुधारने का दावा किया है। किंतु जनता अब केवल आरोप नहीं, परिणाम देखना चाहती है। आने वाले वर्षों के लिए सरकार के सामने स्पष्ट लक्ष्य होने चाहिए-स्वच्छ वायु, स्वच्छ यमुना, सुगम यातायात, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य और पारदर्शी प्रशासन। राजधानी होने के नाते दिल्ली को केवल भारत का प्रशासनिक केंद्र नहीं, बल्कि आदर्श शहरी मॉडल बनना चाहिए। इसके लिए आवश्यक है कि बजट में आवंटित राशि का पूर्ण और पारदर्शी उपयोग हो, परियोजनाएं समयबद्ध पूरी हों और जनभागीदारी को प्रोत्साहन मिले।

ट्रिपल इंजन सरकार का वास्तविक अर्थ तभी सिद्ध होगा जब समन्वय का लाभ जमीन पर दिखाई दे। केंद्र और राज्य के बीच टकराव की राजनीति के स्थान पर सहयोग की भावना यदि कायम रहती है, तो दिल्ली विकास की नई ऊंचाइयों को छू सकती है। एक वर्ष में कुछ सकारात्मक संकेत अवश्य मिले हैं, परंतु अभी लंबी यात्रा शेष है। सरकार को अपनी उपलब्धियों का प्रचार करने के साथ-साथ कमियों का ईमानदार आत्ममंथन भी करना होगा। दिल्ली की जनता जागरूक है और अपेक्षाएं भी बड़ी हैं। वह केवल वादों से संतुष्ट नहीं होगी, उसे परिणाम चाहिए। यदि रेखा गुप्ता सरकार अपने संकल्पों को धरातल पर उतारने में सफल होती है, तो आने वाले वर्षों में दिल्ली सचमुच एक स्वच्छ, स्वस्थ, सुरक्षित और आधुनिक महानगर के रूप में उभर सकती है। यही समय है जब बजट की घोषणाओं को विकास की वास्तविक कहानी में बदला जाए और राजधानी को समस्याओं के प्रतीक से समाधान के मॉडल में परिवर्तित किया जाए।

शिवाजी ने मुगल और बीजापुर सल्तनत की नींव को खोखला कर दिया था

डॉ. लोकेश कुमार

छत्रपति शिवाजी महाराज एक साहसी, कुशल रणनीतिकार और दूरदर्शी शासक के रूप में याद किए जाते हैं, जिन्होंने मराठा पहचान दी। वे मराठा साम्राज्य के संस्थापक थे, जिन्होंने मुगलों और बीजापुर सल्तनत की नींव को खोखला कर दिया। उन्होंने गोरिल्ला युद्ध (छापामार युद्ध) नीति का उपयोग कर मराठा साम्राज्य की स्थापना की। माना जाता है कि गोरिल्ला युद्ध महाराणा प्रताप की खोज थी, उन्होंने मुगल शासक अकबर के खिलाफ छापामार युद्ध अपना कर उनको घुटनों के बल ला दिया था।

शिवाजी को उनकी मां जीजाबाई ने न्याय, धर्म और रामायण-महाभारत की कहानियां सुनाकर एक धर्मपरायण योद्धा के रुप में तैयार किया था। समर्थ गुरु रामदास और दादाजी कोणदेव ने भी उनके व्यक्तित्व को निखारने में हरसम्भव कोशिश की। 16 साल की आयु में उन्होंने बीजापुर सल्तनत के खिलाफ युद्ध का बिगुल बजाकर तोरण दुर्ग पर अधिकार जमा लिया। सन 1659 में बीजापुर के सेनापति अफजल खान को कूटनीति से मार गिराया, जो उनकी पहली बड़ी सैन्य सफलता मानी गई। उनका जन्म 19 फरवरी, 1630 को हुआ था। इस कारण उनकी जयंती 19 फरवरी को मनाई जाती है।

उन्होंने गुरिल्ला युद्ध, मजबूत नौसेना और कुशल प्रशासन के साथ तोरना, प्रतापगढ़ और रायगढ़ जैसे किले जीतकर एक शक्तिशाली राज्य की स्थापना की? थी। 1674 में रायगढ़ में छत्रपति के रूप में राज्याभिषेक के बाद धर्म, न्याय और प्रगतिशील शासन के प्रतीक बन गए, जिन्होंने भारत के इतिहास में वीरता और स्वतंत्रता की मिसाल कायम की। वे एक उत्कृष्ट प्रशासक थे। एक सुदृढ़ प्रशासनिक व्यवस्था की नींव रखीं। शिवाजी का मराठा साम्राज्य महाराष्ट्र से लेकर कर्नाटक और तमिलनाडु तक फैला हुआ था। प्रशासन को सुदृढ़ करने के लिए, शिवाजी ने जागीर प्रथा को समाप्त कर दिया और अपने अधिकारियों को नकद वेतन देना प्रारंभ किया। जागीरदारी व्यवस्था समाप्त करने के बावजूद उन्होंने विद्यालयों और मंदिरों के लिए भूमि अनुदान देना प्रारंभ किया। उनका प्रशासन एक केंद्रीकृत, सुव्यवस्थित और जनकल्याणकारी माना जाता है, जिसका मुख्य केंद्र 'अष्टप्रधान' (आठ मंत्री) नामक मंत्रिपरिषद थी। उनके शासन की मुख्य विशेषताओं में मलिक अंबर पर आधारित भू-राजस्व प्रणाली (33-40 प्रतिशत कर), चौथ (1/4 रक्षा कर) और सरदेशमुखी (1/10 कर) वसूली, अनुशासित स्थायी सेना, किलों का विशेष महत्व, नागरिक अधिकारियों की सर्वोच्चता और धार्मिक सहिष्णुता का गुण शामिल था।

छत्रपति के प्रशासन की विशेषताएं

शिवाजी का शासन केन्द्रीयकृत शासन था। उनके पास ही सारी शक्तियाँ निहित थी। उन पर किसी प्रकार का प्रतिबंध अथवा नियंत्रण नहीं था। उनके आदेशों का पालन सभी को करना पड़ता था। उनके पास पदाधिकारियों की नियुक्ति एवं पदच्युति करने का पूर्ण अधिकार था। व्यवहारिक दृष्टिकोण से देखें तो पता चलता है कि अपनी समकालीन तानाशाहों से बिल्कुल भिन्न थे। उन्होंने कभी भी अपने स्वार्थ के लिए आम जनता की उपेक्षा नहीं की और न जनता के अधिकारों का हनन किया। कभी भी सत्ता का दुरूपयोग नहीं किया। हरसंभव तरीके से जनता की उत्थान की चेष्टा की। प्रजा के लिए कल्याण किया और प्रजाहित, प्रजा? सुरक्षा, न्याय, नैतिकता और धर्म के लिए उदार भावना थी। प्रशासनिक कार्यों में सलाह के लिए आठ मंत्रियों की एक परिषद का गठन किया, जिसमें पेशवा (प्रधानमंत्री) सर्वोच्च माना जाता था। अन्य मंत्री अमात्य, वकनीस, सचिव, सुमंत, सेनापति, पंडितराव और न्यायाधीश थे।

आमात्यः- शिवाजी के अष्टप्रधान में दूसरा मंत्री आमात्य कहलाता था। आमात्य अर्थ विभाग का प्रधान होता था इसे मजूमदार भी कहा जाता था इसका कार्य राज्य के आय-व्यय का ब्योरा और विभिन्न प्रांतों के हिसाब-किताब की जांच पड़ताल करना था।

पैदल सेनाः- पैदल सैनिकों में नवपायिकों की सबसे छोटी इकाई होती थी इसका मुख्य नायक कहलाता था। इसका वेतन साधारण होता था पांच नायकों पर एक हवलदार होता था। दो या तीन हवलदार पर एक जुमलदार होता था।

जल सेनाः- शिवाजी ने अपने राज्य की रक्षा एवं जंजीरा के विरुद्ध युद्ध करने के लिए एक जल सेना का भी गठन किया था। शिवाजी के पास 400 जहाज थे, इनमें पांच प्रकार के युद्धपोत और कुछ बड़ी-बड़ी नावें भी थीं।

अंगरक्षक की सेनाः उनके पास दो हजार चुने हुए अंगरक्षक थे, जो बड़े साहसी एवं वीर होते थे। अंगरक्षक की सेना पर पूरा व्यय राज्य वहन करता था।

भू-राजस्व और कृषक कल्याणः-भूमि की पैमाइश (माप) के लिए 'काठी' का उपयोग किया जाता था। उपज का 33 प्रतिशत (बाद में 40 प्रतिशत) कर लिया जाता था। अकाल के समय किसानों को बीज और पशु खरीदने के लिए 'तकावी' (ऋण) देने की व्यवस्था कर रखी थी।

सैन्य व्यवस्थाः- उन्होंने एक मजबूत, अनुशासित और स्थायी सेना बनाई। सैनिकों को जागीर के बदले नकद वेतन देना प्रारंभ किया। सेना में 'पागा' (नियमित) और 'सिलहदार' (अस्थायी) दो प्रकार के घुड़सवार थे। शिवाजी ने किलों को सामरिक महत्व का केंद्र मानते हुए प्रत्येक किले में हवलदार, सबनीस और कारखानिस नामक तीन समान रैंक के अधिकारी बनाए, ताकि एक व्यक्ति निरंकुश नहीं हो सकें। प्रशासन का केंद्र बिंदु स्वयं शिवाजी थे। वे सभी धर्मों के प्रति सहिष्णु भी थे और उनकी सेना व प्रशासन में मुस्लिम अधिकारी भी महत्वपूर्ण पदों आसीन थे। न्याय व्यवस्था सरल थी, जिसमें ग्राम पंचायतें स्थानीय विवादों का निपटारा करती थीं और उच्च स्तर पर न्यायधीश व पंडितराव न्याय करते थे।

सैनिक अनुशासनः - शिवाजी के शासनकाल में मराठा सैनिक को एकत्रित करते हुए राष्ट्रीय सेना की स्थापना की थी, सैनिक राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत थे। वे अपने देश की रक्षा के लिए सर्वस्व न्योछावर करने के लिए हमेशा तैयार रहते थे। बहरहाल, हम यही कह सकते हैं कि छत्रपति शिवाजी महाराज दूरदर्शी थे। शक्तिशाली होने के साथ उन्होंने जनकल्याण के कार्य किए। उनका विचार अंतिम व्यक्ति के कल्याण पर टिका था।

(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

सूडोकु नवताल- 7710

★☆☆☆☆ सरल

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 7709 का हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

बांग्लादेश सरकार में हिंदु समुदाय के सांसदों को मंत्री बनाने के निहितार्थ

डॉ. रमेश ठाकुर

पड़ोसी देश बांग्लादेश में तारिक रहमान की अगुवाई में नई सरकार शपथ ले चुकी है। खास बात ये है नयी सरकार में दो हिंदू सांसदों को मंत्री बनाया गया है। समूची दुनिया इस निर्णय को भारत के साथ प्रत्यक्ष रूप से बांग्लादेश के बिगड़े संबंधों को सुधारने की पहल के रूप में देख रही है। इस कदम से चीन-पाकिस्तान चिढ़े भी हैं। यह उनके लिए असहज स्थिति पैदा करता है कि बांग्लादेश, भारत या उसके नजदीकियों को तवज्जो दे। लेकिन, देश के नये प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने ऐसे मंसूबों को धता बताते हुए बड़ी सूझबूझ से कदम आगे बढ़ाया। बीते कुछ महीनों में 11 हिंदुओं की बर्बरता के साथ हुई हत्या ने बांग्लादेश की न सिर्फ थू-थू करवाई बल्कि दशकों से चले आ रहे भारत के साथ उसके मधुर संबंधों को भी पटरी से उतार दिया। इसे लेकर दोनों देशों में तल्खियां बनी हुई थीं। रहमान जानते हैं अगर माहौल ऐसा ही रहा तो रिश्तों की दूरियां घटने वाली नहीं। इसपर गौर करते हुए रहमान ने अपनी कैबिनेट में हिंदू समुदाय से ताल्लुक रखने वाले सांसदों को अहम औहदे सौंपे ताकि रिश्तों में फिर से नरमी लाई जा सके।

शेख हसीना की सरकार के पतन के साथ ही देश के हिंदु समुदाय को जिस तरह निशाना बनाया गया और बड़ी संख्या में भीड़ की हिंसा की घटनाएं तेजी से बढ़ीं, तारिक रहमान के सामने इन घटनाओं को तत्काल रोकने की बड़ी चुनौती है। हालांकि, इन घटनाओं को रोकने के लिए वह अपने कदम तेजी से बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री रहमान सबसे पहले पूर्व की अंतरिम सरकार के मुखिया रहे मोहम्मद यूनुस के फैसलों की गहन समीक्षा करेंगे। मोहम्मद यूनुस का झुकाव भारत को परेशान करने वाली पाकिस्तान-चीन की संयुक्त खुराफाती नीतियों की ओर ज्यादा रहा था। रहमान अच्छी तरह से समझते हैं कि जबतक मोहम्मद यूनुस कार्यकारी प्रधानमंत्री रहे, उन्होंने भारत के साथ संबंधों को बिगाड़ने की हरसंभव कोशिशे की। कुछ उन्होंने की और कुछ दूसरे देशों ने करवाई।

तारिक रहमान अपनी कैबिनेट में अल्पसंख्यक हिंदू मंत्रियों की आमद के साथ बांग्लादेश में अगले पांच सालों तक स्थिर और प्रभावशाली सरकार चलाने की मंशा रखते हैं। इसी को ध्यान में रखकर जब उनकी पार्टी बीएनपी चुनावों में जीती तो सबसे पहले वह अपने धुर विरोधी विपक्षी नेता और जमात-ए-इस्लामी प्रमुख शफीकुर रहमान के बिना बुलाए ढलती शाम के बाद उनके आवास पहुंच गए। चुनावी गुस्सेबाजियों के इतर उनसे नई सरकार में सहयोग की गुजारिश की। विपक्षी नेता ने भी राजनीतिक दुश्मनी छोड़ कर अपने घर पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

इस तरह की राजनीतिक परंपरा का प्रचार-प्रसार पूरे विश्व में होना चाहिए कि चुनाव बाद विपक्ष से सत्ता पक्ष को कैसे व्यवहार करना चाहिए। ये उन देशों के लिए सीख भी है जहां पक्ष-विपक्ष आपस में अनैतिकता की सभी सीमाएं लांघ रहे हैं। रहमान उस विपक्षी नेता के घर भी पहुंचे जिनकी पार्टी चुनाव में तीसरे स्थान पर रही। नेशनल सिटीजन पार्टी के नाहिद इस्लाम को भी गले लगाया और बांग्लादेश के विकास में उनसे भी सहयोग मांगा। राजनीति में ऐसी तस्वीरों का दिखना दुर्लभ होता है लेकिन बांग्लादेश में दिखी।

रहमान की जीत पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का उन्हें भाई बताना और उनकी जीत की खुशी में फूल-मिठाइयां को ढाका भेजना भी खतरे में पड़े संबंधों में रस भरने जैसा कहा जाएगा। साथ ही रहमान के शपथग्रहण समारोह में भारत सरकार की ओर से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का पहुंचना भी संबंधों को नए सिरे से गढ़ने जैसा है। भारत के खिलाफ अपने मंसूबों को पूरा करने के लिए जिस तरह चीन-पाकिस्तान ने बांग्लादेश के कंधों का इस्तेमाल कर देश को सत्यानाश के रास्ते पर धकेल दिया, उसका अंदाजा नवगठित सरकार के मुखिया को है। बांग्लादेश-भारत संबंध जितने बिगड़ेंगे, दोनों देश मिलकर उतना ही फायदा उठाएंगे। चीन-पाकिस्तान की जुगलबंदी ने पूर्व की कार्यकारी सरकार को कठपुतली की तरह इस्तेमाल किया। पाकिस्तान की शह पर बंगाली और हिंदुओं को खूब लड़ाया गया लेकिन 13वें राष्ट्रीय चुनाव में हिंदू समुदाय के तीन सांसद जीते हैं- जिनमें निताई रॉय चौधरी को स्पीकर, चटगांव से जीते अधिवक्ता दीपेन दीवान को पहाड़ी क्षेत्रों के संरक्षण के लिए मंत्री और गोयेश्वर रॉय चौधरी को रेलमंत्री बनाया गया है। यह तथ्य एक उम्मीद जगाते हैं।

बांग्लादेश में नई सरकार के गठन के साथ करीब एक-डेढ़ साल से देश के विभिन्न हिस्सों में हिन्दुओं के खिलाफ भीड़ की हिंसा का जो दौर चल रहा था, वो फिलहाल थमता दिख रहा है। देश की जनता को इस दिन का लंबे समय से इंतजार था। काफी जद्दोजहद और राजनीतिक अस्थिरता के बीच हुए आम चुनाव में बीएनपी ने बड़े अंतर से विजय हासिल की है। कुल 298 संसदीय सीटों में 297 पर चुनाव हुए, उनमें से रिकॉर्ड 209 सीटें बीएनपी ने जीतीं। दूसरे नंबर पर जमात-ए-इस्लामी रही जिसने 68 सीटें जीतीं। तारिक रहमान की नई कैबिनेट में डॉ. खलीलुर रहमान को विदेश मंत्री, सलाहुद्दीन अहमद को गृह मंत्री, डॉ. अमीर खसरू महमूद को वित्त एवं प्लानिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कुल मिलाकर तारिक रहमान ने शिक्षित और बुद्धिजीवी लोगों से अपनी कैबिनेट को सजाया है। कैबिनेट में कुल 50 मंत्री हैं, जिनमें 25 कैबिनेट और 24 राज्यमंत्री हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

दैनिक पंचांग

19 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	कुंभ	06.10 बजे से
चंद्र	कुंभ में	मीन	07.47 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	09.17 बजे से
बुध	कुंभ में	वृष	10.57 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	12.55 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कर्क	15.09 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	17.25 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	19.37 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	21.47 बजे से
		वृश्चिक	00.02 ब.से
		धनु	02.18 बजे से
		मकर	04.23 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार 2026 वर्ष का 50 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** द्वितीया 15.59 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 20.52 बजे को समाप्त। **योग** सिद्ध 20.43 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 15.59 बजे तदनन्तर तैतिल 03.22 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 1.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 11° 21' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872625 **जूलियन दिन** 2461090.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रमजान **तारीख** 01 **विशेष** फुलैरा दूज, स्वामी रामकृष्ण परमहंस जयंती, छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

आदिवासी हितों की अनदेखी कर रही है अबुआ सरकार : बोदरा

खूंटी : कोयलकारो जनसंगठन और गुड़िया पड़हा की संयुक्त बैठक बुधवार को तपकरा प्रखंड के गुटूहातु गांव में जोन जुरसेन गुड़िया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में पेसा नियमावली :2025, सीएनटी एक्ट और एसपीटी एक्ट के प्रबंधन के सीएजी की ओर से अंकेक्षण और मूल्यांकन पर रोक जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए झारखंड उलगुलान संघ के संयोजक अलेस्टेयर बोदरा ने आरोप लगाया कि झारखंड की अबुआ सरकार आदिवासियों के हितों की अनदेखी कर रही है। उन्होंने कहा कि पेसा नियमावली – 2025 को कैबिनेट में लाने से पहले जनजातीय सलाहकार परिषद (टीएसी) की सहमति नहीं ली गई। साथ ही सीएजी की ओर से सीएनटी और एसपीटी एक्ट के अंकेक्षण मूल्यांकन पर रोक के लिए टीएसी की बैठक आयोजित कर निर्णय लिया गया। इससे सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने ग्रामीणों को सचेत करते हुए कहा कि पेसा नियमावली–2025, पेसा कानून के वास्तविक क्रियान्वयन के बजाय झारखंड पंचायत राज अधिनियम–2001 के तहत अधिक प्रभावी दिखाई देती है। अधिनियम की धारा 10 की उपधारा 9 का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ग्राम सभा को सौंपे गए अधिकारों को सामान्य या विशेष आदेश से वापस भी ले सकती है, जो आदिवासी स्वशासन की भावना के विपरीत है।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को लेकर बैंक अधिकारियों की बैठक

खूंटी : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, खूंटी के तत्वावधान में 14 मार्च को आयोजित होनेवाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन और प्री–लिटिगेशन बैंक मामलों के निष्पादन को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष रसिकेश कुमार और सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से विभिन्न बैंकों के अधिकारियों के साथ बुधवार को बैठक हुई। बैठक में भारतीय स्टेट बैंक, इंडियन बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, झारखंड ग्रामीण बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, यूको बैंक सहित अन्य बैंकों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में स्थायी लोक अदालत के सदस्य भी उपस्थित थे। बैठक के दौरान प्री–लिटिगेशन बैंक मामले, किसान क्रेडिट कार्ड मामले, वसूली संबंधी वाद और अन्य वित्तीय विवादों के अधिकतम निष्पादन पर बल दिया गया। बैठक में बैंक अधिकारियों को लोक अदालत के लिए उपयुक्त मामलों की समय पर पहचान, पक्षकारों को विधिवत नोटिस तामील कराने और समझौते के लिए सक्षम पदाधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। वहीं डालसा के सचिव कमलेश बेहरा ने बताया कि पिछले राष्ट्रीय लोक अदालत में खूंटी जिले में कुल 642 मामलों का सफलतापूर्वक निष्पादन किया गया था।

कर्रा में रोजगार मेला का आयोजन, 22 कंपनियों ने भाग लिया

खूंटी : कर्रा प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में बुधवार को श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग जिला नियोजनालय सह मॉडल कैरियर सेंटर के तत्वावधान में बेरोजगार युवक युवतियों के लिए रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। रोजगार मेला में लगभग 22 कंपनियों का स्टॉल लगाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला परिषद उपाध्यक्ष मंजू देवी और विशिष्ट अतिथि खूंटी जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी अल्ताफ खां उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि जिप उपाध्यक्ष मंजू देवी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कर्रा प्रखंड युवाओं के रोजगार मेला सुनहरा मौका दे रहा है। उनके घर व प्रखंड तक 22 कंपनियों बेरोजगार युवाओं को नौकरी देने लिए पहुंची हैं।

भेड़ा पुल लूटकांड का पर्दाफाश : मुख्य सरगना समेत चार अपराधी गिरफ्तार, हथियार-जेवर व वाहन बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : गोला थाना क्षेत्र में 4 फरवरी 2026 की संध्या भेड़ा पुल के समीप हुई ज्वेलरी व्यवसायी से लूट की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा कर दिया है। मामले में मुख्य सरगना सहित कुल चार अपराधियों को गिरफ्तार करते हुए लूटा गया सोने जैसा आभूषण, नगद, हथियार एवं घटना में प्रयुक्त वाहन बरामद कर लिए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार 4 फरवरी 2026 को वादी बिहारी प्रसाद स्वर्णकार, पिता स्व. मथुरा प्रसाद स्वर्णकार, निवासी जामुन टोला (प्राचीन दुर्गा मंदिर के पास), थाना-रजरप्पा, जिला-रामगढ़, जो गोला बाजार में बिहारी ज्वेलर्स नाम से आभूषण दुकान संचालित करते हैं, प्रतिदिन की

भांति शाम लगभग 6:00 से 6:15 बजे के बीच अपनी मोटरसाइकिल से ग्राम सुकरीगढ़ा जा रहे थे। जैसे ही वे भेड़ा पुल के समीप पहुंचे, पीछे से ओवरटेक कर आए दो युवकों ने, जो रॉयल एनफील्ड मेटिओर 350 मोटरसाइकिल पर सवार थे, उन्हें रोक लिया। अपराधियों ने हथियार का भय दिखाते हुए उनके पास से लगभग 70 हजार रुपये नगद, सोने के आभूषण, मोबाइल फोन तथा मोटरसाइकिल की चाबी लूट ली और गोला की ओर फरार हो गए। घटना के संबंध में गोला थाना कांड संख्या 18/26, दिनांक 04.02.2026 को भारतीय न्याय संहिता की धारा 309(4)/3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अजय कुमार के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रामगढ़ चंदन कुमार वत्स के नेतृत्व में विशेष अनुसंधान दल (एसआईटी) का गठन किया गया। गठित दल ने तकनीकी एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए अप्राथमिकी अभियुक्त दीपक कुमार (उम्र 21 वर्ष), निवासी केरेडारी, जिला-हजारीबाग को रांची से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त की निशानदेही पर एक देशी कट्टा, 8 एमएम की एक गोली, सोने जैसा एक जोड़ा कान का बाली, एक पल्सर मोटरसाइकिल तथा घटना में प्रयुक्त रॉयल एनफील्ड मेटिओर 350 मोटरसाइकिल बरामद की गई। आगे की कार्रवाई में पुलिस ने मो. सद्दाम उर्फ छोटू उर्फ मास (उम्र 30 वर्ष), निवासी पिपरा, थाना-चरही, जिला-हजारीबाग; ऐनुल अंसारी (उम्र 27 वर्ष), निवासी कजरी, थाना-चरही; तथा मोईन अंसारी (उम्र 30 वर्ष), निवासी बड़की लारी, थाना-रजरप्पा को चरही थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया। इनके पास से सात जोड़ा कान की बाली, दो जोड़ा गले की चेन, चार मंगलसूत्र तथा एक ऑल्टो कार बरामद की गई। पुलिस के अनुसार इस गिरोह का मुख्य सरगना मो. सद्दाम है, जो पूर्व में बोकारो, रांची और रामगढ़ जिलों में कई आपराधिक मामलों में संलिप्त रहा है। उसके विरुद्ध विभिन्न थानों में लूट, डकैती, चोरी, आर्म्स एक्ट एवं अन्य गंभीर धाराओं के तहत अनेक कांड दर्ज हैं। अन्य गिरफ्तार अभियुक्त भी पूर्व में कई मामलों में जेल जा चुके हैं।

आवारा कुत्तों के हमले से 27 घायल रेबीज टीके के नाम पर वसूली के आरोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुजू (रामगढ़) : मंगलवार को रामगढ़ जिले में आवारा कुत्तों के हमलों ने दहशत फैला दी। कुजू क्षेत्र में 12 लोगों समेत जिले के विभिन्न इलाकों में कुल 27 लोग कुत्तों के काटने से घायल हो गए। घायलों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। घटना के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल भी खुलकर सामने आई, जहां उपचार और रेबीज टीकाकरण को लेकर गंभीर लापरवाही और अव्यवस्था के आरोप लगे हैं। कुजू के कई पीड़ित उपचार के लिए टूटी झरना स्थित रेफरल अस्पताल पहुंचे, जबकि कुछ घायलों को सदर अस्पताल, रामगढ़ ले जाया गया। आरोप है कि रेफरल अस्पताल में जख्म की सफाई और ड्रेसिंग के लिए समुचित व्यवस्था नहीं थी। परिजनों को बाहर से पानी लाकर घाव धोना पड़ा। इतना ही नहीं, अस्पताल में

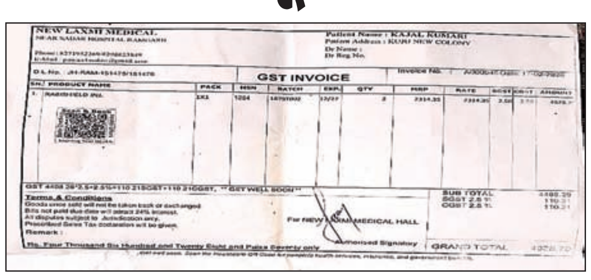

सूई (नीडल) उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें बाजार से खरीदनी पड़ी।वहीं सदर अस्पताल में रेबीज वैक्सीन को लेकर दलालों की सक्रियता सामने आई। पीड़ितों के परिजनों का आरोप है कि टीका उपलब्ध कराने के नाम पर दो-दो हजार रुपये की मांग की गई। कई परिजनों ने मजबूर होकर बाहर की दुकानों से 2300 रुपये तक में रेबीज वैक्सीन खरीदी, तब जाकर मरीजों को टीका लगाया जा सका। घटनाओं के बाद जिले में भय का माहौल है। कुत्तों के आतंक के कारण अभिभावक स्वयं बच्चों को स्कूल छोड़ने और लाने को मजबूर हैं। लोगों ने सिविल सर्जन, रामगढ़ और जिला प्रशासन से अस्पतालों में पर्याप्त दवाइयों, विशेषकर रेबीज वैक्सीन की उपलब्धता सुनिश्चित करने, स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त करने तथा अवैध वसूली में शामिल दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या पर भी प्रशासन को शीघ्र ठोस कदम उठाने चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

रामगढ़ में अवैध बालू खनन पर प्रशासन का सख्त प्रहार, दो ट्रैक्टर जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले में अवैध खनन और खनिजों के गैरकानूनी परिवहन पर पूरी तरह रोक लगाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज के निर्देश पर अधिकारियों को योजनाबद्ध ढंग से छापेमारी एवं जांच अभियान चलाने का आदेश दिया गया है। इसी क्रम में मंगलवार को दो अलग-अलग स्थानों पर अवैध रूप से बालू परिवहन करते ट्रैक्टरों को जब्त कर संबंधित मालिकों और अज्ञात चालकों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 17 फरवरी 2026 को दोपहर लगभग 12:15 बजे बरलंगा थाना क्षेत्र अंतर्गत मध्य विद्यालय चोकरबेड़ा के समीप लाल रंग का एक महिंद्रा ट्रैक्टर (इंजन संख्या- एनआरडी 4एसबीई 0011 एवं चेसिस संख्या- एमबीएनटीएफएवीबी 7 आरएनडी00322) बालू लदे अवस्था में पकड़ा गया। वाहन की जांच जिला खनन कार्यालय, रामगढ़ के खान निरीक्षक द्वारा की गई। जांच के दौरान चालक द्वारा बालू से संबंधित वैध खनिज परिवहन चालान प्रस्तुत नहीं किया जा सका। आवश्यक दस्तावेजों के अभाव में वाहन को जब्त करते हुए नियमानुसार कार्रवाई प्रारंभ की गई। इसी दिन शाम करीब 7:45 बजे पतरातू थाना क्षेत्र के महुआ टोला के समीप एक अन्य बालू लदा ट्रैक्टर (संख्या- जेएच01सीपी-2016) को पकड़ा गया। खान निरीक्षक द्वारा की गई जांच में ट्रैक्टर के डाला पर लगभग 100 घनफीट बालू लदा पाया गया। जांच के दौरान इस वाहन से भी खनिज परिवहन से संबंधित कोई वैध चालान या अनुमति पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया। प्रारंभिक जांच में स्पष्ट हुआ कि ट्रैक्टर के मालिक एवं अज्ञात चालक द्वारा अवैध रूप से बालू का उत्खनन कर परिवहन किया जा रहा था।

मनोनीत बोदरा के समर्थन में कांग्रेस ने चलाया जन संपर्क अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : नगर पंचायत चुनाव को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रवि मिश्रा की अध्यक्षता में बुधवार को खूंटी नगर क्षेत्र में पार्टी समर्थित प्रत्याशी मनोनीत बोदरा के समर्थन में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। जनसंपर्क अभियानकी शुरूआत सब्जी मार्केट से हुई, जो डीएवी रोड से होते हुए डाक बंगला रोड, भगत सिंह चौक से गुजरते हुए कार्यालय पहुंची। जनसंपर्क में शामिल कार्यकर्ता और समर्थकों ने घर-घर जाकर लोगों से बातचीत की और नगर पंचायत चुनाव को लेकर अपनी बात रखी। जनसंपर्क अभियान के दौरान स्थानीय लोगों ने अपनी समस्याएं रखी। लोगों ने सड़क, नाली, पानी, बिजली, सफाई सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। अभियान में शामिल प्रतिनिधियों ने जनता को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर समाधान के लिए उठाया जाएगा। जनसंपर्क के दौरान क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला और बड़ी संख्या में लोगों ने अभियान में भाग लेकर अपना समर्थन जताया। अभियान का मुख्य उद्देश्य जनता से सीधा संवाद स्थापित कर नगर पंचायत चुनाव में जनभागीदारी को मजबूत करना रहा। मौके पर सांसद प्रतिनिधि पांडेया मुंडा, आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष विलसन तोपनो, जिला प्रवक्ता रविकांत मिश्रा, जुनैद खान, नगर पंचायत अध्यक्ष गुलाम गौश, युवा कांग्रेस अध्यक्ष अमिर हुसैन, विलसन बोदरा, ऋतुराज झा, गोपाल भगत, देवेंद्र महतो सहित अन्य उपस्थित थे ।

बच्चा चोरी की अफवाहों पर पुलिस अलर्ट एसपी अजय कुमार ने जारी की चेतावनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले में हाल के दिनों में बच्चा चोरी से जुड़ी अफवाहों के फैलने की खबरों को गंभीरता से लेते हुए रामगढ़ पुलिस ने आम नागरिकों से संयम और सतर्कता बरतने की अपील की है। पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने स्पष्ट कहा है कि किसी भी अपुष्ट सूचना, सोशल मीडिया पोस्ट या मौखिक अफवाह पर बिना सत्यापन विश्वास न करें और किसी भी परिस्थिति में कानून को अपने हाथ में लेने की कोशिश न करें। एसपी अजय कुमार ने कहा कि अफवाहें समाज में भय और असुरक्षा का वातावरण उत्पन्न करती हैं, जिससे कानून-व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि यदि किसी अपरिचित व्यक्ति या संदिग्ध गतिविधि को लेकर बच्चा चोरी की आशंका होती है, तो भीड़ इकट्ठा कर हंगामा करने या किसी

पर हमला करने के बजाय तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दें। उन्होंने बताया कि ऐसी किसी भी सूचना के लिए निकटतम थाना, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पतरातू/रामगढ़, पुलिस अधीक्षक कार्यालय रामगढ़ अथवा आपातकालीन सेवा डायल 112 पर संपर्क किया जा सकता है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले की जांच करेगी और आवश्यक कानूनी कदम उठाएगी। पुलिस प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया के माध्यम से झूठी या भ्रामक खबरें फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अफवाह फैलाना दंडनीय अपराध है और इससे निर्दोष लोगों को नुकसान पहुंच सकता है। एसपी अजय कुमार ने कहा कि आमजन का सहयोग ही शांति और सुरक्षा की सबसे बड़ी गारंटी है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाएं, किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचना को आगे न बढ़ाएं और समाज में भाईचारा एवं सौहार्द बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें।

1857 से 1946 तक के स्वतंत्रता संग्राम की गूंज : पूर्व सैनिकों ने निकाली गौरव रैली, अमर शहीदों को किया नमन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की गौरवशाली परंपरा को स्मरण करते हुए मंगलवार को रामगढ़ में पूर्व सैनिकों द्वारा एक श्रद्धांजलि रैली का आयोजन किया गया। यह रैली थाना चौक से प्रारंभ होकर सुभाष चौक तक निकाली गई, जहां 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से लेकर 1946 के अंतिम चरण तक आजादी की लड़ाई में बलिदान देने वाले वीरों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पूर्व सैनिकों ने अपने संबोधन में कहा कि वर्ष 1857 का संग्राम

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की पहली व्यापक और संगठित क्रांति थी, जिसने अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिला दी। मेरठ से शुरू हुई इस क्रांति ने पूरे देश में जनआंदोलन का रूप ले लिया। सैनिकों, किसानों, महिलाओं और आम नागरिकों ने मिलकर विदेशी शासन के विरुद्ध बिगुल फूंका। भले ही यह संग्राम तत्काल सफल नहीं हुआ, लेकिन इसने स्वतंत्रता की चिंगारी को पूरे देश में प्रज्वलित कर दिया। रैली के दौरान वक्ताओं ने 1946 के अंतिम चरण के स्वतंत्रता संग्राम का भी विशेष उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि 1946 में रॉयल इंडियन नेवी विद्रोह, आजाद हिंद फौज के प्रभाव और व्यापक जनदबाव ने ब्रिटिश शासन को स्पष्ट संकेत दे दिया था कि अब भारत पर शासन करना संभव नहीं है। 1857 से लेकर 1946 तक का संघर्ष त्याग, बलिदान और अटूट संकल्प की लंबी गाथा है, जिसका परिणाम 15 अगस्त 1947 को देश की स्वतंत्रता के रूप में सामने आया। पूर्व सैनिकों ने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास को समझें और शहीदों के आदर्शों को जीवन में उतारें। उन्होंने कहा कि देशभक्ति केवल उत्सव नहीं, बल्कि जिम्मेदारी है। राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी ही शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। इस अवसर पर राम टहल महतो, अमित कुमार साहू, रंजन सिंह, कुंदन सिंह, विवेक विश्वकर्मा, आर.पी. सिंह, मनोज यादव, विजय सिंह, गोपाल यादव, शिव शंकर यादव, रणजीत सिंह, शिवराज पाटिल और अमन कुमार मिश्रा सहित कई पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

रजरप्पा में सप्तशक्ति संगम का हुआ आयोजन

चितरपुर : विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के तत्वावधान में विद्या विकास समिति, झारखंड द्वारा आयोजित सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम का भव्य आयोजन सरस्वती विद्या मंदिर, रजरप्पा प्रोजेक्ट की ओर से सीसीएल ऑफिसर्स क्लब स्थित कल्याण मंडपम में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मातृशक्ति की भूमिका, परिवार प्रबोधन और सांस्कृतिक जागरण जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ रामगढ़ महिला थाना प्रभारी वीणा कुमारी, सप्तशक्ति संगम की विभाग संयोजिका पद्मावती सिंह, गायत्री कुमारी एवं पतरातू विद्यालय की संयोजिका सुमन सिन्हा द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पण के साथ किया गया। विद्यालय की संयोजिका ललिता गिरि ने प्रस्तावना रखते हुए कहा कि मातृशक्ति ही समाज के विकास और कल्याण की आधारशिला है। भारतीय नारी समाज की प्रेरणा और राष्ट्र की आत्मा है। उन्होंने आह्वान किया कि सकारात्मक परिवर्तन की शुरूआत प्रत्येक परिवार से होनी चाहिए। सप्तशक्ति संगम की विभाग संयोजिका पद्मावती सिंह ने कुटुंब प्रबोधन और पर्यावरण के प्रति भारतीय दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सात शक्तियों के जागरण का महायज्ञ है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक महिला के भीतर असीम ऊर्जा निहित है। यदि माताएँ कीर्ति, श्री, धन, वाणी, स्मृति, धैर्य और क्षमा जैसे सात गुणों को आत्मसात करें, तो वे परिवार, समाज और राष्ट्र को नई दिशा दे सकती हैं। इस अवसर पर विशिष्ट माताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में रांची जिला के विभाग प्रमुख विवेक नयन पांडेय, सचिव चंद्रशेखर चौधरी, विद्यालय के प्राचार्य उमेश प्रसाद सहित अनेक गणमान्य अतिथि, आचार्य एवं बहनें उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गायत्री कुमारी ने किया, आभार ज्ञापन पूनम सिंह ने किया तथा संकल्प ममता कुमारी ने किया।

दामोदर नदी तट पर भू-आकृतिक अध्ययन, राधा गोविंद विवि के छात्रों ने किया फील्ड वर्क

रामगढ़ : राधा गोविंद विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा पीजी सेमेस्टर–1 (सत्र 2025–2027) के विद्यार्थियों के लिए दामोदर नदी क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। यह अध्ययन दामोदर नदी के अपरदन एवं निक्षेपण स्थलरूप विषय पर केंद्रित था। विभागीय व्याख्याताओं के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने नदी के प्रवाह तंत्र, अपरदन (एरसों) तथा निक्षेपण की प्रक्रियाओं का स्थल निरीक्षण कर व्यावहारिक अध्ययन किया। इस क्षेत्रीय अध्ययन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को नदी द्वारा निर्मित भू–आकृतिक संरचनाओं की वैज्ञानिक समझ प्रदान करना था। अध्ययन के दौरान छात्रों ने दामोदर नदी तट पर कटाव, बालू जमाव, मेण्डर निर्माण और अन्य स्थलरूपों का प्रत्यक्ष अवलोकन कर उनसे संबंधित तथ्य संकलित किए। विभागाध्यक्ष ने बताया कि इस प्रकार के फील्ड वर्क से विद्यार्थियों में शोधपरक दृष्टिकोण, विश्लेषण क्षमता तथा व्यावहारिक ज्ञान का विकास होता है, जो कक्षा शिक्षण से आगे की समझ प्रदान करता है। अध्ययन के उपरांत यह निष्कर्ष निकाला गया कि दामोदर नदी क्षेत्र में सक्रिय भू–आकृतिक प्रक्रियाएँ क्षेत्रीय विकास योजना, आपदा प्रबंधन तथा पर्यावरणीय संतुलन के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी. एन. साह ने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। इससे छात्रों की विषयगत समझ गहरी होती है और शोध के प्रति रुचि भी बढ़ती है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की सचिव प्रियंका कुमारी, कुलपति प्रो. (डॉ.) रश्मि, कुलसचिव प्रो. (डॉ.) निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. (डॉ.) अशोक कुमार तथा प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार ने भूगोल विभाग के विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों को सफल शैक्षणिक भ्रमण के लिए शुभकामनाएँ दीं।

भुरकुंडा में बेटियों को आत्मरक्षा का पाठ, कराटे चैंपियन आस्था सिंह दे रहीं निःशुल्क प्रशिक्षण

भुरकुंडा : बेटियों की सुरक्षा और आत्मविश्वास को मजबूत बनाने की दिशा में भुरकुंडा में एक सराहनीय पहल की गई है। कराटे प्रशिक्षिका आस्था सिंह द्वारा स्थानीय कुरसे स्थित राजकीय कन्या मध्य विद्यालय, शिव मंदिर परिसर में सप्ताह में तीन दिन छात्राओं को मार्शल आर्ट, जूडो एवं कराटे का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कराटे कोच कंचन दास की देखरेख में संचालित हो रहा है। ब्लैक बेल्ट तृतीय डान से सम्मानित आस्था सिंह छात्राओं को आत्मरक्षा की व्यावहारिक तकनीकों से अवगत करा रही हैं। उनका कहना है कि कराटे केवल आत्मरक्षा का माध्यम नहीं, बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक सशक्तिकरण और व्यक्तित्व विकास का भी प्रभावी साधन है। कोच कंचन दास ने आस्था की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उन्होंने खेलगांव में आयोजित राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक तथा एथलेटिक्स प्रतियोगिता की भाला फेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतकर झारखंड का नाम रोशन किया है। वर्तमान में आस्था विभिन्न विद्यालयों में छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देकर उन्हें सशक्त बना रही हैं। ए.एल. एंगलाइज सीबीएसई स्कूल की कक्षा 11वीं की छात्रा आस्था सिंह आज पतरातू प्रखंड ही नहीं, बल्कि पूरे रामगढ़ जिले की बेटियों के लिए प्रेरणा स्रोत बन चुकी हैं। आस्था ने अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरु कंचन दास और अपनी टीम को दिया, जिनके मार्गदर्शन में उन्होंने यह मुकाम हासिल किया।

डीआईजी ने चैनपुर पुलिस निरीक्षक कार्यालय का किया निरीक्षण

पलामू : पलामू क्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) किशोर कौशल ने बुधवार चैनपुर पुलिस निरीक्षक कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने चुनाव आयोग के निदेर्शों का अनुपालन करते हुए निकाय चुनाव निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण संपन्न कराने की दिशा में ठोस कदम उठाने के निर्देश दिया। असमाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने, अवैध शराब की बिक्री और परिवहन तथा अन्य प्रतिबंधित चीजों की आवाजाही पर रोक लगाने के लिए पूरी सख्ती बरतने, क्षेत्र में पेट्रोलिंग की व्यवस्था को तेज करने और रात्रि गस्ती में भी तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को लोगों से आपसी समन्वय स्थापित करने, उनकी समस्याओं से अवगत होने और समस्याओं का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। डीआईजी ने अपराध नियंत्रण के लिए पूरी तत्परता बरतने का निर्देश अधिकारियों को देते हुए कहा कि अपराध करने वाले अपराधी किसी भी सूरत में पुलिस गिरफ्त से बचना नहीं चाहिए।

एक नजर

मुफ्फसिल थाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर भेजा न्यायिक हिरासत

साहिबगंज: मुफ्फसिल थाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार मुफ्फसिल थाना कांड संख्या 16/26, दिनांक 16 फरवरी 26, धारा 96/ 3(5) बीएनएस के प्राथमिकी अभियुक्त सौरभ कुमार पासवान पिता छटू पासवान, साकिन बड़ी कोदरजन्ना, थाना मुफ्फसिल जिला साहिबगंज को पुलिस ने विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

स्कूली बच्चों की हुई स्वास्थ्य जांच

साहिबगंज: बोरियो प्रखंड के यूपीएस मोतीपहाड़ी मोमिन टोला में बुधवार को आरबीएसके के तहत बच्चों का स्वास्थ्य जांच किया गया। आयुष चिकित्सक डॉ. सुदामा साह एवं नेत्र सहायक देवेन्द्र कुमार ने 80 बच्चों का स्वास्थ्य जांच किया। नेत्र सहायक ने बताया कि बच्चों का वजन, नाक, कान एवं आंख की जांच की। मौके पर प्रधान शिक्षक मो. जाकिर उपस्थित थे।

चांद दिखा, रोजा आज से

साहिबगंज: मुस्लिम धर्मावलंबियों का पवित्र रमजान चांद देखने के साथ ही शुरू हो गया है। आज रमजान के महीने का पहला रोजा रखा गया। इसके पूर्व बुधवार की संध्या इमारत शरिया ने देश के कई हिस्सों में रमजान के चांद का दीदार किये जाने की तस्दीक की। हालांकि साहिबगंज में कहीं से भी चांद के दीदार की कोई खबर नहीं आयी। इधर इमारत शरिया के मुल्क के कई हिस्सों में चांद देखे जाने की तस्दीक के बाद सभी मस्जिदों से इसका एलान कर एक दूसरे को रमजान की मुबारकबाद पेश की गई। कुलीपाड़ा मस्जिद के पेश इमाम हाफिज अबरार हुसैन ने बताया कि रमजान का महीना तीन अशरों में बंटा है। पहला अशरा रहमत, दूसरा अशरा मगफिरत व तीसरा अशरा आग से छुटकारे का है। रमजान के महीने में सभी बुराइयों को छोड़ रब की इबादत का हुक्म है।

लिव इन रिलेशन संस्कृति भारतीय सभ्यता के विपरीत : सुनील आनंद

पूर्वी सिंहभूम: आनंद मार्ग प्रचारक संघ के प्रचारक सुनील आनंद ने कहा है कि लिव इन रिलेशन संस्कृति भारतीय समाज और पारंपरिक विवाह व्यवस्था के लिए चुनौती बनती जा रही है। उन्होंने कहा कि समाज को इस प्रवृत्ति से बचाने के लिए हर व्यक्ति को व्यक्तिगत स्तर पर जागरूक होना होगा। संघ की ओर से शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूलों के बाहर अभिभावकों के बीच जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें भारतीय सभ्यता, संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों पर चर्चा की जा रही है। सुनील आनंद ने कहा कि लिव इन रिलेशन व्यवस्था में सबसे अधिक पीड़ित युवतियां होती हैं और इससे महिलाओं के शोषण की आशंका बढ़ती है। उन्होंने झारखंड में डायन प्रथा से होने वाली घटनाओं पर चिंता जताते हुए कहा कि किसी भी रूप में महिला उत्पीड़न समाज के लिए घातक है। उन्होंने धार्मिक संदर्भ देते हुए कहा कि भगवान शिव ने विवाह प्रथा को स्थापित कर महिलाओं को सामाजिक सम्मान दिलाया और एक व्यवस्थित समाज की नींव रखी। उनका कहना था कि जिस समाज में महिलाओं का सम्मान नहीं होता, उसका पतन निश्चित है, इसलिए पारिवारिक मूल्यों की रक्षा आवश्यक है।

डायन बताकर मां और नवजात को जिंदा जलाया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिम सिंहभूम जिले के कुमारडूंगी थाना क्षेत्र अंतर्गत कलाईया गांव में डायन होने का आरोप लगाकर 32 वर्षीय महिला और उसके दो माह के मासूम बच्चे को पेट्रोल छिड़क कर जिंदा जला दिया गया। इस वारदात में महिला का पति भी बुरी तरह झुलस गया, लेकिन वह किसी तरह अपनी जान बचाकर भाग निकला। घटना मंगलवार रात करीब नौ बजे की बताई जा रही है। जीवित बचे कोल्हान सिंकु (40) ने पुलिस को बताया कि वह अपनी दूसरी पत्नी ज्योति सिंकु, दो साल के बेटे और दो माह के नवजात के साथ घर में सो रहे थे। इसी दौरान गांव के ही रिश्तेदार राशिका बिरुवा ने घर के बाहर से आवाज लगाई। आवाज सुनकर वह पत्नी के साथ बाहर निकले, तभी उनकी पहली पत्नी जानी सिंकु भी बाहर आ गई। आंगन में पहले से ही करीब एक दर्जन महिला-पुरुष और बच्चे मौजूद थे। सभी ने ज्योति सिंकु पर डायन होने का आरोप लगाना शुरू कर दिया। कोल्हान सिंकु ने मामले को सुबह पंचायत में सुलझाने की बात कही, लेकिन भीड़ ने उनकी एक नहीं सुनी। आरोप है कि इसी दौरान पेट्रोल से भरा गैलन लाकर उन पर उंडेल दिया गया और माचिस से आग लगा दी गई। आग की लपटें उठते ही अफरा-तफरी मच गई। कोल्हान सिंकु किसी तरह जलते हुए वहां से भाग निकले। रास्ते में उन्होंने अपने जलते कपड़े उतार दिए और निर्वस्त्र हालत में थाना पहुंचकर मदद मांगने की कोशिश की, लेकिन रात होने के कारण थाना का दरवाजा नहीं खुला। इसके बाद वह एक रिश्तेदार के घर शरण लेकर रात गुजारी। बुधवार सुबह उन्होंने दोबारा थाना पहुंचकर घटना की जानकारी दी। पुलिस ने तत्काल उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया और गांव पहुंचकर महिला तथा नवजात के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस जघन्य वारदात में एक ही परिवार के करीब दस लोग शामिल थे। पुलिस ने कई लोगों से पूछताछ की है और सभी संदिग्धों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।कुमारडूंगी थाना रंजीत उरांव ने बताया कि चार आरोपित को पकड़ लिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

चलंत लोक अदालत में लोगों की समस्याओं का हुआ समाधान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : जिला विधिक सेवा प्राधिकार, चाईबासा की पहल पर टोंटो प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में बुधवार को चलंत लोक अदालत का आयोजन किया गया। न्याय आपके द्वार अभियान के तहत आयोजित इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों को सुलभ, त्वरित और किफायती न्याय उपलब्ध कराना रहा। कार्यक्रम का आयोजन जिला एवं सत्र न्यायाधीश मोहम्मद शाकिर के मार्गदर्शन और विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव रवि चौधरी के निर्देशन में किया गया। शिविर में टोंटो प्रखंड और आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और अपनी समस्याएं लोक अदालत के समक्ष रखीं। आपसी सहमति और समझौते के आधार पर मामलों के निष्पादन पर विशेष बल दिया गया। चलंत लोक अदालत में पारिवारिक विवाद, भूमि संबंधी प्रकरण, बैंक ऋण विवाद, आपसी झगड़े और अन्य दीवानी मामलों की सुनवाई की गई। कई मामलों का मौके पर ही निपटारा कर संबंधित पक्षों को राहत दी गई। उपस्थित लोगों को निःशुल्क विधिक परामर्श प्रदान किया गया और उन्हें कानूनी अधिकारों और उपलब्ध सरकारी विधिक सहायता योजनाओं की जानकारी भी दी गई। शिविर में पैनल अधिवक्ता प्रमोद कुमार प्रसाद ने कानून से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी और पक्षकारों को समझौते के माध्यम से विवाद सुलझाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में पीएलवी सदस्य सुरज ठाकुर, रविकांत ठाकुर और संजय निषाद ने ग्रामीणों को लोक अदालत की प्रक्रिया समझाने के साथ-साथ आवश्यक दस्तावेजी प्रक्रिया में सहयोग किया।

करियर काउंसलिंग पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : बरहेट प्रखंड में बुधवार को प्रखंड क्षेत्र के भोगनाडीह स्तिथ जिला स्कूल परिसर में डायट की और से कैरियर काउंसलिंग के तहत एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित किया गया। कार्यशाला में उत्क्रमित मध्य विद्यालय भोगनाडीह के अष्टम वर्ग के 40 तथा जिला स्कूल से नवम वर्ग के 35 छात्र/छात्राओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में कैरियर काउंसलिंग विषय पर बच्चों को जागरूक सह कार्यशाला आयोजित हुई। इसमें डायट प्रभारी हीरा सरिता टुडू ने उपस्थित विद्यार्थियों को बताई कि करियर काउंसलिंग आज के समय में बहुत उपयोगी हो गई है। 10वीं करते समय बहुत से स्टूडेंट कन्फ्यूज होते हैं। वह समझ नहीं पाते कि भविष्य में किस विषय की पढ़ाई करें। आट्र्स विषयों से पढ़े या विज्ञान विषयों से, कॉमर्स विषय से अध्ययन करें या कोई विशेष ट्रेनिंग, डिग्री, डिप्लोमा करें। बहुत बार देखा गया है कि मां बाप अपनी इच्छाओं को बच्चों पर थोपते हैं। वे बच्चों को कुछ और बनाना चाहते हैं जबकि बच्चे कुछ और बनना चाहते है। इन सारी चीजों को लेकर एक भारी कंफ्यूजन की स्थिति बन जाती है। इस कंफ्यूजन को दूर करने के लिए करियर काउंसलिंग जैसे कार्यशाला का आयोजन किया गया है। जिसमें छात्रों की रूचि और योग्यता के अनुसार काउंसलर उन्हें सही कोर्स के बारे में बताता है। यह भी बताता है कि कौन सा कोर्स किस बच्चे के लिए अच्छा होगा। इस दौरान बच्चों को अपना लक्ष्य निर्धारित कर अध्ययन करने के बारे में बारीकी से समझाया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डायट प्रभारी हीरा सरिता टुडू, डायट संकाय सदस्य मो. समसाद आलम, जिला स्कूल के प्रभारी दिलीप मुर्मू, जिला स्कूल के सहायक शिक्षक बबली बासकी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

महेशपुर लूटकांड का पुलिस ने किया उद्भेदन, हथियार सहित दो गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के महेशपुर थानान्तर्गत विगत दिनांक 16.02.2026 को रात्रि करीब 08:00 बजे ग्राम-महेशपुर सिनेमा हॉल के सामने फ्यूजन माइक्रो फाइनेंस के सामने वाले गली में हथियार से सिर पर वार कर जख्मी करके अनुप कुमार भगत के पास से करीब तीन लाख चालीस हजार रुपये से भरा बैग छीनकर भागने के आरोप में महेशपुर थाना कांड सं0-16/2026, दिनांक 16.02.2026 धारा-309 (6) बी०एन०एस० अंकित किया गया। तत्पश्चात महेशपुर पुलिस द्वारा तत्परता के साथ त्वरित कार्रवाई करते हुए अपराधकर्मियों का पीछा किया गया तथा उक्त घटना की सूचना एवं अपराधियों का हुलिया, मोटर साइकिल विवरणी आदि की जानकारी सीमावर्ती थानों को देते हुए एन्टी क्राइम चेंकिग किया गया। वहीं कांड की गंभीरता को देखते हुए त्वरित उभेदन हेतु पुलिस अधीक्षक, पाकुड़ निधि द्विवेदी द्वारा अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी महेशपुर के नेतृत्व में विशेष अनुसंधान दल का गठन किया गया। उक्त गठित दल के द्वारा घटना में संलिप्त अपराधकर्मियों के संबंध में लगातार आसूचना संकलित की गयी इसी क्रम में दिनांक 17.02.2026 को थाना प्रभारी, कांठीकुंड द्वारा सूचना प्राप्त हुई की कल रात रोड दुर्घटना में दो लड़का घायल हुआ था जो यहाँ अस्पताल में इलाजरत है, उक्त दोनों लड़को का हुलिया घटना में संलिप्त अपराधकर्मियों से मिलता है। उक्त प्राप्त के सत्यापन/अग्रतर कार्रवाई हेतु रक्ष्छ दल के सदस्य सशस्त्र बल के साथ अस्पताल पहुँचे एवं पुछताछ किये। पुछताछ के दौरान उक्त दोनों अपराधकर्मियों द्वारा अपना अपराध स्वीकार किया गया। अपराधकर्मियों के बयान एवं निशानदेही के आधार पर कांड में लूटे गये राशि तथा प्रयोग किये गये पिस्टल को महेशपुर थाना अन्तर्गत डुमरघट्टी से जप्त किया गया तथा दोनो अभियुक्तों को विधिवत गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम पता

मनोरंजन कुमार, उम्र करीब 20 वर्ष, पे०-दिगम्बर राउत, सा० ठाड़ीलपरा, थाना-सोनारायठारी, जिला-देवघर। लालु यादव, उम्र करीब 19 वर्ष, पे०-कीर्तन यादव, पता-विशनुडीह, थाना बेंगाबाद, जिला-गिरीडीह।

जब्त किये गये समान

9 एम०एम० पीस्टल, नगद राशि करीब दो लाख अड़सठ हजार चार सौ अस्सी (2.88.480/-) रुपये, कांड में प्रयुक्तः हीरो मोटर साइकिल रजि० नं0 JH11 AR 3827 दो VIVO मोबाईल, एक सफेद रंग का गमछा खुन लगा।

महिला से सोने की चेन की छिनतई

पूर्वी सिंहभूम : साकची थाना क्षेत्र के काशीडीह लाइन नंबर दस में बुधवार की सुबह पूजा करने जा रही एक महिला से बाइक सवार दो अज्ञात अपराधियों ने सोने की चेन छीन ली और फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़िता अनिता चौधरी ने पुलिस को बताया कि वह काशीडीह लाइन नंबर दस स्थित अपने घर से सुबह घर के पीछे स्थित गणेश मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए जा रही थीं। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में एक बाइक पर सवार दो युवक आए। जब तक वह कुछ समझ पातीं, पीछे बैठे युवक ने उनके गले से सोने की चेन झपटा मारकर छीन ली। घटना इतनी तेजी से हुई कि वह शोर भी नहीं मचा सकीं और दोनों अपराधी बाइक से फरार हो गए। बताया जा रहा है कि छीनी गई चेन का वजन लगभग एक तोला है। वारदात के बाद स्थानीय लोग घटनास्थल पर जुट गए और पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की है और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

चांद शहर के मजदूर का पार्थिव शरीर कोलकाता एयरपोर्ट से एंबुलेंस द्वारा उनके पैतृक आवास लाया, घर के बाहर उमड़ी लोगों की भीड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राधानगर थाना क्षेत्र के चांद शहर पंचायत के प्रवासी श्रमिक की सोमवार को मुंबई शहर में विवाद के दौरान हुई हत्या के दो दिन बाद बुधवार को मजदूर का पार्थिव शरीर कोलकाता एयरपोर्ट से एंबुलेंस द्वारा उनके पैतृक आवास लाया गया। पार्थिव शरीर को देखने के लिए मृतक के घर के बाहर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी और जैसे ही शव को उतारा गया, परिजनों की चीख पुकार ने माहौल को गमगीन बना दिया। पत्नी और छोटे-छोटे बच्चों की सिसकियों ने हर किसी को झकझोर दिया। जानकारी के अनुसार मृतक बिपुल कर्मकार पिछले कुछ महीने पूर्व रोजगार की तलाश में मुंबई शहर गया था। वे मुंबई शहर के मस्जिद बंदर में रहकर शूटिंग सेट पर मजदूरी का काम करते थे और उसी कमाई से अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। घर की आर्थिक जिम्मेदारी पूरी तरह उन्हीं के कंधों पर थी। बीते सोमवार को मुंबई के मस्जिद बंदर क्षेत्र में एक दुकान के समीप बिपुल कर्मकार का पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के एक युवक से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। विवाद के दौरान वे घायल हो गए। साथियों ने उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

घटना की खबर गांव पहुंचते ही परिजनों पर मानो दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था।

मानवता की मिसाल बने साथी

मुंबई में उनके साथ रह रहे बंटी शेख और तमिरुल इस्लाम ने विपरीत परिस्थितियों में इंसानियत की मिसाल पेश की। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से सहयोग की अपील की और कम समय में करीब एक लाख रुपये की राशि इकट्ठा कर ली। इसी सहयोग से पार्थिव शरीर को हवाई मार्ग से कोलकाता एयरपोर्ट लाया गया, जहां से एंबुलेंस द्वारा चांद शहर स्थित उनके पैतृक आवास पहुंचाया गया। स्थानीय लोग इन युवकों की सराहना कर रहे है। गांव में अंतिम दर्शन के लिए लोगों का तांता लगा रहा। ग्रामीणों ने प्रशासन से मृतक परिवार को आर्थिक सहायता व सरकारी मुआवजा देने की मांग की है। हिंदू रीति रिवाज के अनुसार शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

मतदान दल पदाधिकारियों का अंतिम प्रशिक्षण संपन्न

पाकुड़ : ज़िले में नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 के सफल, स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संचालन को सुनिश्चित करने हेतु बुधवार को बाजार समिति परिसर, पाकुड़ में मतदान दल के पदाधिकारियों का अंतिम प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान मतदान प्रक्रिया के प्रत्येक चरण को बार–बार समझना एवं दोहराना आवश्यक है, ताकि मतदान के दिन किसी प्रकार की त्रुटि न हो। उन्होंने निर्देश दिया कि बैलेट पेपर के उपयोग, मतपेटी की तैयारी, मतदान सामग्री के सुरक्षित संधारण तथा निर्धारित प्रक्रिया का पूरी सावधानी से पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्र पर सभी आवश्यक सामग्री पूर्व से उपलब्ध रहेगी और मतदान कर्मी निर्धारित दिशा–निर्देशों के अनुरूप ही कार्य करें। केंद्र पर व्यवस्था बनाए रखने, सुरक्षा प्रबंधन सुनिश्चित करने तथा अनावश्यक भीड़ या व्यवधान से बचने पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। साथ ही सभी कर्मियों को अपने मोबाइल नंबर उपलब्ध रखने तथा आपसी समन्वय बनाए रखने का निर्देश दिया गया, ताकि किसी भी स्थिति में त्वरित संपर्क संभव हो सके और निर्वाचन प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न हो।

डीसी ने नगर पालिका चुनाव 2026 को लेकर मतगणना प्रक्रिया का डेमोंस्ट्रेशन कराया

साहिबगंज : जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–डीसी हेमंत सती ने समाहरणालय परिसर में नगर पालिका चुनाव 2026 के सफल एवं निष्पक्ष संचालन को लेकर मतगणना प्रक्रिया का विस्तृत डेमोंस्ट्रेशन कराया। डेमोंस्ट्रेशन का उद्देश्य मतगणना कार्य में संलग्न पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्धारित प्रक्रिया, पारदर्शिता एवं सतर्कता के मानकों से अवगत कराना था। इस दौरान मतपत्रों की गणना, अमान्य मतों की पहचान, परिणाम संधारण, प्रपत्रों के संधारण तथा सुरक्षा मानकों के अनुपालन संबंधी बिंदुओं पर चरणबद्ध जानकारी दी गई। डीसी ने निर्देश दिया की मतगणना कार्य पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं विधि सम्मत तरीके से संपन्न कराया जाए। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्वाचन आयोग के दिशा–निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मौके पर अपर समाहर्ता–सह–निवार्ची पदाधिकारी साहिबगंज गौतम भगत, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुनू कुमार मिश्रा एवं मास्टर ट्रेनर्स उपस्थित थे। सभी पदाधिकारियों ने मतगणना प्रक्रिया को गंभीरता एवं सजगता के साथ संपन्न कराने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

जिला कृषि पदाधिकारी ने किया रेलवे माल गोदाम का निरीक्षण

साहिबगंज: जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का ने साहिबगंज में उर्वरक की रेक लगे इसके लिए रेलवे माल गोदाम का निरीक्षण किया। साथ ही रेलवे गोदाम को बारीकी से देखा। इसके बाद उर्वरक रखने के गोदाम की भी वस्तु स्थिति की जानकारी लिया। निकट भविष्य में साहिबगंज जिला के लिए उर्वरक किसान को उपलब्ध हो इसके लिए पहल की जा रही है।

उधवा के दो परीक्षा केंद्रों में इंटरमीडिएट की परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में हुई

साहिबगंज: जैक द्वारा आयोजित इंटरमीडिएट परीक्षा बुधवार को उधवा के दो परीक्षा केंद्रों में शांतिपूर्ण वातावरण में परीक्षा हुई। द्वितीय पाली में हिंदी ए (कोर) व अंग्रेजी ए (कोर) विषय की परीक्षा हुई।जानकारी के अनुसार प्लस टू उच्च विद्यालय उधवा के केंद्राधीक्षक नुसरत जहां ने बताया कि दोनों विषयों में कुल 350 परीक्षार्थी उपस्थित हुए जबकि 1 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं स्वामी विवेकानंद उच्च विद्यालय श्रीधर दियारा के केंद्राधीक्षक गौर चंद्र मंडल ने बताया कि दोनों विषयों में कुल 483 परीक्षार्थी उपस्थित हुए जबकि 5 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। मौके पर दंडाधिकारी मनोज मंडल, शिवेंद्र कुमार, शिक्षक नईम अख्तर, आकिब जावेद सहित अन्य मौजूद थे।

टाटा पावर ने किया ईजी होम ऑटोमेशन को लॉन्च

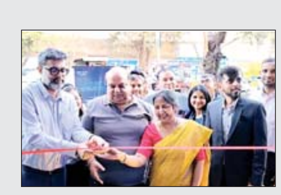

पूर्वी सिंहभूम: टाटा पावर ने जमशेदपुर में अपने ईजी होम सोल्यूशन को लॉन्च कर शहर के घरों को स्मार्ट, सुरक्षित और ऊर्जा–कुशल बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। बिष्टुपुर स्थित एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में कंपनी के झारखंड हेड अभिषेक कुमार, ईजी होम प्रोजेक्ट लीड नेहा श्रीवास्तव और सेल्स मैनेजर राहुल सिंह मौजूद थे। कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि ईजी होम सोल्यूशन के जरिए उपभोक्ता एक ही ऐप से लाइटिंग, क्लाइमेट कंट्रोल, सुरक्षा और ऊर्जा प्रबंधन को नियंत्रित कर सकेंगे। इस सिस्टम में स्मार्ट सॉकेट, टच–पैनल स्विच, मोशन सेंसर और रेट्रोफिटेबल कन्वर्टर्स जैसे आधुनिक उपकरण शामिल हैं, जो पुराने घरों में भी बिना तोड़–फोड़ के आसानी से लगाए जा सकते हैं। अभिषेक कुमार ने कहा कि सही उपयोग और ऑटोमैटिक शेड्यूलिंग से घरों में सालाना 15 से 20 प्रतिशत तक बिजली की बचत संभव है।

बिहार में आरक्षण बढ़ाने के लिए राजद ने बताया नीतीश सरकार को रास्ता, विधानसभा में विपक्ष का हंगामा

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल ने दूसरे राज्यों का हवाला देते हुए एक बार फिर बिहार की नीतीश कुमार सरकार को आरक्षण के मुद्दे पर घेरा है। राजद विधायक ने विधानसभा में सरकार को बताया कि आरक्षण कैसे बढ़ाया जा सकता है। बिहार में सर्वे बताकर किए गए जातीय जनगणना को लेकर अब तब हंगामा मच ही रहा है। उसी आधार पर आरक्षण बढ़ाया गया था, जिसपर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा रखी है। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन मुद्दे पर बुधवार को विधानसभा में लालू प्रसाद यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल ने एक बार फिर राज्य की नीतीश कुमार सरकार को घेर लिया। इतना ही नहीं, यह भी बता दिया कि बिहार में आरक्षण बढ़ाने के लिए उसे कैसे-क्या करना होगा? सदन में राजद विधायक रणविजय साहू ने राष्ट्रीय जनता दल और महागठबंधन को लेकर क्या कहा? आए जानते हैं... राजद विधायक ने तमिलनाडु का उदाहरण दिया बिहार विधान सभा के बजट सत्र में बुधवार को राजद विधायक रणविजय साहू ने कहा कि महागठबंधन सरकार ने राज्य की 13.7 करोड़ आबादी की जाति आधारित गणना के आधार पर आरक्षण की सीमा बढ़ाकर 65 प्रतिशत कर दी थी।उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में पिछले 35 वर्षों से आरक्षण की सीमा 69 प्रतिशत है और उस समय केंद्र सरकार ने इसे संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल कर संरक्षण प्रदान किया था। लेकिन बिहार में आरक्षण की सीमा बढ़ाने संबंधी कानून को न्यायिक बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि केंद्र सरकार ने इसे नौवीं अनुसूची का संरक्षण नहीं दिया। केंद्र सरकार पर दबाव बनाने की सलाह दी रणविजय साहू ने मांग की कि सरकार पूर्व निर्धारित सभी कार्यक्रमों को स्थगित कर गरीबों और वंचितों के हितों की रक्षा के लिए एक सशक्त समिति का गठन करे। यह समिति तय समय-सीमा के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करे। रिपोर्ट के आधार पर सरकार नया विधेयक लाकर उसे पारित कराए। साथ ही, केंद्र सरकार पर दबाव बनाया जाए कि बिहार की बढ़ी हुई आरक्षण सीमा को भी नौवीं अनुसूची में शामिल किया जाए। विधानसभा अध्यक्ष द्वारा बैठने का निर्देश दिए जाने के बावजूद विपक्ष के विधायक वेल में पहुंच गए और नारेबाजी करने लगे। वह आरक्षण की सीमा बढ़ाने की मांग पर अड़े रहे, जिसके चलते सदन में कुछ देर तक हंगामा होता रहा।

मुंगेर में 7 फीट ऊंची दीवार फांदकर सेंटर में घुसा:एंट्री नहीं मिलने पर छात्रा ने किया सुसाइड

पटना (एजेंसी)। पटना बिहार मैट्रिक (10वीं) परीक्षा का आज दूसरा दिन है। दोनों पालियों में गणित (मैथ्स) की परीक्षा आयोजित की जा रही है। पहली पाली की परीक्षा शुरू हो चुकी है। मुंगेर के मॉडल स्कूल परीक्षा केंद्र पर गेट बंद हो जाने के बाद 7 फिट ऊंची दीवार फांदकर छात्र सेंटर में घुस गया। राज्यभर के 1699 परीक्षा केंद्रों पर करीब 15 लाख छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। भागलपुर में एंट्री के दौरान एक दिव्यांग परीक्षार्थी को पुलिसकर्मियों ने गोद में उठाकर परीक्षा केंद्र तक पहुंचाया। इधर, मसौढ़ी के खरजमा गांव की छात्रा कोमल कुमारी ने परीक्षा छूट जाने के बाद ट्रेन से कूदकर आत्महत्या कर ली। मंगलवार को बरनी स्थित केंद्र पर उसकी परीक्षा थी। बताया जा रहा है कि वह परीक्षा देने के लिए सोमवार को ही अपने रिश्तेदार के गांव महाराजचक गई थी। परीक्षा केंद्र बरनी में था, जो करीब 6 किलोमीटर दूर था। सुबह 9 बजे तक रिपोर्टिंग टाइम था, लेकिन वह 9:10 बजे केंद्र पहुंची। नियमानुसार गेट बंद कर दिया गया था। काफी कोशिशों के बावजूद जब प्रवेश नहीं मिला तो वह लौट आई। कुछ देर बाद वह नदौल पहुंची और ट्रेन में सवार हो गई। तरेगना और मसौढ़ी कोर्ट स्टेशन के बीच महाराजचक गांव के पास चलती ट्रेन से कूद गई। पुलिस उसे अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दरभंगा में एग्जाम से पहले तैयारी करती दिखीं छात्राएं। भागलपुर में एग्जाम से पहले छात्रा ने भाई से आशीर्वाद लिया। भागलपुर में दिव्यांग छात्रो को गोद में उठाकर पुलिस ने केंद्र तक पहुंचाया इस साल परीक्षा में करीब 15.12 लाख परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं, जिनमें छात्राओं की संख्या छात्रों से अधिक है। पहली पाली में लगभग 7.58 लाख और दूसरी में करीब 7.54 लाख परीक्षार्थी एग्जाम देंगे। बोर्ड की ओर से परीक्षार्थियों को सख्त निर्देश दिया गया है कि वे परीक्षा केंद्र पर जूता और मोजा पहनकर नहीं आएं। सुरक्षा जांच को आसान बनाने के लिए यह नियम लागू किया गया है।

ईशान किशन की हाइट क्या है, गर्लफ्रेंड कौन':गूगल पर पाकिस्तान में 3 दिन से यही सर्चिंग, बोले- 5 फीट का लड़का टीम

पटना (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप में भारत ने पाकिस्तान को 61 रनों से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले में ईशान किशन ने 40 गेंदों में 77 रनों की पारी खेली। उनकी पारी में 10 चौके और 3 छक्के शामिल रहे, जिसने मैच का रुख पूरी तरह भारत की ओर मोड़ दिया। इस मुकाबले की चर्चा सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान में भी खूब हुई। खासकर ईशान किशन की बल्लेबाजी की जमकर तारीफ की गई। इतना ही नहीं जब ईशान बैटिंग कर रहे थे, उस दौरान से लेकर अब तक पाकिस्तान में गूगल पर सबसे ज्यादा उन्हें सर्च किया जा रहा है। गूगल ट्रेंड्स के मुताबिक, मैच के दौरान और उसके बाद ह्यईशान किशन की उम्रह्न, बैकग्राउंड ह्यहाइटह्न, ह्यगर्लफ्रेंड/वाइफ, ह्यफैमिलीह्न और ह्नरिलीजन' जैसे कीवर्ड्स तेजी से ट्रेंड कर रहे हैं। यहां तक ईशान किशन की संपत्ति कितनी है और ह्यउनकी नेटवर्थ क्या ह जैसे सवालों के जवाब भी जमकर खोजे गए। सोशल मीडिया पर उनकी बल्लेबाजी को लेकर कई सकारात्मक प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। पाकिस्तान के यूजर्स ने ईशान किशन की बल्लेबाजी की जमकर तारीफ की। एक यूजर ने लिखा, ह्नसवा 5 फीट का लड़का पूरी टीम पर भारी पड़ गया ह्न गूगल ट्रेंड्स के मुताबिक, पाकिस्तानी यूजर्स में उनकी निजी जिंदगी को लेकर भी दिलचस्पी दिखी, जिसके बाद ईशान की पर्सनल लाइफ को लेकर सर्च किया गया। गूगल ट्रेंड्स के मुताबिक, पाकिस्तानी यूजर्स में उनकी निजी जिंदगी को लेकर भी दिलचस्पी दिखी, जिसके बाद ईशान की पर्सनल लाइफ को लेकर सर्च किया गया। गूगल पर सर्च- ईशान किशन की गर्लफ्रेंड कौन? गूगल ट्रेंड्स के अनुसार ह्यईशान किशन की गर्लफ्रेंड कौन है?ह्न यह सवाल खूब ट्रेंड करता रहा। हाल ही में दैनिक भास्कर से बातचीत में ईशान के दादा राम अनुग्रह पांडेय ने जयपुर की मॉडल अदिति हुंडिया का नाम बताया था। कहा था कि ईशान की पसंद, हमारी पसंद है। उनकी पारी का असर सिर्फ मैदान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सरहद पार भी लोग उनकी प्रोफाइल और निजी जिंदगी के बारे में जानने को उत्सुक दिखे। ईशान की गर्लफ्रेंड अदिति हुंडिया हैं। वे पेशे से मॉडल हैं और जयपुर की रहने वाली हैं। ईशान की गर्लफ्रेंड अदिति हुंडिया हैं। वे पेशे से मॉडल हैं और जयपुर की रहने वाली हैं। शोएब अख्तर ने कहा- मैच के हीरो ईशान किशन ईशान के शानदार प्रदर्शन की वजह से इंडिया टीम ने पाकिस्तान को 61 रन से हरा दिया था। टूर्नामेंट के इतिहास में यह भारत की पाकिस्तान पर रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत थी। ईशान की इस जोरदार पारी की चर्चा पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में खूब हुई। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तर भी ईशान किशन की बैटिंग के मुरीद हो गए। उन्होंने कहा- इस बात को स्वीकार करना पड़ेगा कि जहां इतने बल्लेबाज संघर्ष कर रहे थे, वहां ईशान ने कमाल का खेल दिखाया।

पवन सिंह का बढ़ सकता है कद, हरिवंश रिपीट हो सकते हैं; कुशवाहा खुद को कैसे सेट करेंगे

पटना (एजेंसी)। भारत निर्वाचन आयोग ने राज्यसभा में 37 सीटों के चुनाव की तारीखों का एलान कर दिया है।चुनाव आयोग ने चुनावों के लिए 26 फरवरी को नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। 16 मार्च को सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक मतदान होगा और उसी दिन शाम पांच बजे से मतगणना की जाएगी। 9 अप्रैल को बिहार के 5 राज्यसभा सांसदों का कार्यकाल खत्म हो रहा है, जिनमें अमरेंद्र धारी सिंह, प्रेमचंद गुप्ता, उपेंद्र कुशवाहा, रामनाथ ठाकुर और हरिवंश नारायण सिंह शामिल हैं। राज्यसभा चुनाव में 1 सीट के लिए इस बार कम से कम 41 विधायकों के समर्थन की जरूरत होगी। दरअसल इसके लिए फॉर्मूला ये है कि जितनी सीटों पर चुनाव होना है, उनमें एक जोड़कर इसे विधानसभा की कुल सीटों से डिवाइड किया जाता है। इस लिहाज से विधानसभा की कुल 243 सीटों को 6 से भाग दिया जाए तो 40.5 आता है यानि कि 41 विधायक। पटना के बांकीपुर के विधायक व पूर्व मंत्री नितिन नवीन अब बीजेपी के शीर्ष नेता हैं। उन्हें बीजेपी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। दरअसल, नितिन नवीन के राज्यसभा नहीं जाने की चर्चा को बल उनको दिल्ली में मिले बंगले से मिल रही है। दिल्ली के श्वह्न इलाके में 1 मोतीलाल नेहरू मार्ग पर टाइप-8 सरकारी आवास दिया गया है। केंद्र सरकार के आवास का अलॉटमेंट डायरेक्टरेट ऑफ एस्टेट के नियमों के तहत होता है। डायरेक्टरेट ऑफ एस्टेट के नियमों के मुताबिक, किसी राष्ट्रीय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को, यदि वह केंद्रीय मंत्री, लोकसभा सांसद या राज्यसभा सांसद नहीं है, तो टाइप-8 बंगला दिया जाता है। नितिन नवीन अभी बिहार में विधायक हैं और वह इस मानक पर पूरी तरह फिट बैठते हैं।वह अप्रैल में इस बंगले में शिफ्ट होंगे। इसी समय बिहार की 5 सहित राज्यसभा की 71 सीटों पर चुनाव होगा। इसका मतलब हुआ कि वह राज्यसभा नहीं जा रहे हैं। भोजपुरी सिंगर पवन सिंह को भाजपा दे सकती है बड़ा इनाम? बीजेपी नेता फिलहाल इस सवाल को बहुत जल्द पूछा गया बता रहे हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान पवन सिंह और बीजेपी का रिश्ता बिगड़ गया था। विधानसभा चुनाव 2025 से पहले वह भाजपा में शामिल हुए। पार्टी के लिए धुआंधार प्रचार किया। ऐसे में ये तय माना जा रहा है कि पार्टी उन्हें कोई बड़ा पद देकर इनाम दे सकती है। चुनाव से ठीक पहले बीजेपी के सीनियर लीडर और सांसद मनोज तिवारी ने कहा था, 'पवन सिंह के लिए सबकुछ तय है। हालांकि न पार्टी नेता और न पवन सिंह इस पर अभी तक कुछ भी स्पष्ट बोले हैं।ह्न जदयू के जिन दो नेताओं का कार्यकाल पूरा हो रहा है, उनमें राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह और केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर का नाम है। दोनों पार्टी के सीनियर लीडर हैं। नीतीश कुमार के करीबी माने जाते हैं। पार्टी की तरफ से दोनों को दो-दो बार राज्यसभा भेजा जा चुका है। नीतीश कुमार ने दो बार से ज्यादा किसी नेता को बहुत कम बार राज्यसभा भेजा है

बम से उड़ाने की धमकी मामले में टीम गठित:रोज सुबह के वक्त कोर्ट में सर्च ऑपरेशन

पटना (एजेंसी)। पटना सिविल कोर्ट को लगातार बम से उड़ने की धमकी मिलने के बाद अब पुलिस रोज सुबह के वक्त कोर्ट में सर्च ऑपरेशन चला रही है। सुबह 7:00 से लेकर कोर्ट खुलने से पहले तक पूरे परिसर को सेनीटाइज कर दिया जा रहा है। यह कदम एहतियातन बराबर मिल रही धमकी के बाद उठाया गया है। धमकी भरे मेल को लेकर अळर ने अपने बयान पर केस रजिस्टर्ड किया था। इसकी भी जांच अब शुरू हो गई है। डीएसपी रैंक के पदाधिकारी इसकी मॉनीटरिंग कर रहे हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित टाउन डीएसपी राजेश रंजन ने बताया कि, आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई है। इसमें थाने से भी तकनीकी सहायता ली जा रही है। दो तीन बार फिर से धमकी आई है, लेकिन पुलिस अलर्ट है। इस तरह की धमकी से कोर्ट का काम जो प्रभावित हो रहा था, वो अब नहीं होने वाला है। कोर्ट परिसर की सुरक्षा हर तरह से चाक चौबंध टाउन डीएसपी के मुताबिक, पटना सिविल कोर्ट परिसर की सुरक्षा हर तरह से चाक चौबंध कर दी गई है। सुबह के वक्त पिरबहोर थाने की पुलिस की मौजूदगी में पूरे परिसर की तलाशी लेने के बाद कोर्ट परिसर की सुरक्षा में तैनात कर्मियों को हैंड ओवर किया जा रहा है। उन्हें प्रॉपर जांच के लिए सख्त हिदायत दी गई है। पटना कोर्ट में अब तक 7 बार काम प्रभावित अब तक सात बार से अधिक इस तरीके के धमकी वाले मेल आ चुके हैं। इससे पहले जब भी मेल आता था,

दरभंगा में महिला से 50 हजार की छिनतई:बैंक से की थी निकासी, बेटे के साथ बाइक से जा रही थी घर

दरभंगा (एजेंसी)। दरभंगा के अलीनगर थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े एक महिला से 50 हजार रुपए की छिनतई की गई है। अलीनगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा कि ग्राम तुलापट्टी निवासी पानदाय देवी 16 फरवरी को दोपहर लगभग 2:30 बजे Punjab Nationa' इंल्ल', अलीनगर शाखा से अपने खाते से 50 हजार रुपए की निकासी कर बेटे के साथ बाइक से घर लौट रही थीं। इसी दौरान छोटी मस्जिद, अलीनगर के पास बाइक सवार 2 अज्ञात युवकों ने उनकी गाड़ी को रोकी। पीड़िता के अनुसार बदमाशों ने उनके हाथ से झोला छीन लिया, जिसमें 50 हजार रुपए नगद, आधार कार्ड और बैंक पासबुक रखी हुई थी। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी अलीनगर की ओर फरार हो गए। महिला ने पुलिस को बताया कि सामने आने पर वह आरोपियों की पहचान कर सकती हैं। आसपास के सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं अलीनगर थाना कांड संख्या 17/26 दिनांक 17 फरवरी 2026 को भारतीय न्याय संहिता की धारा 304/3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। कांड के अनुसंधान की जिम्मेदारी उपनिरीक्षक विकास मंडल को सौंपी गई है। थानाध्यक्ष रंजीत कुमार शर्मा ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और अपराधियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। पुलिस ने लोगों से बैंक से निकासी के बाद सतर्क रहने की अपील की है।

बिहार में हार के बाद अब बाहर पांव पसारने की तैयारी में राजद, नया लक्ष्य बताकर क्या बोले तेजस्वी

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव अपनी पार्टी को कहां ले जाना चाहते हैं, यह उन्होंने बता दिया है। उन्होंने राजद कार्यकर्ताओं को अपना लक्ष्य बताकर नया टास्क भी दे दिया है। तेजस्वी के इस नए लक्ष्य की चर्चा खूब हो रही है। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में महज 25 सीट पाने वाले तेजस्वी यादव पार्टी के विस्तार को लेकर बड़ा लान किया है। उन्होंने कहा कि अब राजद केवल बिहार तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि अन्य राज्यों में भी अपना आधार मजबूत करेगी। पार्टी का लक्ष्य राष्ट्रीय दल का दर्जा हासिल करना है। तेजस्वी यादव ने जननायक कपूर्री ठाकुर की 38वीं पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में यह एलान किया उन्होंने कहा कि मार्च से हम संगठन सुदृढ़ीकरण अभियान शुरू करेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने राजद को बिहार में मजबूत ताकत बनाया। अब हमें उनके काम को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय पार्टी बनने का लक्ष्य तय करना होगा। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अब तक पार्टी अन्य राज्यों में चुनाव मैदान में उतरने से परहेज करती रही, ताकि धर्मनिरपेक्ष वोटों का बंटवारा न हो और सहयोगी दलों को फायदा मिले। लेकिन, अब आने वाले समय में पार्टी बिहार के साथ-साथ अन्य राज्यों में भी अपने संगठन का विस्तार करेगी। तेजस्वी ने कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में हार इसलिए नहीं हुई कि पार्टी कमजोर थी, बल्कि परिस्थितियां प्रतिकूल थीं। हमारा समय जरूर आएगा। तेजस्वी ने बताया कि पिछले महीने उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। आप सभी के समर्थन से हमें राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत ताकत बनने से कोई नहीं रोक सकता। नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी निशाना साधा। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अचेत अवस्था में सरकार चला रहे हैं और उनकी सरकार प्रभावशाली नौकरशाहों तथा अपने सहयोगी दल भाजपा के इशारों पर कठपुतली की तरह काम कर रही है। मैंने कहा था कि सरकार के 100 दिन पूरे होने तक मैं चुप रहूंगा। चार दिन बाद यह समयसीमा पूरी हो जाएगी। इसके बाद हम चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा न करने को लेकर सरकार को जवाबदेह ठहराएंगे। कई घोषणाएं हमारी योजनाओं से प्रेरित थीं। तेजस्वी के इस बयान को आगामी राजनीतिक रणनीति और राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की सक्रियता के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

संक्षिप्त डायरी

मुजफ्फरपुर में छात्रा की हत्या से हड़कंप; युवक ने घर घुसकर मारी गोली

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। लड़की की हत्या के बाद सकरा थाना प्रभारी सह प्रशिक्षु डीएसपी शिवानी श्रेष्ठा ने हत्यारोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ चल रही है। उस पर घर घुसकर लड़की की हत्या का आरोप है। लड़की के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। मुजफ्फरपुर जिले के सकरा थाना क्षेत्र के सकरा वाजिद मंसूरपुर गांव में देर रात 16 वर्षीय छात्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। आरोप है कि इस वारदात को अंजाम गांव के एक युवक ने दी। इतना ही नहीं युवक ने लड़की की हत्या के बाद थाने में जाकर आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। डीजे की तेज आवाज का फायदा उठाकर वारदात को दिया अंजाम बताया जा रहा है

दरभंगा में अज्ञात वाहन ने पूर्व मुखिया को रौंदा, मौत

दरभंगा (एजेंसी)। दरभंगा जिले के कमतौल थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात सड़क हादसे में पूर्व मुखिया की मौके पर ही मौत हो गई। अज्ञात वाहन की टक्कर से 55 वर्षीय खुर्शीद आलम उर्फ नीलू की जान चली गई। मृतक की पहचान अहियारी दक्षिणी पंचायत के पूर्व मुखिया खुर्शीद आलम के रूप मे हुई। बताया गया कि खुर्शीद आलम दरभंगा से कमतौल अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात हाईवा ने टक्कर मार दी। चालक वाहन लेकर फरार हो गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर जुट गए और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस शव को कब्जे में लेने लगी, जिस पर ग्रामीणों ने आपत्ति जताई। ग्रामीणों का आरोप था कि परिजनों के पहुंचने से पहले ही पुलिस शव उठाकर ले जा रही थी। इसको लेकर लोगों में आक्रोश फैल गया और सड़क कर दिया। करीब 2 घंटे तक एसएच-75 पर आवागमन बाधित रहा। बाद में अधिकारियों के समझाने-बुझाने के बाद जाम हटाया गया। घटना एसएच-75 पर कर्जापट्टी चौक स्थित सल्हेश मंदिर के पास हुई। मृतक अपने पीछे 9 बेटे और 3 बेटियां छोड़ गए हैं। स्थानीय जिला परिषद प्रतिनिधि अशद हुसैन आजमी ने आरोप लगाया कि कर्जापट्टी चौक के पास वर्षों से जलजमाव की समस्या बनी हुई है। उन्होंने कहा कि करीब 4 साल पहले एक नाला बनाया गया था, लेकिन उसे तालाब तक नहीं जोड़ा गया, जिससे सड़क पर स्थायी जलजमाव रहता है।

बिहार में होली कब है-3 को या 4 मार्च को:2 तारीख को होलिका दहन

पटना (एजेंसी)। होली कब है? 3 मार्च या 4 मार्च। कब होलिका दहन होगा? होलिका दहन पर भद्रा का साया और खग्रास चंद्र ग्रहण के चलते होली पर्व की तारीखों पर क्या असर पड़ रहा है? इन सवालों ने कई लोगों को उलझा रखा है। ज्योतिष शास्त्रियों के अनुसार 2 मार्च को होलिका दहन पर भद्रा का साया पड़ रहा है। 3 मार्च को खग्रास चंद्र ग्रहण रहेगा। इसके चलते इस दिन होली मनाना शास्त्रों के अनुसार ठीक नहीं है। ग्रहण से 9 घंटे पहले सूतक काल शुरू हो जाएगा। इस दौरान शुभ कार्य नहीं किए जाते। इसलिए होली 4 मार्च को मनाई जाएगी। होलिका दहन की तिथि मिथिला और बनारसी दोनों पंचांग में 2 मार्च बताई गई है। फाल्गुन शुक्ल की पूर्णिमा दो दिन होने के चलते होलिका दहन के एक दिन बाद 4 मार्च को होली पर्व मनाया जाएगा। आचार्य राकेश झा ने बताया कि ज्योतिष शास्त्र के अनुसार होलिका दहन को लेकर शास्त्रों में तीन नियम बताए गए हैं। पहला पूर्णिमा तिथि, दूसरा भद्रा मुक्त काल और तीसरा रात्रि का समय होना चाहिए। भद्रा में श्रावणी कर्म और फाल्गुनी कर्म वर्जित है। 2 मार्च की रात में पूर्णिमा तिथि व मघा नक्षत्र में होलिका दहन होगा। 3 मार्च को सूर्योदयकालीन पूर्णिमा, स्नान-दान की पूर्णिमा, कुलदेवता को सिन्दूर अर्पण किया जाएगा। इस दिन आप कुलदेवता की पूजा कर सकते हैं।

ऑटो में ट्रैक्टर ने मारी टक्कर, महिला की मौत

दरभंगा (एजेंसी)। सिमरिया से गंगा स्नान कर घर लौट रही एक महिला की मंगलवार की सुबह सड़क हादसे में मौत हो गई। घटना भालपट्टी थाना क्षेत्र के मुरिया स्थित टाली गुमटी चौक पर हुई। ऑटो पर दाहिनी ओर बैठी महिला की कोहनी से विपरीत दिशा से आ रहे ट्रैक्टर की टक्कर हो गई, जिससे वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से जख्मी हो गईं। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतका की पहचान मधुबनी जिला के सकरी थाना क्षेत्र के नरपतनगर निवासी रमन मंडल की पत्नी रूपा देवी (42) के रूप में की गई है। मृतका के पति रमन मंडल ने बताया कि सोमवार को पत्नी के साथ गंगा स्नान करने सिमरिया गए थे। रात के कारण भालपट्टी थाना क्षेत्र के छोटाइपट्टी स्थित अपनी बहन के घर रुक गए थे।मंगलवार दोनों ऑटो से घर लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे ट्रैक्टर (इफ32ऋ 5641) ने टक्कर मार दी। रमन मंडल ने बताया कि वे लुधियाना में निजी नौकरी करते हैं और एक महीने पहले ही घर आए थे। घटना की सूचना पर भालपट्टी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रैक्टर को जब्त कर लिया।ऑटो चालक वाहन लेकर फरार हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए दरभंगा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेजा, जहां पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और फरार टेंपो चालक की तलाश की जा रही है।

रामचक बैरिया में कचरा प्रोसेसिंग की कैमरे से होगी मॉनिटरिंग

पटना (एजेंसी)। पटना में कचरे के प्रॉपर प्रोसेसिंग के लिए रामचक बैरिया में काम काफी तेजी से चल रहा है। आज नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने समीक्षा की। उन्होंने मॉनसून से पहले रामचक बैरिया में लेगेसी वेस्ट के निष्पादन का लक्ष्य तय किया है। उन्होंने 31 मई 2026 तक कूड़े के साइंटिफिक प्रोसेसिंग और डिस्पोजल का निर्देश दिया है। रामचक बैरिया में कार्यरत सभी एजेंसियों को उनके-उनके स्थल चिन्हित कर आवंटित कर दिए गए हैं। नगर आयुक्त ने एजेंसियों को निर्देशित किया कि वे तुरंत मैन फोर्स बढ़ाए। पूरे कार्य की प्रभावी निगरानी के लिए 5 सदस्यीय लेगेसी वेस्ट कमेटी का गठन किया गया है। कूड़े के साइंटिफिक प्रोसेसिंग के लिए विंड्रोज पद्धति अपनाई जा रही है, जो पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप है। इसके साथ ही सभी एजेंसियों को लेगेसी वेस्ट के प्रोसेसिंग और मटेरियल के सुरक्षित और वैज्ञानिक निस्तारण के संबंध में कड़े निर्देश जारी किए गए हैं। मौके पर कार्यरत तीन एजेंसियों में से दो एजेंसियों का काम असंतोषजनक पाए जाने पर उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है। यहां स्थापित सभी मशीनों के नजदीक सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इन कैमरों को इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (ICCC) तथा पटना नगर निगम के कंट्रोल रूम से जोड़ा जाएगा, जिससे कामों की 247 मॉनिटरिंग की जाएगी। मौसम परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए फायर हाइड्रेंट और बोरिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त कैमरे लगाने के भी निर्देश दिए गए हैं।

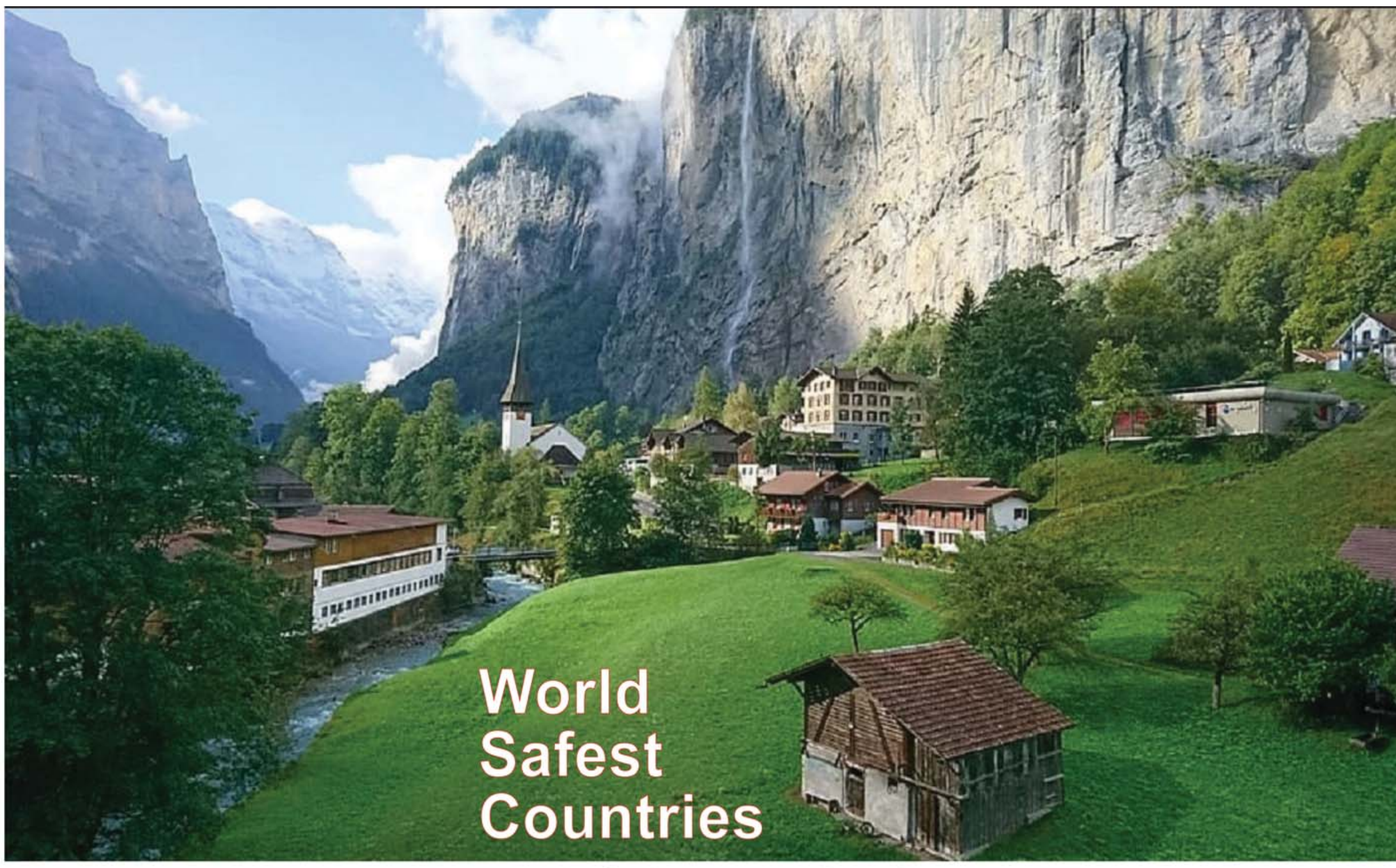

इन देशों में सुरक्षा की नहीं होगी चिंता, बेफिक्र होकर बनाएं घूमने का प्लान

कई लोग विदेश घूमने की इच्छा रखते हैं। विदेश घूमने के लिहाज से अधिकतर देश शानदार हैं। हालांकि विदेशों की खूबसूरती किसी भी टूरिस्ट के मन को आसानी से भा सकती है। लेकिन जब भी विदेश घूमने की बात आती है तो सबसे पहले हमारे दिमाग में यह आता है कि क्या वह जगह सुरक्षा के लिहाज से सही है। क्योंकि सेफ्टी हमारी फर्स्ट प्रायॉरिटी होती है। आज इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको कुछ ऐसे देशों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आपको सुरक्षा की चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। आइए जानते हैं कि वह कौन-कौन से देश हैं, जहां पर आप बेफिक्र होकर घूम सकते हैं।

आइसलैंड

आइसलैंड की आबादी 3,72,295 है। ग्लोबल पीस इंडेक्स के अनुसार, यह दुनिया का सबसे सुरक्षित देश हैं। बता दें कि यहां पर क्राइम रेट काफी कम है। इसके साथ ही यह हाई-सिक्योरिटी वाला देश भी है। सभी तरह के अपराधों के प्रति यहां के नागरिकों का एक मजबूत सामाजिक दृष्टिकोण है। यह देश धार्मिक स्वतंत्रता देने के साथ ही महिलाओम और पुरुषों को समान अधिकार देता है। अगर आप भी विदेश घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आइसलैंड सुरक्षित देश है।

न्यूजीलैंड

आपको बता दें कि न्यूजीलैंड की जनसंख्या 5,124,100 के आसपास है। यह देश भी घूमने और रहने के लिहाज से सुरक्षित है। यहां पर आप बेफिक्र होकर घूम सकते हैं। न्यूजीलैंड का भी क्राइम रेट कम है। हालांकि साल 2019 में क्राइस्टचर्च की दो मस्जिदों पर हुए आतंकवादी हमले के कारण यहां का क्राइम स्कोर थोड़ा कम हो गया है। यह पर आप सुरक्षा का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि न्यूजीलैंड में शांति वाले इलाके में पुलिस अपने पास हथियार भी नहीं रखती है।

पुर्तगाल

साल 2014 के अनुसार, पुर्तगाल दुनिया का 18वां सबसे सुरक्षित देश है। ऐसे में आप बिना सुरक्षा की चिंता किए बगैर यहां पर घूम सकते हैं। 10,270,865 के करीब आबादी वाला यह देश विभिन्न कारणों से सबसे सुरक्षित देशों में शीर्ष 5वां स्थान अर्जित किया है। बता दें कि आर्थिक विकास के कारण इस देश की बेरोजगारी दर 17 प्रतिशत से 7 प्रतिशत तक कम हो गई है।

आस्ट्रिया

26,177,413 के करीब जनसंख्या वाला देश आस्ट्रिया भी सुरक्षित देशों की गिनती में आता है। यहां पर भी अपराध दर काफी कम है। लेकिन यहां पर घूमने आने वाले टूरिस्टों और यहां पर रहने वाले स्थानीय निवासियों को जेबकतरों और पर्स-स्नैचर्स आदि घटनाओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए अगर आप भी यहां पर घूमने आना चाहते हैं तो

आपको जेबकतरों से सावधान रहने की जरूरत होगी।

डेनमार्क

डेनमार्क 5,896,026 आबादी वाला देश है। बता दें कि ग्लोबल पीस इंडेक्स के अनुसार, यह दुनिया का 5वां सबसे सुरक्षित देश है। इस देश में अच्छी शिक्षा, अच्छा रोजगार और कम भ्रष्टाचार होने के साथ ही कुशल सुरक्षाबन मिलेगा। इसके अलावा यहां की हेल्थ सुविधाएं भी काफी बेहतर हैं। इस देश में लोग आरामदायक तरीके से अपनी जीवन व्यतीत करते हैं।

कनाडा

कनाडा की कुल आबादी 37,742,154 के करीब है। आबादी के लिहाज से कनाडा काफी छोटा देश है। यहां का अधिकतर हिस्सा बंजर जंगल है और यह बंजर जंगल हजारों मीलों तक फैला हुआ है। लेकिन घूमने के लिहाज से यह काफी सुरक्षित देश है। इस देश का अपराध दर भी काफी कम है।

सिंगापुर

सिंगापुर 59,43,546 के करीब आबादी वाला है। सिंगापुर में छोटी-मोटी चोरी और अन्य अपराधों के खिलाफ कुछ सख्त कानून हैं। जिसके कारण इसकी गिनती दुनिया के सुरक्षित देशों में होती है। हालांकि सिंगापुर को शहर-राज्य के रूप में परिभाषित किया गया है। इसलिए ऐसा कहा जा सकता है कि यह दुनिया के दूसरे नंबर का सबसे सुरक्षित राज्य है।

जापान

जापान की जनसंख्या 125.93 मिलियन के आसपास है। सुरक्षा के लिहाज से यह सबसे सुरक्षित देश है। चीन और उत्तर कोरिया के करीब होने के बाद भी जापान एशियाई महाद्वीप का एक सुरक्षित और आर्थिक रूप से स्थिर देश है। वैश्विक शांति सूचकांक में जापान हमेशा हाई स्कोर हासिल करता है।

चेक गणराज्य

चेक गणराज्य की आबादी 10,512,397 के करीब है। यहां पर हर वर्ष अपराध दर घटता प्रतीत होता है। यूरोप के अन्य देशों की तुलना में चेक गणराज्य सुरक्षित देशों में से एक है। यहां पर आप सुरक्षा की परवाह किए बिना आराम से घूम-फिर सकते हैं।

स्विट्जरलैंड

स्विट्जरलैंड घूमने के लिए हर साल लाखों टूरिस्ट वहां पहुंचते हैं। बता दें कि यहां की आबादी 8.6 मिलियन के आसपास है। रहने और घूमने के लिहाज से यह देश सबसे ज्यादा बेस्ट है। फूड सिक्योरिटी के मामले में भी स्विट्जरलैंड दुनिया भर में चौथे स्थान पर है।

इन टिप्स को फॉलो कर हॉलिडे को बनाएं शानदार, ऐसे करें पैसों की बचत

कई लोगों को घूमना काफी पसंद होता है। कई बार लगातार ट्रैवल करने के बाद भी छकान नहीं होती है। लेकिन घूमने के लिए पैसों की भी जरूरत होती है। ऐसे में सेविंग्स का होना जरूरी होता है। घूमने के दौरान कई बार ज्यादा पैसा खर्चा हो जाता है। लेकिन अगर आप स्मार्ट तरीके से घूमने की प्लानिंग करें तो आप पैसों की बचत कर सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ट्रैवल के कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनकी मदद से आप ट्रैवल भी कर लेंगे और पैसों की सेविंग भी कर लेंगे।

हॉलिडे की योजना

अगर आप भी छुट्टी पर जाने की सोच रहे हैं। तो सबसे पहले यह डिसाइड करें की आप रिलैक्सिंग हॉलिडे के लिए समुद्र तट पर चाहते हैं या एडवेंचर्स करना चाहते हैं। जब आपको यह पता होता है कि आप घूमने के लिए कहां जाने वाले हैं तो वहां होने वाले खर्चे और यात्रा कार्यक्रम की योजना पहले से बना लें। इस दौरान आपके लिए रियलिस्टिक बजट बनाना आसान हो जाएगा।

रियलिस्टिक बजट

घूमने जाने की शुरूआत हॉलिडे रीयलिस्टिक बजट तय करने से शुरू होती है। आप कहीं भी घूमने जा रहे हों। कोई भी स्मार्ट ट्रैवलर यह बात काफी अच्छे से जानता है कि शानदार छुट्टियां बिताने के लिए एक रियलिस्टिक बजट की जरूरत होती है। जिसे आप आसानी से पहले ही बना सकते हैं।

ट्रैवल और खरीदारी

घूमने जाने के दौरान बुकिंग या खरीदारी पर कैशबैक कमा सकते हैं। इससे आपकी ट्रैवलिंग आसान हो जाती है। कई बार खरीददारी करने पर या बुकिंग करने के दौरान आपको कैशबैक मिलता है। इसलिए हमेशा इस ऑप्शन को ओपेन रखना चाहिए।

ऑफ सीजन में यात्रा

इस सीक्रेट को सभी स्मार्ट ट्रैवलर्स अपनाते हैं। अधिकतर ट्रैवल करने वाले ऑफ सीजन में यात्रा कर बड़ी बचत करते हैं। इस दौरान उनका ज्यादा खर्च नहीं होता है। क्योंकि वह ऑफ-पीक हॉलिडे सीजन में ट्रैवल करते हैं। ऑफ सीजन में ट्रैवल करने से फ्लाइट्स, होटल आदि सस्ते और आसानी से मिल जाते हैं।

फ्लाइट्स चुनते समय फ्लेक्सिबल

पर्यटकों की आवाजाही सप्ताह के कुछ दिनों में कम होती है। इस समय यात्रा करने पर आपको सस्ती उड़ान भरने का मौका मिल सकता है। फ्लाइट की कीमत के आधार पर आप अपनी छुट्टियों को प्लान कर सकते हैं। इससे भी आप अच्छी खासी सेविंग कर लेंगे।

हॉस्पिटैलिटी कंपनी

आपको बता दें कि अपने नियमित ग्राहकों के लिए कई प्रमुख होटल चेंस और एयरलाइंस बहुत कम या बिना किसी एडिशनल कॉस्ट के लॉयल्टी प्रोग्राम्स पेश करती हैं। इस दौरान आपको होटल चेंस और एयरलाइंस के जरिए स्पेशल ट्रीटमेंट मिलता है।

क्रेडिट/डेबिट कार्ड

क्रेडिट या डेबिट कार्ड रिवार्ड पॉइंट अर्जित कर सकते हैं। यह पॉइंट अर्जित करने का एक क्विक और आसान तरीका है। जिसके बदले कई प्रमुख बैंक गिफ्ट्स और सर्विस के बदले में आपको रिवार्ड पॉइंट प्रदान करते हैं। जिन्हें किसी भी समय रिडीम किया जा सकता है।

सस्ता विकल्प खोजें

अगर आपके पास पर्याप्त समय है तो आप उन विकल्पों को पता करें। जिनमें यात्रा सस्ती होने के साथ ही आने-जाने से लेकर रहने तक हर चीज के लिए काफी सारे विकल्प होते हैं। इस दौरान हॉलिडे प्लान करने के दौरान शानदार अनुभवों के लिए फ्लाइट्स के स्थान पर ट्रेनों की खोज करें।

सिक्किम घूमने का बना रहे हैं प्लान तो...

इन खूबसूरत जगहों को करें एक्सप्लोर, जन्नत में आने का होगा एहसास

देश की टॉप ट्रैवल डेस्टिनेशन्स में नॉर्थ ईस्ट के कई राज्यों का नाम गिना जाता है। नॉर्थ ईस्ट की ट्रिप प्लान करने वाले अधिकतर लोग सिक्किम घूमना नहीं भूलते हैं। वैसे तो सिकिम्म में घूमने के लिए कई खूबसूरत जगहें हैं। ऐसे में अगर आप भी सिक्किम घूमने का प्लान बना रहे हैं तो इन जगहों को एक्सप्लोर करना न भूलें। इन खूबसूरत जगहों पर घूमने के बाद आपका वापस आने का दिल नहीं करेगा। हिमालय की गोद में बसा सिक्किम भले ही एक छोटा सा राज्य है। लेकिन यहां की खूबसूरत वादियों से लेकर नेचर की खूबसूरती आपका मन मोह लेगी। आज इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको सिक्किम की कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं उन जगहों के बारे में...

त्सोमगो झील की सैर

अगर आप सिक्किम में किसी रोमांटिक जगह पर घूमना चाहते हैं तो त्सोमगो लेक आपके लिए बेस्ट ऑप्शन होगा। त्सोमगो लेक सिक्किम की राजधानी गंगटोक से महज 40 किलोमीटर दूर है। यह लेक 12,400 फीट की ऊंचाई पर मौजूद है। इस लेक को चांगु झील के नाम से भी जाना जाता है। बता दें कि सर्दियों में यह लेक पूरी तरह से जम जाती है। वहीं बसंत ऋतु के मौके पर इस लेक की सुंदरता कई खूबसूरत फूलों से खिल उठती है।

जुलुक का दीदार

जुलुक का दीदार करने के लिए सिक्किम की राजधानी गंगटोक से लगभग 3 घंटे का सफर तय करना होता है। इस दौरान रास्ते में 32 हेयरपिन मोड़ आपकी यात्रा को अधिक शानदार बना सकते हैं। वैसे तो जुलुक सिक्किम का एक छोटा सा और काफी खूबसूरत गांव है। लेकिन यहां से 11 फीट की ऊंचाई पर स्थित थुंबी व्यू प्वाइंट कंचनजंघा चोटी अपने खूबसूरत नजारों के लिए फेमस है। जुलुक की ट्रिप के दौरान कपुप लेक या हाथी झील का भी दीदार कर सकते हैं।

पेलिंग की ट्रिप

गंगटोक से लगभग 140 किलोमीटर की दूरी पर स्थित पेलिंग भी घूमने के लिए बेस्ट जगह है। यह जगह रोमांच के लिए फेमस है। पेलिंग का सफर एडवेंचर लवर्स के लिए बेस्ट हो सकता है। यहां पर एडवेंचर के शौकीन लोग रॉक क्लाइंबिग, ट्रेकिंग, कयाकिंग, माउंटेन बाइकिंग, रिवर राफ्टिंग जैसी कई एक्टिविटी कर सकते हैं। इसके अलावा सांगचोएलिंग मठ रिम्बी वॉटरफॉल स्काई वॉक और सेवारो रॉक गार्डन का दीदार कर अपने सफर को शानदार और रोमांचक बना सकते हैं।

रंवगला

रंवगला सिक्किम का खूबसूरत हिल स्टेशन है। यह समुद्र तल से लगभग 8000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। हिमालय पर्वतों से घिरा रंवगला मैनम और तेंडोंग हिल्स टॉप पर मौजूद है। बता दें कि रंवगला गंगटोक से लगभग 63 किलोमीटर की दूर स्थित है। नेचर लवर्स के लिए रंवगला की सैर बेस्ट हो सकती है। यहां से आप ग्रेटर हिमालय के मनमोहक नजारों को बेहद नजदीक से देख सकते हैं।

टी20 विश्वकप के सुपर-8 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज से खेलेगी भारतीय टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ग्रुप ए में नंबर एक रहते हुए सुपर-8 में पहुंच गयी है। यहां उसका मुकाबला तीन टीमों दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज से होगा। सुपर-8 में भारतीय टीम का पहला मुकाबला 22 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका से होगा। ये मैच अन्य दो मुकाबलों की अपेक्ष कठिन रहेगा। यह मुकाबला अहमदाबाद में में शाम 7 बजे से खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका विश्व कप में प्रचंड फॉर्म में है और ग्रुप डी में शीर्ष पर रही है। इसलिए इस मैच में दोनो के बीच कड़ा मुकाबला होना तय है।

आंकड़ों की बात करें तो भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। दोनो के बीच अब तक 35 टी20 मुकाबले अब तक हुए हैं। इसमें भारतीय टीम ने 21 जीते हैं जबकि दक्षिण अफ्रीका को 13 में जीत मिली है, एक मैच का परिणाम नहीं निकला है। अहम मुकाबलों में भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका पर भारी पड़ी है।

वहीं सुपर-8 में भारतीय टीम का दूसरा मुकाबला 26 फरवरी को जिम्बाब्वे से एमए चिदंबरम स्टेडियम में शाम 7 बजे से होगा। इस टूर्नामेंट में अब तक जिम्बाब्वे ने काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया तक को हराया है। ऐसे में उससे भारतीय टीम को सावधान रहना होगा क्योंकि वह उलटफेर करने में सक्षम है। दोनो के बीच अब तक 13 टी20 मैच खेले गए हैं। 10 मैचों में भारत और 3 मैचों में जिम्बाब्वे ने जीत हासिल की है।

सुपर-8 में भारतीय टीम को अपने तीसरे मुकाबले में वेस्टइंडीज से खेलना है। आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो के बीच अबतक बीच 30 मैच खेले गए हैं, जिसमें भारतीय टीम ने 19 जबकि वेस्टइंडीज ने 10 जीते हैं। एक मैच का परिणान नहीं निकला। दो बार विजेता रही वेस्टइंडीज ने भी इस बार विश्व कप में अब अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। वह ग्रुप डी में नंबर एक रहते हुए सुपर-8 में पहुंची है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज फार्म में हैं जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। ऐसे में भारतीय टीम को इस मैच में भी जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

टी20 विश्वकप: अभिषेक शर्मा फिर 0 पर आउट हुए, बनाया शर्मनाक रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2026 में भारत के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा का संघर्ष जारी है। नीदरलैंड के खिलाफ अहम मुकाबले में भी वह बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। इस निराशाजनक प्रदर्शन के साथ उनके नाम एक अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। अभिषेक अब एक कैलेंडर वर्ष में टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा बार डक पर आउट होने वाले ओपनरों की सूची में शामिल हो गए हैं। 2026 में यह पांचवां मौका है जब वह शून्य पर आउट हुए, जिससे उनकी फॉर्म पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

नीदरलैंड के खिलाफ फिर निराशा

नीदरलैंड के खिलाफ मैच में भारतीय टीम को तेज शुरुआत की उम्मीद थी, लेकिन अभिषेक शर्मा पहली ही चुनौती में असफल रहे। विपक्षी गेंदबाजों ने सटीक लाइन-लेंथ से उन्हें बांधे रखा और वह बिना रन बनाए आउट हो गए। टी20 जैसे फॉर्मेट में ओपनर की भूमिका बेहद अहम होती है। पावरप्ले का फायदा उठाकर तेज रन बनाना टीम की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। ऐसे में बार-बार डक पर आउट होना टीम के संतुलन को प्रभावित करता है।

एक कैलेंडर वर्ष में 5 डक, शर्मनाक सूची में नाम

अभिषेक शर्मा अब 2026 में टी20ढ्ढ में पांच बार शून्य पर आउट हो चुके हैं। इसके साथ ही वह उन ओपनरों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा बार डक का सामना किया है। इस सूची में शीर्ष पर पाकिस्तान के सैम अयूब हैं, जो 2025 में छह बार डक पर आउट हुए थे। इसके अलावा चालोमवोंग चटफैसन (थाईलैंड, 2024), कुशल भुर्टेल (नेपाल, 2024), धर्मा केसुमा (इंडोनेशिया, 2025) और परवेज हुसैन इमोन (बांग्लादेश, 2025) भी पांच-पांच बार डक पर आउट हो चुके हैं। अब अभिषेक का नाम भी इसी रिकॉर्ड में दर्ज हो गया है।

कतर ओपन में जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंचे अल्काराज

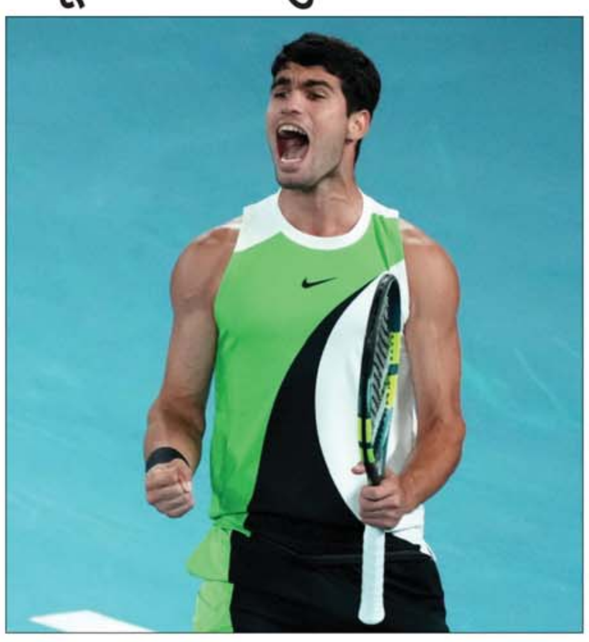

नई दिल्ली (एजेंसी)। दोहा (ईएमएस)। स्पेन के टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज ने आर्थर रिंडरकनेच को 6-4, 7-6 (5) से हराकर कतर ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश किया है। अब यहां उनका मुकाबला फ्रांस के वैलेन्टिन रॉयर से होगा।अल्काराज ने इस मुकाबले में शुरु से ही आक्रामक रुख अपनाया। स्पिेनिश खिलाड़ी ने दूसरे सेट में सर्विस पर दो सेट अंक बचाने के बाद टाई-ब्रेक में जीत दर्ज करके अपना 150 वां मुकाबला जीता है। इससे उत्साहित अल्काराज ने कहा, यह मैच कठिन रहा है। आर्थर एक अच्छा खिलाड़ी है। कोई भी उसके खिलाफ पहले दौर में नहीं खेलना चाहेगा। मुझे खुशी है कि मैं उस कठिन मैच को जीतने में सफल रहा। मेरी जीत का कारण शांत और सकारात्मक रहकर खेलना रहा।

अल्काराज हालांकि यहां पिछली बार क्वार्टर-फाइनल में हार गये थे। अल्काराज का मुकाबला क्वार्टर-फाइनल में करेन खाचानोव से मुकाबला हो सकता है। खाचानोव ने एक अन्य मुकाबले में शिंटारो मोचिजुकी को 6-1, 3-6, 6-4 से हराया। खाचानोव दूसरे दौर में मार्टन फुकसोविक्स से खेलेंगे। एक अन्य मुकाबले में एंड्री रुबलेव ने धीमी शुरुआत से उबरते हुए अपने शुरुआती मैच में जेस्पर डी जोंग को 6-4, 6-3 से हराया। अब उनका सामना फैबियन मारोजसन से होगा, जिन्होंने उगो हम्बर्ट को 6-3, 6-1 से हराया।

टी20 विश्वकप: पाकिस्तान की नामीबिया पर बड़ी जीत, सुपर 8 के लिए किया क्वालीफाई

अहमदाबाद (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान (नाबाद 100) के पहले शतक के बाद स्पिनर शादाब खान (19 रन देकर तीन विकेट) और उस्मान तारिक (16 रन देकर चार विकेट) के शानदार प्रदर्शन से पाकिस्तान ने बुधवार को यहां टी20 विश्व कप के 'करो या मरो' के ग्रुप मैच में नामीबिया को 102 रन से हराकर सुपर आठ में प्रवेश किया।

फरहान की 11 चौके और चार छक्के जड़ित 58 गेंद की पारी की बदौलत पाकिस्तान ने तीन विकेट पर 199 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। फरहान को 50 से 100 रन तक पहुंचने में महज 20 गेंद लगी। वह विश्व कप में शतक जड़ने वाले पाकिस्तान के दूसरे खिलाड़ी बन गए। इससे पहले 2014 में मीरपुर में अहमद शहजाद ने बांग्लादेश के खिलाफ शतक लगाया था। पाकिस्तान ने 'मिस्ट्री' स्पिनर तारिक और लेग स्पिनर शादाब के स्पिन जाल से दबदबा बनाते हुए नामीबिया की टीम को 17.3 ओवर में महज 97 रन पर समेट दिया। सलमान मिर्जा और मोहम्मद नवाज ने भी एक एक विकेट झटका। इस तरह नामीबिया का अभियान चारों मैच में हार के साथ समाप्त हुआ।

इस जीत से पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप के अगले चरण के लिए अपना क्वालीफिकेशन भी सुनिश्चित किया जो 2028 में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की सह मेजबानी में खेला जाएगा। यह टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत भी है। इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम साइम अयूब (14 रन) का विकेट गंवाकर पावरप्ले में महज 47 रन ही बना सकी। पर फरहान ने कप्तान सलमान आगा (38 रन) के साथ मिलकर 67 रन जोड़े जबकि शादाब खान (नाबाद 36 रन) के साथ 81 रन की भागीदारी निभाई।

रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी भारत से मिली करारी शिकस्त से उबरते हुए पाकिस्तान ने ख्वाजा नफे को मध्यक्रम में शामिल कर अपनी बल्लेबाजी को मजबूती दी जबकि खराब फॉर्म में चल रहे शाहीन शाह अफरीदी को बाहर किया। पाकिस्तान ने शुरू में रक्षात्मक बल्लेबाजी की जो उनके स्कोर से जाहिर हो रहा है। लेकिन कप्तान सलमान ने नौवें ओवर की शुरुआत में विलेम माइबर्ग की गेंद पर छक्का लगाकर रन गति बढ़ाने की कोशिश की। इसके बाद उन्होंने लांग-ऑन पर एक और छक्का लगाया। फिर अपने कप्तान से प्रेरित होकर फरहान ने लेग-स्पिनर माइबर्ग की गेंद पर डीप मिडविकेट के ऊपर से एक बड़ा छक्का मारा और फिर उनकी गुगली को फिर उसी जगह भेजा।

एक ओवर में तीन छक्कों से पाकिस्तान का रन रेट बढ़ गया। सलमान ने बर्नार्ड शोल्ट्ज की गेंद पर एक और छक्का लगाया। हालांकि सलमान अगले ओवर में जैक ब्रसेल की गेंद पर गेरहार्ड इरास्मस के हाथों कैच आउट हो गए। नफे ज्यादा देर तक नहीं टिक सके और इरास्मस की गेंद पर उन्हें ही लपके गए। फरहान ने जिम्मेदारी से खेलते हुए नामीबिया के गेंदबाजों के खिलाफ दबदबा बनाते हुए रन जुटाना जारी रखा और अपना शतक पूरा किया। शादाब ने अंत में इरास्मस पर दो छक्के लगाकर पारी का समापन किया।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम का सामना ऑस्ट्रेलियाई क्लबों से होगा

पर्थ ।भारतीय महिला नेशनल फुटबॉल टीम एएफसी महिला एशियन कप ऑस्ट्रेलिया 2026 की अपनी तैयारियों के तहत 19 और 23 फरवरी को ऑस्ट्रेलियाई क्लब टीमों पर्थ रेडस्टार एफसी और पर्थ अजुरी के खिलाफ दो फेंडली मैच खेलेगी। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन की रिलीज के मुताबिक, ब्लू टाइग्रेसेस 11 फरवरी को तुर्किये में अपना ट्रेनिंग कैंप खत्म करने के बाद वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया पहुंचीं, जहां उन्होंने यूक्रेन, रूस,

स्विट्जरलैंड, जर्मनी और रोमानिया की क्लब टीमों के खिलाफ छह फेंडली मैच खेले। भारत ने तुर्किये में अपने एक्सपोजर टूर के दौरान तीन जीत, एक ड्रॉ और दो हार दर्ज कीं। पर्थ रेडस्टार एफसी के खिलाफ पहला मैच डालमटिनैक पार्क में भारतीय समयानुसार 14:30 पर खेला जाएगा जबकि पर्थ अजुरी के खिलाफ दूसरा मैच मैसेडोनिया पार्क में 16:00 पर खेला जाएगा। दोनों मैच दर्शकों के बिना खेले जाएंगे।

पाकिस्तान टीम पर भड़के बासित, सूर्यकुमार के राइवलरी नहीं होने वाले बयान को सही बताया

लाहौर ।पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप में खराब प्रदर्शन के लिए टीम को खरी खोटी सुनाई है। बासित अली ने कहा है कि जिस प्रकार से भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा था कि उनके बीच राइवलरी जैसी कोई बात ही नही। वह एक तरह से सही है क्योंकि पाक टीम भारत के सामने कहीं नहीं टिकती है। सूर्या ने एशिया कप के दौरान कहा था कि राइवलरी की बात तब आती है तब बराबरी पर मुकाबला हो पर हम तो हमेशा ही एकतरफा जीत रहे हैं। इसलिए ऐसी कोई बात नहीं है। वहीं अब विश्व कप का मुकाबला भी भारतीय टीम ने आसानी से जीता है। इसमें भी पाक टीम कहीं भी टक्कर देती नहीं दिखी। बासित के अनुसार भारतीय कप्तान ने जो भी कहा है वह सही है। टी20 विश्व कप में भारतीय ने पाकिस्तान को एकतरफा अंदाज में 61 रनों से शिकस्त देकर सुपर-8 में अपनी जगह पक्की कर ली थी। बासित ने कहा कि जिस प्रकार भारत ने पार्ट-टाइम गेंदबाज तिलक वर्मा और रिंकू सिंह को गेंदबाजी दी उससे समझा जा सकता है कि वह पाक टीम की बल्लेबाजी को कितना लचर मानते हैं।

गंभीर को बड़ी जिम्मेदारी देना चाहता है रॉयल्स

मुम्बई ।आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स 2026 सत्र में गौतम गंभीर को बड़ी जिम्मेदारी देना चाहत है। एक रिपोर्ट के अनुसार गंभीर को रायल्स सीईओ, पार्टनर और मेंटॉर बनाना चाहती है पर गंभीर इससे स्कीकार करेंगे। इसकी संभावनाएं काफी कम हैं। गंभीर अभी भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच हैं और वे इसके लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। ऐसे में वह कोच पद छोड़ेंगे। इसकी उम्मीद नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार रॉयल्स का नया प्रबंधन गंभीर को अपने साथ जोड़ना चाहता है। इसका कारण है कि टीम का प्रदर्शन पिछले सत्र में अच्छा नहीं रहा है और प्रबंधन को उम्मीद है कि गंभीर उसमें बदलाव ला सकते हैं। उनके कोच रहते ही कोलकाता नाइट राइडर्स ने खिताब जीता था। रिपोर्ट के मुताबिक राजस्थान रॉयल्स के ज्यादातर शेयर धारक अपनी हिस्सेदारी नए मालिकान को बेच रहे हैं। डील हस्तांतरण के स्तर पर है। रिपोर्ट के मुताबिक फ्रेंचाइजी के 3 नए मालिकों में से एक ने गंभीर से संपर्क किया है। उन्हें फ्रेंचाइजी में हिस्सेदारी के साथ-साथ सीईओ और मेंटॉर बनाए जाने की पेशकश की गयी है। गंभीर को इस पेशकश को स्वीकार करने के लिए भारतीय टीम का कोच पद छोड़ना पड़ेगा। मुख्य कोच के तौर पर गंभीर का कार्यकाल 2027 के एकदिवसीय विश्वकप तक है। उनके कार्यकाल में टीम इंडिया का टेस्ट में प्रदर्शन औसत से भी नीचे रहा है। हालांकि वाइट बॉल क्रिकेट में टीम के प्रदर्शन में गिरावट नहीं आई है। टेस्ट में खराब प्रदर्शन के चलते अक्सर रेड बॉल क्रिकेट के लिए नए कोच की मांग उठती रही है। गौतम गंभीर ने जुलाई 2024 में टीम इंडिया के हेड कोच की जिम्मेदारी संभाली। उनके कार्यकाल में टीम अब तक 19 टेस्ट मैच में 7 में जीत हासिल की है और 10 में हार का सामना करना पड़ा। इसी दौरान न्यूजीलैंड और दक्षिण अफीका ने भारत में आकर टीम इंडिया का टेस्ट में क्लीन स्वीप किया।

टी20 विश्वकप 2026: टी20 विश्व कप में आज जिम्बाब्वे और श्रीलंका में होगा मुकाबला

कोलंबो (एजेंसी)। मेजबान श्रीलंकाई टीम का मुकाबला गुरुवार को यहां टी20 विश्व कप क्रिकेट के मैच में जिम्बाब्वे से होगा। दोनो ही टीमें पहले ही सुपर-8 में पहुंच गयी हैं। ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक रहेगा। दोनो का लक्ष्य इस मैच को जीतकर ग्रुप बी में शीर्ष स्थान हासिल करना रहेगा। श्रीलंका ने यहां ओमान और आयरलैंड को हराया और फिर ऑस्ट्रेलिया को हराकर अपनी ताकत दिखायी है। वहीं जिम्बाब्वे ने बड़ा उलटफेर करते हुए ऑस्ट्रेलिया को हराया है। वहीं आयरलैंड के खिलाफ उसका मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया। जिससे उसे एक अंक मिला। इससे ऑस्ट्रेलिया की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गया। श्रीलंकाई टीम सुपर 8 में पहुंचने के बाद भी जिम्बाब्वे के खिलाफ कोई गलती नहीं करना चाहेगी। वह अपनी जीत की लय को बनाए रखने और ग्रुप में नंबर पर रहने उतरेगी।

श्रीलंका को घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका के फॉर्म में होने से भी श्रीलंका को लाभ होगा। निशांका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक लगाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उनके अलावा कुसल मेंडिस ने भी पिछले मैच में अर्धशतक लगाया था और वह ये सिलसिला बनाये रखना चाहेंगे।

श्रीलंका की गेंदबाजी की कमान दाएं हाथ के तेज गेंदबाज दुशमंथा चमीरा के पास रहेगी। वहीं तेज गेंदबाज मथीसा पथिराना भी इस मैच में लय हासिल करना चाहेंगे। वह अपनी अलग गेंदबाजी शैली से काफी प्रभावी रहते हैं। स्पिनर के तौर पर टीम के पास दुशान हेमंथा जैसा लेग स्पिनर है। उनके अलावा महीश तीक्षाना जैसा गेंदबाज है।

वहीं जिम्बाब्वे की राह आसान नहीं है। श्रीलंका के घरेलू मैदान पर उसके लिए मेजबान गेंदबाजों का समाना करना कठिन रहेगा हालांकि ऑस्ट्रेलिया पर जीत के बाद से ही उसके खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा हुआ है जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। उसके सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट ने ऑस्ट्रेलिया और ओमान के खिलाफ क्रमशः 64 और 48 रन बनाये थे। इसके अलावा तादिवानाशे मारुमानी, रयान बर्ल और सिकंदर रजा भी फार्म में हैं। गेंदबाजी में उसके पास अनुभवी तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी के अलावा रिचर्ड नगारवा हैं।

टीम इस प्रकार हैं

श्रीलंका: दासुन शनाका (कप्तान), चरिथ असलांका, दुशमंथा चमीरा, दुशान हेमंथा, जेनिथ लियानगे, कामिंडु मेंडिस, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), कामिल मिशारा, पथुम निसांका, मथीशा पथिराना, कुसल परेरा, प्रमोद मदुशन, पवन रथनायके, महीश तीक्षाना, डुनिथ वेललागे।

जिम्बाब्वे: सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, ग्रीम क्रेमर, बेन कुरेन, ब्रैड इवांस, क्लाइव मदांडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमनी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, टोनी मुनयोंगा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डायोन मायर्स, रिचर्ड नगारवा।

विक्रम राठौर कोच बनने के बाद श्रीलंकाई बल्लेबाजी में आया बदलाव,

कोलंबो ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने जिस प्रकार श्रीलंकाई टीम की बल्लेबाजी को बेहतर बनाया है। उसके लिए उनकी जमकर तारीफ हो रही है। राठौर जब से टीम के बल्लेबाजी कोच बने हैं हालात बदले हैं। श्रीलंकाई बल्लेबाज पथुम निशंका ने जिस प्रकार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक लगाया है उससे ये बात साबित हुई है। उनके मार्गदर्शन में बल्लेबाज निडर होकर बल्लेबाजी कर रहे हैं और खेल के प्रति उनका रवैया भी बदल रहा है। श्रीलंकाई क्रिकेट ने अपने बल्लेबाजी क्रम में स्थिरता और आक्रामकता लाने के लिए ही राठौर को अपने साथ जोड़ा है। राठौर को श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने टी20 विश्व कप के लिए टीम को तैयार करने का काम दिया था। जिस तरह से श्रीलंका ने अभी तक विश्व कप में खेला है वो दिखाता है कि राठौर के आने के बाद टीम काफी बेहतर हुई है। निशंका की बल्लेबाजी में बदलाव का के पीछे भी राठौर की रणनीतियों को बताया गया है। निशंका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ केवल 52 गेंदों में ही 100 रन लगा दिया था। इस दौरान उन्होंने जमकर चौके और छक्के लगाये। राठौर ने निशंका को पारंपरिक खेल से हटकर नये शॉट्स खेलने के लिए प्रेरित किया जिससे की अधिक से अधिक रन बनें। इसका असर भी दिख रहा है। निशंका का टी20 विश्व कप 2026 में अब तक का स्ट्राइक रेट 192.3 रहा है, जो उनके पहले के आंकड़ों से काफी अच्छा है।.

टॉप सीड सेरुंडोलो रियो ओपन के आखिरी 16 में पहुंचे

रियो डी जेनेरो ।अर्जेंटीना के टॉप सीड फ्रांसिस्को सेरुंडोलो मंगलवार को अपने ही देश के मारियानो नवोन को 6-3, 6-4 से हराकर रियो ओपन के आखिरी 16 में पहुंच गए। वर्ल्ड नंबर 19 सेरुंडोलो ने पहले सर्व पर 72 परसेंट पॉइंट जीते और जॉकी क्लब ब्रासीलीरो के आउटडोर क्ले कोर्ट पर एक घंटे 32 मिनट में पांच में से चार ब्रेक पॉइंट बदलकर जीत हासिल की। नवोन ने अपने पहले सर्व पर 67 परसेंट पॉइंट जीते लेकिन 12 ब्रेक पॉइंट मौकों में से सिर्फ दो को ही बदल पाए। इस नतीजे का मतलब है कि सेरुंडोलो एटीपी 500 इवेंट के अगले राउंड में एक और अर्जेंटीना के थियागो टिरांटे से भिड़ेंगे। सेरुंडोलो के भाई, जुआन मैनुअल सेरुंडोलो ने भी इटली के दूसरे सीड लुसियानो डार्डी पर 6-1, 3-6, 6-4 से जीत हासिल की। वर्ल्ड नंबर 78 सेरुंडोलो ने आठ में से छह ब्रेक पॉइंट बचाए और नेट पर 13 में से नौ पॉइंट लेकर दो घंटे 17 मिनट में जीत हासिल की।

एफआईएच प्रो लीग में हार्दिक करेंगे भारतीय हॉकी टीम की कप्तानी

नई दिल्ली ।भारतीय पुरुष हॉकी टीम 20 से 25 फरवरी तक ऑस्ट्रेलिया के होबार्ट में खेले जाने वाल एफआईएच प्रो लीग मैचों में अनुभवी मिडफील्डर हार्दिक सिंह की कप्तानी में उतरेगी। इससे पहले टीम के नियमित कप्तान और ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह ने निजी कारणों से इस टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया था। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम का मुकाबला स्पेन और मेजबान ऑस्ट्रेलिया से होगा। इससे पहले भारतीय टीम को राउरकेला में हुए मुकाबलो में अपने सभी चार मैचों में हार मिली थी। भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, ''राउरकेला में हमारा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और परिणाम हमारे पक्ष में नहीं रहे पर हमने काफी कुछ सीखा है और खेल में सुधार किए हैं।'' नए कप्तान हार्दिक को दो बार के ओलंपिक खेलों का अनुभव है जिसका टीम को लाभ मिलेगा। टीम में अमनदीप लाकड़ा और मनमीत सिंह जैसे युवा खिलाड़ी भी शामिल हैं, जिन्होंने राउरकेला चरण के दौरान सीनियर टीम के लिए अपना पहला मैच खेला था। हॉकी इंडिया ने कहा कि हरमनप्रीत अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण टीम से बाहर हैं। वहीं स्ट्राइकर मनिंदर सिंह की भी टीम में वापसी हुई है। इस खिलाड़ी ने अंतिम बार साल 2023-24 में एफआईएच हॉकी प्रो लीग में भारत के लिए खेला था। एक अन्य फॉरवर्ड अंगद बीर सिंह की भी टीम में वापसी हुई है। कोच ने कहा, ''हमारी नजर बेहतर प्रदर्शन करने के साथ ही विश्व कप और एशियाई खेलों के लिए अपनी टीम को तैयार करने पर है।''

भारतीय टीम इस प्रकार है- गोलकीपर- सूरज करकेरा, मोहित होन्नेनाहल्ली शशिकुमार डिफेंडर-अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, संजय, सुमित, अमनदीप लाकड़ा, यशदीप सिवाच, पूवन्ना चंदूरा बॉबी। मिडफील्डर- राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, हार्दिक सिंह, मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह, विष्णु कांत सिंह, राज कुमार पाल। फॉरवर्ड- अभिषेक, शिलानंद लाकड़ा, मंदीप सिंह, अरिजीत सिंह हुंदल, आदित्य अर्जुन लालगे, अंगद बीर सिंह, मनिंदर सिंह।

ऑस्ट्रेलिया से दूसरे टी20 में भी जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

कैनबरा (एजेंसी)। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम गुरुवार को कैनबरा में दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भी मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत का सिलसिला बरकरार रखने उतरेगी। भारतीय टीम ने बारिश की बाधा के बीच ही पहले मैच को डकवर्थ लुइस नियम से जीता था।

भारतीय टीम की ओर से पहले मैच में तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी ने चार विकेट लिए थे और वह ये प्रदर्शन बनाये रखना चाहेंगी। पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया की टीम 20 ओवर भी पूरे नहीं खेल पाई और केवल 133 रनों पर ही आउट हो गयी।

भारतीय टीम की ओर से इस मैच में केवल सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा को ही बल्लेबाजी का अवसर मिला।

अब दूसरे मैच में भी शेफाली और मंधाना पर रनों की जिम्मेदारी रहेगी। इसके अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

इस साल इंग्लैंड में होने वाले महिला टी20 विश्व कप को देखते हुए भारत के लिए यह सीरीज काफी अहम है। तेज गेंदबाज रेणुका सिंह पर भी इस मैच में नजरें रहेंगी। वहीं कप्तान सोफी मोलिनी की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया भी वापसी के इरादे से उतरेगी। बराबर करने के लिए बेताब होगी। टीम को बेथ मूनी, फोएबे लिटफील्ड, एलिसे पेरी और एशले गार्डनर से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलिया: सोफी मोलिनी (कप्तान), ताहलिया मैकग्रा, डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, किम गार्थ, ग्रेस हैरिस, फोबे लिट्चफील्ड, बेथ मूनी, एलिसे पेरी, मेगन शट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, भारती फुलमाली, क्रांति गौड़, ऋचा घोष (विकेटकीपर), गुनालान कमलिनी, अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, स्नेह राणा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा।

देहरादून में जिला न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी

देहरादून (एजेंसी)। देहरादून में बुधवार को जिला न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। जिला जज के आधिकारिक ईमेल पर भेज धमकी भरे संदेश के बाद पुलिस और खुफिया एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं। एहतियात के तौर पर पूरे कोर्ट परिसर को खाली कराकर सुरक्षा घेरा बढ़ा दिया गया। सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भारी बल के साथ मौके पर पहुंचे। न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं और वादकारियों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया। बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड ने परिसर के चप्पे-चप्पे की गहन तलाशी ली। सुरक्षा के मद्देनज़र कोर्ट परिसर के बाहर बैरिकेडिंग कर आवाजाही सीमित कर दी गई। प्रारंभिक जांच में ईमेल के स्रोत की पड़ताल की जा रही है। पुलिस को आशंका है कि यह किसी शरारती तत्व या संगठित साजिश का हिस्सा हो सकता है। हालांकि अब तक तलाशी अभियान में कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है, जिससे राहत की सांस ली गई है। गौरतलब है कि हाल के दिनों में हरिद्वार, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, टिहरी और नैनीताल की जिला अदालतों को भी इसी तरह की धमकियां मिल चुकी हैं। इन घटनाओं को देखते हुए पूरे प्रदेश में अलर्ट जारी कर दिया गया है। पुलिस सभी मामलों की कड़ियों को जोड़कर जांच कर रही है ताकि अफवाह फैलाने या भय का माहौल बनाने वालों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जा सके।

ईद के बाद सोरेन सरकार की घेराबंदी करेगा होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन

रांची (एजेंसी)। झारखंड में 77 मृत होमगार्ड जवानों के आश्रित अब भी अनुकंपा नियुक्ति के इंतजार में हैं। इसमें स्व. आनंदी मंडल, स्व. राम बाबू सिंह, स्व. बाबूजोन मरांडी, स्व. उमेश प्रसाद, स्व. परमानंद यादव और स्व. दपीक प्रताप सहित कुल 77 जवान शामिल हैं। अधिकांश जवानों की मृत्यु 10 से 15 वर्ष पूर्व ड्यूटी के दौरान हो चुकी है, लेकिन उनके परिवारों को अब तक नौकरी नहीं मिल सकी है। वर्ष 2014 में राज्य सरकार ने होमगार्ड जवानों के लिए नियमावली बनाई थी, जिसमें ड्यूटी के दौरान मृत जवानों के आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर नामांकन का प्रावधान था। इसके बावजूद कई मामलों में नियुक्ति नहीं हो सकी। इस संबंध में जवानों ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी, जिसमें राज्य गठन के बाद ड्यूटी के दौरान मृत सभी जवानों के आश्रितों को नियुक्ति देने का आदेश दिया गया। न्यायालय से सकारात्मक फैसला आने के बाद गृह विभाग ने संबंधित जवानों की सूची भी तैयार कर ली, लेकिन वर्षों से यह सूची विभागीय फाइलों में लंबित पड़ी है। झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष रवि मुखर्जी ने कहा कि बजट सत्र शुरू हो चुका है और सरकार को इस मुद्दे पर गंभीरता दिखानी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बजट सत्र में भी नियुक्ति प्रक्रिया शुरू नहीं की गई, तब ईद के बाद राज्यभर के होमगार्ड जवान राजभवन का घेराव करेगा।

यूपी बोर्ड की सख्त चेतावनी... पेपर लीक जैसी भ्रामक खबरों को फैलाने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपीएमएसपी) की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं 18 फरवरी से शुरू हो गई हैं। परीक्षा शुरू होने से ठीक पहले सोशल मीडिया पर पेपर लीक को लेकर उड़ रही अफवाहों पर यूपी बोर्ड ने बेहद सख्त रुख दिखाया है। यूपी बोर्ड ने साफ कर दिया है कि ऐसी खबरें पूरी तरह फर्जी हैं और इन भ्रम खबरों को फैलाने वालों को किसी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। बोर्ड ने आधिकारिक बयान देकर छात्रों और अभिभावकों को सचेत किया है। बोर्ड का कहना है कि कुछ असामाजिक तत्व सुनियोजित तरीके से परीक्षाओं की शुचिता बिगाड़ने और छात्रों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। बोर्ड ने अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ साइबर सेल में मामला दर्ज करा दिया है। परीक्षार्थी इन भ्रामक खबरों पर ध्यान न दें और पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी परीक्षा पर फोकस करें। यूपी परिक्षा बोर्ड ने बताया कि इस साल नकल रोकने और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए हाई-टेक इंतजाम किए गए हैं। सभी 8,033 केंद्रों पर वॉयस रिकॉर्डर वाले सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी वेबकास्टिंग के जरिए लखनऊ से लाइव निगरानी हो रही है। 18 जिलों को संवेदनशील घोषित किया है। 222 अति संवेदनशील और 683 संवेदनशील केंद्रों पर अतिरिक्त फोर्स तैनात है। 440 जिला स्तरीय और 69 मंडलीय मोबाइल स्क्वॉड नकलचियों को पकड़ने के लिए मुस्तैद हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पोस्ट के माध्यम से छात्रों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि परीक्षाएं केवल आपकी शैक्षणिक योग्यता का मूल्यांकन नहीं हैं, बल्कि यह आपके धैर्य, अनुशासन और आत्मविश्वास की भी परीक्षा है। उन्होंने छात्रों को बिना तनाव के परीक्षा देने का आशीर्वाद दिया।

राजस्थान में हल्की बारिश, दिल्ली में छाए रहे बादल वायु गुणवत्ता में आंशिक सुधार

-न्यूनतम तापमान 12 और अधिकतम 28 डिग्री सेल्सियस रहेगा

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर समेत राजस्थान में कई जगह बुधवार सुबह हल्की बारिश हुई। बारिश व बूंदाबांदी का दौर रात से ही शुरू हो गया था। उधर दिल्ली में बुधवार सुबह मौसम ने करवट ली और घने बादल आसमान में छा गए। कई इलाकों में हल्की बूंदाबांदी के साथ बारिश की फुहारें पड़ी। बदलते मौसम और तेज हवा के कारण वायु गुणवत्ता में भी आंशिक सुधार देखा गया। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक बुधवार को दिनभर सामान्यतः बादल छाए रहे और हल्की बारिश की संभावना बनी रही। बुधवार का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

सात दिनों के पूर्वानुमान के मुताबिक 19 फरवरी को न्यूनतम तापमान 12 और अधिकतम 28 डिग्री सेल्सियस रहेगा और मौसम मुख्यतः साफ रहने की संभावना है। 20 को भी पारा 12 से 28 डिग्री के बीच रहेगा। 21 को न्यूनतम 13 और अधिकतम 28 डिग्री 22 और 23 को तापमान में हल्की बढ़ोतरी के साथ अधिकतम 29 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान 13 डिग्री के आसपास रहेगा यानी बुधवार को हल्की गिरावट के बाद आने वाले दिनों में तापमान लगातार बढ़ता रहेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली के कई इलाकों में अभी भी हवा खराब श्रेणी में है। अलीपुर में एक्यूआई 255, आनंद विहार में 285, अशोक विहार में 264 दर्ज किया गया। आया नगर में 179 और सीआरआरआई मथुरा रोड पर 185 के साथ मध्यम श्रेणी रही। बवाना में एक्यूआई 307 के साथ बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया, जबकि चांदनी चौक में 286 और डीटीयू में 249 दर्ज किया गया। गाजियाबाद के इंदिरापुरम में एक्यूआई 296, लोनी में 352, संजय नगर में 203 और वसुंधरा में 268 दर्ज किया गया।

भारतीय नौसेना के साथ समुद्री अभ्यास में भाग लेने विशाखापटनम पहुंचा रूसी युद्धपोत

विशाखापटनम (एजेंसी)। आंध्रप्रदेश के विशाखापटनम के बंदरगाह पर अचानक एक विशाल रूसी युद्धपोत मार्शल शापोष निकोब का आगमन हुआ है। यह कोई साधारण घटना नहीं है। यह अंतरराष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू यानी आईएफआर 2026 और मिलन 2026 अभ्यास का हिस्सा है, जो भारत रूस की दशकों पुरानी समुद्री साझेदारी को दिखाता है। लेकिन आगमन को हम अचानक क्यों कह रहे हैं, क्योंकि वैश्विक तनाव के बीच जब दुनिया की महाशक्तियां एक दूसरे से भिड़कर दूर हो रही हैं तब भारत रूस की यह दोस्ती ना केवल मजबूत हो रही है बल्कि दुनिया पर भारी साबित हो रही है। एक आधुनिक उदालाय क्लास डिस्ट्रॉयर इस अब ब्रिगेड के रूप में वर्गीकृत किया गया है। 1985 में कमीशन किया गया। यह रूसी जहाज रूसी पेसिफिक प्लीट का हिस्सा है और इसका नाम सोवियत युग के सैन्य कमांडर बोरिस शापोश निकोब के नाम पर रखा गया है। इस जहाज की लंबाई 163 मीटर वजन 7900 टन तक है और यह 35 नॉट की रफ्तार से चल सकता है। इसमें कलिब्र एनके क्रूज मिसाइल, ओनिक्स, एंटीशिप मिसाइलें और संभावित रूप से जिरकॉन हाइपरसोनिक मिसाइलें लगी हैं। यह एंटी सबमरीन वॉरफेयर में माहिर है। जिसमें हेलीकॉप्टर, हैंगर और सोनार सिस्टम्स शामिल हैं। अब यह आगमन अचानक इसलिए लग रहा है, क्योंकि वैश्विक राजनीति में रूस यूक्रेन युद्ध के चलते रुस अलग-थलग दिख रहा है। हालांकि भारत रुस को कभी भी अलग-थलग नहीं होने दे रहा है। इसी कड़ी में भारत ने रुस को गले लगाया और भारतीय नौसेना के अनुसार जहाज आईएफआर 2026 और मिलन 2026 में भाग लेने आया है। जहां भारत की राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू 72 देशों के 60 से अधिक युद्धपधों की समीक्षा करेंगी। मिलन 21 से 25 फरवरी तक चलेगा जिसमें समुद्री अभ्यास, सेमिनार और सहयोग पर फोकस होगा। रूस का यह जहाज इस अभ्यास में प्रमुख भूमिका निभाएगा जो भारत रूस की समुद्री साझेदारी को मजबूत करेगा। यह घटना सिर्फ एक जहाज का आगमन नहीं है। यह एक संदेश है जब अमेरिका और उसके सहयोगी रूस पर प्रतिबंध लगा रहे हैं। भारत ने रूस से सस्ता तेल आयात बढ़ाया है और अब समुद्री सहयोग को नई ऊंचाई दे दी है। यह दोस्ती दुनिया पर भारी है क्योंकि यह इंडोपेसिफिक में संतुलन बनाती है। जहां चीन की बढ़ती ताकत को काउंटर करने के लिए रूस भारत का साथी है।

भारत रूस की दोस्ती की जड़े शीत युद्ध के दौर से मजबूत हैं। 1950 के दशक में सोवियत संघ ने भारत को सैन्य सहायता दी जब पश्चिमी देश पाकिस्तान को हथियार दे रहे थे। फिर 1960 से भारत ने रूसी जहाज और सबमरीन का इस्तेमाल शुरू कर दिया। आज भारतीय नौसेना के आधे से अधिक प्रमुख जहाज रूसी मूल के हैं। अब 1971 के भारतपाकि युद्ध में रूस की भूमिका यादगार है। जब अमेरिका ने अपना एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस एंटर प्राइज बंगाल की खाड़ी में भेजा।

फिर आई कूनो से अच्छी खबर... गामिनी ने दिया तीन शावकों को जन्म

-भारत में चीतों की संख्या 38 हुई, 7 फरवरी को भी हुआ था 5 शावकों का जन्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में दक्षिण अफ्रीका से लाई गई मादा चीता गामिनी ने बुधवार को तीन शावकों को जन्म दिया। खास बात यह है कि यह खुशखबरी चीतों के भारत आने के तीन साल पूरे होने के दिन सामने आई है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने अपने एक्स पर इसकी जानकारी दी। यादव ने इस उपलब्धि को भारत के ऐतिहासिक संरक्षण अभियान की बड़ी सफलता बताया है। बता दें भारत आने के बाद मादा चीता गामिनी दूसरी बार मां बनी है। इन नए शावकों के जन्म के साथ भारत में शावकों की संख्या 27 हो गई है जो अभी जिंदा हैं। इसके साथ ही अब देश में चीतों की कुल आबादी 38 हो गई। बता दें बीते 10 दिन में यह दूसरा प्रसव है, जिनमें 8 शावकों ने जन्म लिया है। इससे पहले 7 फरवरी को भी कूनो नेशनल पार्क में चीता परिवार में 5 शावकों का जन्म हुआ था। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि शावकों का जन्म प्रोजेक्ट चीता को मजबूती प्रदान कर रहा है। फील्ड स्टाफ और पशु चिकित्सकों की सतत निगरानी और समर्पण से यह सपना साकार हो रहा है। शवकों के जन्म को लेकर मध्य प्रदेश के सीएम डा मोहन यादव ने अपने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर एक वीडियो शेयर कर लिखा- चीतों के पुनर्स्थापन का सशक्त केंद्र मध्यप्रदेशज अत्यंत हर्ष का विषय है कि प्रोजेक्ट चीता के अंतर्गत दक्षिण अफ्रीका से आई मादा चीता 'गामिनी' ने तीन शावकों को जन्म दिया है। श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क में आए चीतों के तीन साल पूरे होने के साथ ही कूनो में यह 9वां सफल प्रसव है। भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़कर अब 38 हो गई है। यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। कूनो नेशनल पार्क में चीतों की बढ़ती आबादी उनकी सतत निगरानी, वैज्ञानिक प्रबंधन और अथक परिश्रम के कारण यह संभव हो सकी है। कूनो में हो रहा यह सकारात्मक विकास भारत की जैव-विविधता संरक्षण यात्रा में मील का पत्थर साबित हो रहा है।

बंगाल में ममता बनर्जी तुगलक और औरंगजेब की तरह शासन चला रही हैं

-बीजेपी सांसद ने लगाया बंगाल को बांग्लादेश बनाने की साजिश का लगाया आरोप

पटना (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में हुमायूं कबीर द्वारा बनाई जा रही बाबरी मस्जिद पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। बिहार में एनडीए के नेताओं ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि ममता बनर्जी भी कबीर का साथ दे रही हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि बाबरी मस्जिद से जुड़े मुद्दों पर भी बंगाल सरकार की भूमिका पर सवाल उठते हैं और ममता को डबल गेम नहीं खेलने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी बांग्लादेशी मुसलमानों के सहारे सत्ता में बनी रहना चाहती हैं, लेकिन अब बंगाल के हिंदू जाग चुके हैं। जो लोग ममता बनर्जी को 'शेरनी' कहते हैं, वे उन्हें गलत बताते हैं और आरोप लगाते हैं कि वे राज्य को बांग्लादेश बनाने की दिशा में ले जा रही हैं। उन्होने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी तुगलक और औरंगजेब की तरह शासन चला रही हैं और हिंदुओं को दबाने का काम कर रही हैं। वहीं बीजेपी नेता सैयद शाहनवाज हुसैन ने भी पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन का दावा किया। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने बिहार, हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में जीत दर्ज की है और अब बंगाल में भी पार्टी का झंडा लहराएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी चुनावों में बीजेपी को स्पष्ट बहुमत मिलेगा। इधर बिहार की राजनीति में भी बयानबाजी तेज है। बिहार सरकार में मंत्री राम कृपाल यादव ने राजद नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले वे अपने कार्यकाल का हिसाब दें। उन्होंने दावा किया कि नीतीश सरकार सभी वर्गों के लिए काम कर रही है और राज्य के विकास के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। शराबबंदी के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि यदि कहीं कमी पाई जाती है तो सरकार कार्रवाई करेगी। वहीं बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार की एनडीए सरकार से उनके कामकाज का हिसाब मांगा है, जिससे बिहार की राजनीति गर्मा गई है। वहीं मंत्री दिलीप जायसवाल ने दिल्ली में आयोजित एआई समिट को अहम बताते हुए कहा कि बिहार की सक्रिय भागीदारी रही है।

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के नए महाप्रबंधक बने आशीष बंसल

एजेंसी

मालीगांव : यूपीएससी 1989 बैच के भारतीय रेलवे इंजीनियर्स सेवा के अधिकारी आशीष बंसल ने पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के महाप्रबंधक का कार्यभार संभाल लिया है। पू. सी. रेलवे के बतौर महाप्रबंधक ज्वाइन करने से पहले वे मार्च, 2023 से भारत सरकार के अधीनस्थ रेल मंत्रालय में प्रधान कार्यकारी निदेशक के पद पर कार्य किया। बतौर महाप्रबंधक वे पू. सी. रेलवे के क्षेत्राधिकार यानी सिक्किम समेत सभी पूर्वोत्तर राज्य और पश्चिम बंगाल एवं बिहार के कुछ हिस्सों में आने वाले सभी रेल निर्माण गतिविधियों के प्रभारी होंगे।

जनवरी, 1991 में भारतीय रेलवे सेवा ज्वाइन करने के बाद, श्री बंसल को रेलवे ऑपरेशन के कई क्षेत्रों में लंबा और व्यापक अनुभव है, जिसमें आरडीएसओ एवं डीएमआरसी सहित रेलवे बोर्ड और विभिन्न रेलवे जोन में ट्रैक मेंटेनेंस, पॉलिसी बनाना, ब्रिज इंजीनियरिंग, मेट्रो कंस्ट्रक्शन शामिल है। उन्होंने पूर्व मध्य रेलवे के अधीन धनबाद मंडल में मंडल रेल प्रबंधक के रूप में अपनी सेवा दी और भारतीय रेलवे के सभी मंडलों की तुलना में सर्वाधिक माल लोडिंग और माल राजस्व हासिल करने का गौरव दिलाया। इसके अलावा, उन्होंने इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक का पदभार भी संभाला है। आरडीएसओ के ट्रैक मशीन निदेशालय में अपने कार्यकाल के दौरान, वे ट्रैक रिकॉर्डिंग सिस्टम और ट्रैक रिकॉर्डिंग डेटा का उपयोग कर ट्रैक मेंटेनेंस के लिए दिशा-निर्देश बनाने में अपने दायित्व का निर्वाह किया। यूएसए से आयातित एक हाई-स्पीड ट्रैक रिकॉर्डिंग कार को संचालित करने तथा दो अतिरिक्त ट्रैक रिकॉर्डिंग कारों को चालू करने में अपनी अहम भूमिका निभाई। उन्होंने मेंटेनेंस प्लानिंग और मॉनिटरिंग के लिए ट्रैक रिकॉर्डिंग डेटा के इस्तेमाल पर दो लेख भी लिखे। उत्तर रेलवे के मुख्य ट्रैक इंजीनियर के तौर पर अपने कार्यकाल में, वे लगभग 10000 कि.मी. नेटवर्क के ट्रैक मेंटेनेंस के साथ-साथ ट्रैक रिन्यूअल के कार्यों में शामिल थे। भारत सरकार के अधीनस्थ रेल मंत्रालय में प्रधान कार्यकारी निदेशक के तौर पर अपनी पिछली भूमिका में उन्होंने ट्रैक मॉडर्नाइजेशन के कार्यों का कुशल नेतृत्व किया, जिसमें बढ़े हुए एक्सल लोड और ट्रैफिक को संभालने के लिए ट्रैक मशीन फ्लीट को बढ़ाने पर फोकस किया गया था। एक स्ट्रक्चर्ड रेल ग्राइंडिंग प्रोग्राम पर उनके नेतृत्व के कारण ट्रैक परफॉर्मेंस और लंबे समय तक उपयोग करने में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जिससे भारतीय रेलवे को ऑपरेशनल लाभ मिले हैं। उनके कार्यकाल के दौरान सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक उपलब्धियों में से एक, भविष्य में 25टी एक्सल लोड और हाई स्पीड ऑपरेशन के लिए स्वदेशी मॉडर्न फास्टनिंग सिस्टम को अपनाने की पॉलिसी को अंतिम रूप देना था, ताकि अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा किया जा सके, ताकि ज्यादा विश्वसनीयता, सख्त सहनशीलता और दीर्घकालीन सेवा अवधि सुनिश्चित हो सके। पीएससी स्लीपर मैन्युफैक्चरिंग में पूरी तरह से ऑटोमेटेड कैरोसेल-बेस्ड क्लोज्ड-लूप सिस्टम के साथ प्रिसिजन मैन्युफैक्चरिंग की नींव रखने के लिए एक बड़ा मॉडर्नाइजेशन पहल किया गया है। उनके पिछले दो वर्षों के कार्यकाल के दौरान, 695 ट्रैक मशीनों का ऑर्डर भी दिया गया था। इसके अलावा, ट्रैक विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए 680 और ट्रैक मशीनें प्रोक्योरमेंट के विभिन्न चरणों में हैं।

एण्डटीवी पर होगा एंटरटेनमेंट का डबल डोज

एजेंसी

मुंबई : इस हफ्ते एण्डटीवी पर 'घरवाली पेड़वाली', 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' और 'हप्पू की उलटन पलटन' में हाई-वोल्टेज ड्रामा, चौंकाने वाले खुलासो और और ठहाकों का जबरदस्त तड़का लगने वाला है। जादुई बदलावों और एटीएम चोरी से लेकर एक छोटे से झूठ के कारण शुरू हुए अपहरण के ड्रामे तक, दर्शक एक यादगार सफर के लिए तैयार रहें। 'घरवाली पेड़वाली' के बारे में सीरत कपूर उर्फ सावी बताती हैं कि "पप्पी महिला का वेश धारण कर चुपके से घर से निकल जाता है, जबकि पुन्नू को वैलेंटाइन गिफ्ट के रूप में एक लाल गुलाब मिलता है। एक चौंकाने वाले मोड़ में, लड्डू अपनी शक्तियों का उपयोग करके पप्पी को एक तोता बना देता है। इसी बीच, रीता और गीता तिजोरी के अंदर ज्वेलरी की जांच करती हैं, वे इस बात से अनजान हैं कि लड्डू और लतिका सावी का पीछा करते हुए एटीएम तक पहुंच गए हैं। जब लतिका नकद निकालती है, तो लड्डू चुपके से एटीएम मशीन खोलकर पैसे चुरा लेता है। ड्रामा तब और बढ़ जाता है जब जीतू को एक संदेश मिलता है कि उसके खाते से 1 लाख रुपये कट गए हैं, जिससे वह हैरान और चिंतित हो जाता है। वह सावी से 50,000 रुपये के बारे में सवाल करता है, जिससे घर में तनाव पैदा हो जाता है। दूसरी ओर, पप्पी किसी तरह जीतू को यह बता देता है कि लड्डू ने ही उसे तोता बनाया था। एक और ट्विस्ट में, सावी और लतिका एक पेट शॉप पर जाकर एक बोलने वाला तोता खरीदती हैं। जैसे ही परिवार महाशिवरात्रि के लिए बाहर जाने की तैयारी करता है, सावी जीतू को वह तोता उपहार में देती है। लेकिन एक चौंकाने वाले पल में, तोता पूरे परिवार के सामने विस्फोटक सच बोल देता है कि जीतू की दो पत्नियां हैं, जिनमें से एक लतिका है। यह खुलासा सभी को दंग कर देता है और इससे रिश्तों के हमेशा के लिए टूटने का खतरा पैदा हो गया है। 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' के बारे में शिल्पा शिंदे ऊर्फ अंगूरी भाबी ने बताया, "जानू मेहता नाम का एक रहस्यमयी निवेशक भारी मुनाफे के प्रस्ताव के साथ घूंघटगंज रिसॉर्ट पहुंचता है। वह रिसॉर्ट में 5 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव रखता है और तिवारी को यकीन दिलाता है कि यह सौदा प्रॉपर्टी को जैकपॉट बना सकता है। हालांकि, अनीता इस निवेशक को हाथ से नहीं जाने देना चाहती। उस पर नजर रखने के लिए वह और विभूति एक योजना बनाते हैं जिसके तहत विभूति उसका पर्सनल शेफ बन जाता है। चीजें तब अराजक हो जाती हैं जब जानू मेहता के हाथ विभूति का जादुई 'सी-थ्रू' चश्मा लग जाता है, जो लोगों को बिना कपड़ों के दिखाता है। विभूति उसका सामना करता है और तीखी झड़प के बाद उसे वापस छीनने में कामयाब रहता है। इस ड्रामे को देखकर तिवारी अनीता को सुझाव देता है कि विभूति को रिसॉर्ट से निकाल देना चाहिए।

साइको सैयां का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज प्यार और जुनून की खतरनाक कहानी

एजेंसी

मुंबई : भारत की अग्रणी मुफ्त, प्रीमियम और विज्ञापन-समर्थित वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा एमेजॅन एमएक्स प्लेयर ने आज अपनी आगामी रोमांस थ्रिलर सीरीज 'साइको सैया' का आधिकारिक ट्रेलर जारी किया। यह कोई सामान्य प्रेम कहानी नहीं है। जो कहानी एक बड़े, फिल्मी रोमांस की तरह शुरू होती है, वह धीरे-धीरे अपने गहरे और डरावने रूप को दिखाती है, जहाँ प्यार जुनून में बदलने लगता है और चाहत घुटन पैदा करने लगती है। इस सीरीज में रवि किशन, तेजस्वी प्रकाश और अनुद सिंह ढाका मुख्य भूमिकाओं में हैं। साथ ही, सृष्टि श्रीवास्तव, सुरभि चांदना, वरुण भगत, अश्विनी कालसेकर और यशपाल शर्मा भी अहम किरदार निभा रहे हैं। ट्रेलर में कार्तिक का परिचय कराया गया है, जो उज्जैन का एक शायरी पसंद करने वाला युवक है। उसे लगता है कि उसे आखिरकार वह लड़की मिल गई है, जो उसकी दुनिया को पूरा कर देगी, चारू। उसके लिए प्यार कोई साधारण भावना नहीं है, बल्कि एक बड़ी, गहरी और हर जोखिम उठाने वाली भावना है। लेकिन इस तीव्रता की अपनी कीमत होती है। जैसे-जैसे कार्तिक की भावनाएं गहरी होती जाती हैं, वैसे-वैसे उसे थामे रखने की चाह भी बढ़ती जाती है। वह उसके पीछे अलग-अलग शहरों तक जाता है, अधिकारों का विरोध करता है और जो भी उसके रास्ते में आता है, उससे टकरा जाता है। जिसे वह प्यार कहता है, वह धीरे-धीरे खतरनाक रूप से कब्जे और अधिकार जताने जैसा दिखने लगता है। उज्जैन, कटनी और जॉर्जिया की पृष्ठभूमि पर आधारित यह ट्रेलर तीखे टकराव, बढ़ती आपराधिक ताकत, भावनात्मक हेरफेर और लगातार कमजोर पड़ते रिश्तों की झलक दिखाता है। रवि किशन अपने प्रभावशाली अभिनय से हर दृश्य में छा जाते हैं और हर मोड़ पर शक्ति का संतुलन बदलते नजर आते हैं, जिससे कहानी और भी गंभीर और भयावह हो जाती है। ट्रेलर खत्म होने के बाद भी एक सवाल लंबे समय तक मन में बना रहता है – प्यार आखिर कब नियंत्रण की सीमा पार कर जाता है एमेजॅन एमएक्स प्लेयर के कंटेंट प्रमुख अमोघ दुसाद ने कहा, "एमेजॅन एमएक्स प्लेयर पर हमारा लगातार प्रयास रहता है कि हम ऐसी कहानियाँ लेकर आएं जो सिर्फ मनोरंजक ही नहीं, बल्कि भावनाओं का एक अलग और खास मिश्रण भी पेश करें। साइको सैयां एक पारंपरिक रोमांस की खूबसूरती से शुरू होती है, जिसे दर्शक पसंद करते हैं, लेकिन जल्दी ही यह एक गहरी मनोवैज्ञानिक कहानी में बदल जाती है। यह सीरीज हमारे उस बड़े दृष्टिकोण का हिस्सा है, जिसमें हम देशभर के विविध दर्शकों के लिए प्रभावशाली और भावनात्मक रूप से जुड़ी कहानियाँ पेश करना चाहते हैं।

अजित पवार विमान हादसा: डीएफडीआर डेटा डाउनलोड, सीवीआर रिकवरी के लिए कंपनी से मांगी मदद

-एएआईबी की तकनीकी जांच जारी; सीबीआई जांच की मांग तेज

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे की जांच अब निर्णायक चरण में पहुंचती दिख रही है। जांच की जिम्मेदारी एयरक्रॉफ्ट एक्सिडेंट इनवेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) को सौंपी गई है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार, क्रैश के दौरान विमान का ब्लैक बॉक्स तेज गर्मी और आग की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हुआ था, हालांकि उसके एक हिस्से का डेटा सफलतापूर्वक हासिल कर लिया गया है।

मंत्रालय ने बताया कि विमान में लगे दो स्वतंत्र फ्लाइट रिकॉर्डर, डिजिटल फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (डीएफडीआर) और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) में से डीएफडीआर का डेटा एएआईबी की फ्लाइट रिकॉर्डर लैब में डाउनलोड कर लिया गया है। यह रिकॉर्डर अमेरिकी कंपनी एल3 क्यूनिकेशंस द्वारा निर्मित है। वहीं, सीवीआर, जिसे हनीवेल ने बनाया है, उसकी विस्तृत तकनीकी जांच जारी है। सीवीआर का डेटा रिकवर करने के लिए संबंधित कंपनी से तकनीकी सहयोग मांगा गया है।

राजनीतिक बयानबाजी हुई तेज

ब्लैक बॉक्स के जलने के दावों पर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। एनसीपी (शरद गुट) के विधायक और पवार के भतीजे रोहित पवार ने कहा कि ब्लैक बॉक्स भीषण आग और धमाकों से सुरक्षित रह सकता है, लेकिन महाराष्ट्र की राजनीति से नहीं। विशेषज्ञों का कहना है कि ब्लैक बॉक्स 1100 डिग्री सेल्सियस तापमान को एक घंटे तक और 260 डिग्री तापमान को लगभग 10 घंटे तक सहन कर सकता है। ऐसे में उसके पूरी तरह जलने की संभावना कम बताई जा रही है।

28 जनवरी को हुआ था हादसा

पुणे जिले के बारामती में 28 जनवरी की सुबह वीएसआर वेंचर्स कंपनी का लेयरजेट 45 विमान क्रैश हो गया था। इस हादसे में अजित पवार समेत कुल पांच लोगों की मौत हुई थी। विमान सुबह 8ः10 बजे मुंबई से रवाना हुआ था और करीब 8ः45 बजे बारामती के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के दूसरे दिन ब्लैक बॉक्स बरामद किया गया था।

सीबीआई जांच की मांग

अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने अन्य एनसीपी नेताओं के साथ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर हादसे की सीबीआई जांच की मांग की है। इस प्रतिनिधिमंडल में सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल भी शामिल थे। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में केंद्र सरकार से चर्चा का आश्वासन दिया है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के अनुसार, जांच विमान दुर्घटना जांच नियम, 2017 और

आईसीएओ एनेक्स-13 के अंतरराष्ट्रीय मानकों के तहत की जा रही है। एएआईबी ने अपील की है कि जांच पूरी होने तक अटकलों से बचा जाए। ब्यूरो ने भरोसा दिलाया है कि निष्कर्ष पूरी तरह तकनीकी साक्ष्यों पर आधारित होंगे।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातु, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**